रांची, शनिवार

04.07.2026

वर्ष : 11, अंक : 212, पृष्ठ : 12

मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

ई-रिक्शा को रोक देने वाली ऐप्स स्टोर से हटाई गई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ई-रिक्शा को दूर से रोक देने वाली ऐप्स को ऐप स्टोर से हटवा दिया है। साथ ही ऐप स्टोर को इस संबंध में सावधानी बरतने को भी कहा गया है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने बीएटी-बीएमएस, लोसिगी और इपोच-आई-इओन ऐप्स को हटाने का आदेश दिया है, जिनका कथित तौर पर बैटरी से चलने वाले वाहनों को दूर से निष्क्रिय करने के लिए दुरुपयोग किया जा रहा था। सूत्रों के अनुसार दुरुपयोग किए जा रहे ऐसे अन्य ऐप्स को भी ब्लॉक कर दिया जाएगा। इलेक्ट्रोनिक्स एवं आईटी मंत्रालय में सचिव एस कृष्णनन ने एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में इसकी पुष्टी की है। उन्होंने कहा कि कल हमारे संज्ञान में ई-रिक्शा को रोकने वाली कुछ ऐप्स संज्ञान में आई थी। इन्हें ऐप स्टोर से हटा लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में ऐप स्टोर को सावधानी बरतनी चाहिए। हम इस मुद्दे को विस्तार से उनके समक्ष उठाएंगे ताकि भविष्य में ऐसे नुकसानदायक ऐप स्टोर पर उपलब्ध न हो। उल्लेखनीय है कि कल से सोशल मीडिया में चलते ई-रिक्शा को ऐप के माध्यम से रोके जाने का वीडियो वायरल हो रहा हैं। बताया जा रहा है कि चीनी ऐप के माध्यम से ब्लूटूथ वाली बैटरी को प्रभावित कर रिक्शा को रोका जाता है।

नौगछिया सड़क हादसे में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत, सात घायल

भागलपुर। नवगछिया के भवानीपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर हुए एक सड़क हादसे में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक ही परिवार के सात सदस्य घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब बालू से लदा एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित कच्चे मकान पर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक भवानीपुर थाना के सामने खगड़िया की ओर से आ रहा था। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रक सड़क किनारे बने कच्चे मकान पर पलट गया। हादसे के समय मकान के भीतर परिवार के कई सदस्य मौजूद थे, जो ट्रक और मलबे के नीचे दब गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

प्रधानमंत्री आज एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी राष्ट्र को करेंगे समर्पित

जोधपुर के नए एयरपोर्ट टर्मिनल का भी करेंगे लोकार्पण

एजेंसी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बालोतरा के पचपदरा से चार जुलाई को भारत की प्रथम ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स राष्ट्र को समर्पित करेंगे। दुनिया की सबसे उन्नत रिफाइनरी में से एक यह परियोजना देश के लिए पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे पहले प्रधानमंत्री जोधपुर में नए सिविल एयरपोर्ट टर्मिनल का लोकार्पण करेंगे और इसके बाद बालोतरा जिले के पचपदरा पहुंचकर बहुप्रतीक्षित रिफाइनरी का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री जयपुर मेट्रो फेज-2 सहित प्रदेशभर की विभिन्न विकास परियोजनाओं के वर्चुअल लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रमों में भाग लेंगे। साथ ही विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित करेंगे।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा राजस्थान सरकार के संयुक्त उद्यम के रूप में विकसित 9 एमएमटीपीए क्षमता वाली ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स 79 हजार 459 करोड़ के निवेश से स्थापित की गई है। इस परियोजना ने 2.4 एमएमटीपीए पेट्रोकेमिकल क्षमता के साथ रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल उत्पादन को एकीकृत किया है। इस रिफाइनरी में क्रूड ऑयल से विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन भी प्रारंभ हो चुका है।

राजस्थान के क्रूड तथा आयातित क्रूड के मिश्रण को प्रोसेस्ड करने के लिए यह रिफाइनरी अत्याधुनिक सुविधाओं से डिजाइन की गई है। इसका नेल्सन कॉम्प्लेक्सिटी इंडेक्स 17.0 बेहद उच्चस्तरीय है तथा पेट्रोकेमिकल उत्पादन 26 प्रतिशत से अधिक है, जो दक्षता और संधारणीयता के लिए वैश्विक मानकों के अनुरूप है।

यह कॉम्प्लेक्स भारत की ईंधन क्षमता को सुदृढ़ बनाने, पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने तथा औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही, पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक पार्क के विकास के लिए एक आधारभूत उद्योग के रूप में कार्य करेगा, जिससे डाउनस्ट्रीम उद्योगों एवं अनुषंगी क्षेत्रों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

राजस्थान रिफाइनरी परियोजना एमएसएमई, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स व एग्री-फिल्म्स जैसे उद्योगों को भी सशक्त करेगी जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

राजस्थान की रेतीली धरती पर इस परियोजना का निर्माण अद्वितीय इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस परियोजना के निर्माण के लिए डेढ़ करोड़ घन मीटर मिट्टी हटाई गई जो गीजा के पिरामिड से 6 गुना अधिक है। इसमें 16 लाख घन मीटर कंक्रीट का उपयोग किया गया है जो बुर्ज खलीफा से 5 गुना अधिक है। राजस्थान रिफाइनरी में एफिल टॉवर से 40 गुना अधिक करीब 3 लाख मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया गया है। इसमें इस्तेमाल की गई 28 हजार किलोमीटर लंबी केबल पृथ्वी के व्यास से भी दोगुनी है। रिफाइनरी में स्थापित 125 मीटर का कोक डोम गोल गुम्बज से 3 गुना बड़ा है।

इस परियोजना ने रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके निर्माण के चरण में लगभग 35 हजार श्रमिकों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं तथा सहायक क्षेत्रों में लगभग 1 लाख अप्रत्यक्ष रोजगारों का सृजन भी हुआ है।

प्रधानमंत्री के कर कमलों से रिफाइनरी का उद्घाटन होने पर विकसित भारत की परिकल्पना को मजबूती मिलेगी और यह परियोजना देश को पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में संधारणीय विकास के रूप में सशक्त बनाएगी।

डीडी बार हत्याकांड के विरोध में भाजपा का जमशेदपुर बंद शांतिपूर्ण, 26 हिरासत में

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। बिष्टुपुर स्थित डबल डाउन (डीडी) बार एंड रेस्टोरेंट में हुई चर्चित हत्या के विरोध में शुक्रवार को एनडीए समर्थित जमशेदपुर बंद शांतिपूर्ण रहा। बंद के दौरान भाजपा और सहयोगी दलों के नेता एवं कार्यकर्ता सुबह से ही शहर के विभिन्न इलाकों में बंद को सफल बनाने के लिए सड़क पर उतरे। वहीं, जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरे शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखी। दिनभर बंद के दौरान किसी भी बड़ी हिंसक या अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

बंद को लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ एहतेशाम वकारीव ने बताया कि बंद पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर 26 लोगों को हिरासत में लिया गया।

बंद के दौरान शहर में कुछ सार्वजनिक और निजी वाहन चले, जबकि कई स्थानों पर बाजार पूरी तरह बंद रहे। कहीं से भी तोड़फोड़ या हिंसा के घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

डीडी बार हत्याकांड के मद्देनजर जिला प्रशासन पहले से ही सतर्क था। धालभूम अनुमंडल दंडाधिकारी अर्नव मिश्रा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत लागू निषेधाज्ञा को बढ़ाते हुए इसे निर्धारित अवधि तक प्रभावी रखने का आदेश जारी किया। यह आदेश साकची, बिष्टुपुर, सोनारी, कदमा, मानगो और एमजीएम थाना क्षेत्र में लागू रहा। प्रशासन के अनुसार विभिन्न संगठनों की ओर से बंद और प्रदर्शन की घोषणा को देखते हुए शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया।

निषेधाज्ञा के तहत प्रतिबंधित क्षेत्रों में बिना अनुमति धरना, प्रदर्शन, घेराव, पुतला दहन और पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगाई गई थी। साथ ही लाठी-डंडा, तीर-धनुष, भाला, गड़ासा या अन्य हथियार लेकर चलने और बिना अनुमति ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाया गया। हालांकि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी, दंडाधिकारी, चिकित्साकर्मी, मीडियाकर्मी, सरकारी और गैर-सरकारी कर्मचारी, बारात, शव यात्रा, पूजा-पाठ एवं धार्मिक आयोजनों को इस आदेश से छूट दी गई।

बंद के दौरान पूर्व मुख?यमंत्री रघुवर दास, भाजपा सांसद विद्युत वरण महतो और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी अपने समर्थकों के साथ बिष्टुपुर क्षेत्र में सक्रिय रहे। वहीं विधायक सरयू राय ने बिष्टुपुर, कदमा, सोनारी और मानगो क्षेत्र में समर्थकों के साथ बंद का नेतृत्व किया। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने साकची क्षेत्र में मोर्चा संभाला, जबकि पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां मानगो बस स्टैंड और भुईयांडीह इलाके में कार्यकताओं के साथ बंद को सफल बनाने में जुटे रहे।

शहर के विभिन्न इलाकों में भाजपा समर्थक समूह बनाकर बंद कराते नजर आए। कई स्थानों पर सड़क पर चल रहे वाहनों को रोककर वापस लौटाया गया और कुछ वाहनों के टायरों की हवा निकालने की भी घटनाएं सामने आईं। वहीं मानगो क्षेत्र में पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह को एहतियातन उनके आवास से ही हिरासत में ले लिया गया। पूरे घटनाक्रम के बीच प्रशासन की सख्ती और भारी पुलिस बल की तैनाती के कारण शहर में कानून-व्यवस्था नियंत्रण में रही।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने लौटाई सरकारी सुरक्षा, कारकेड की गाड़ियां भी वापस कीं

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने अपनी सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों को वापस कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सुरक्षा कारकेड में शामिल तीन बोलेरो वाहन भी संबंधित विभाग को लौटा दिए हैं। फिलहाल वह बिना सुरक्षा गार्ड के ही आवागमन कर रहे हैं।

पुलिस विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, वित्त मंत्री की सुरक्षा में 16 कमांडो और स्पेशल ब्रांच के तीन पुलिस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। सुरक्षा कर्मियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था में उपयोग होने वाला वाहन भी उन्होंने वित्त विभाग को वापस कर दिया है। इस संबंध में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भी औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है। हालांकि, डीजीपी के अगले आदेश तक सुरक्षा कर्मी मंत्री के सरकारी आवास पर तैनात रहेंगे, लेकिन मंत्री ने उन्हें अपने साथ चलने से मना कर दिया है। ऐसे में फिलहाल वह बिना किसी सुरक्षा घेरे के ही यात्रा कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, पूरे घटनाक्रम की शुरूआत 29 जून को डीजीपी तदाशा मिश्रा को लिखे गए एक पत्र से हुई। मंत्री ने पत्र में सुरक्षा कर्मियों के साथ चलने के लिए एक अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। बताया जा रहा है कि तीन दिनों तक इस संबंध में कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए अपनी सुरक्षा वापस करने का निर्णय ले लिया। मंत्री के इस कदम को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में विभिन्न तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, इस संबंध में सरकार या पुलिस मुख्यालय की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्रधानमंत्री 6 जुलाई से इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा पर रहेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 से 11 जुलाई तक छह दिवसीय हिंद-प्रशांत क्षेत्र के तीन देशों इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा पर रहेंगे। न्यूजीलैंड की उनकी यात्रा 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी, इससे पहले राजीव गांधी ने 1986 में न्यूजीलैंड की यात्रा की थी।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 8 और 9 जुलाई को इंडोनेशिया का दौरा करेंगे। इसके बाद वे 10 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न और फिर 11 जुलाई को न्यूजीलैंड में होंगे।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इंडोनेशिया में उनका मुख्य कार्यक्रम राजधानी जकार्ता में होगा। वे सांस्कृतिक केंद्र और ऐतिहासिक शहर योग्याकार्ता का भी दौरा करेंगे। यहां वे प्रंबानन मंदिर परिसर जाएंगे। भारत और इंडोनेशिया विश्व धरोहर स्थल के संरक्षण कार्यों में सहयोग करने की योजना बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया की यह यात्रा द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर चल रही चचाओं की निरंतरता होगी। मेलबर्न में प्रधानमंत्री भारत-ऑस्ट्रेलिया के तीसरे वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं की बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों के उभरते क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा, विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिज, साइबर सुरक्षा क्षेत्र, आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन, उभरती प्रौद्योगिकी इत्यादि।

ऑस्ट्रेलिया के बाद प्रधानमंत्री न्यूजीलैंड की यात्रा पर रहेंगे। वे वहां प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ चर्चा करेंगे। न्यूजीलैंड की यह यात्रा भारतीय प्रधानमंत्री की 40 वर्षों में पहली यात्रा होगी।

वित्तीय अनुशासन में झारखंड ने मारी बाजी, नीति आयोग के राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक में बना अचीवर

बिभा संवाददाता

रांची। नीति आयोग की ओर से वर्ष 2026 में जारी वित्तीय वर्ष 2023-24 के राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक (फिस्कल हेल्थ इंडेक्स) में झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के टॉप 03 राज्यों में अपनी जगह बनाई है। राज्य को अचीवर श्रेणी में शामिल किया गया है, जहां उसने ओडिशा और गोवा जैसे राज्यों के साथ मजबूती से स्थान हासिल की है।

झारखंड की इस उपलब्धि के पीछे मजबूत वित्तीय अनुशासन, संसाधन जुटाने की क्षमता और संतुलित खर्च प्रबंधन प्रमुख कारण रहे हैं। राज्य ने अपने कुल राजस्व में टैक्स से होने वाली आय का हिस्सा 60 प्रतिशत से अधिक बनाए रखते हुए रेवेन्यू मोबिलाइजेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। साथ ही नॉन-टैक्स रेवेन्यू बढ़ाने के प्रयास भी सफल रहे हैं।

वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में भी झारखंड ने समझदारी का परिचय दिया है। राज्य ने अपने फिस्कल डेफिसिट को सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के निर्धारित 03 प्रतिशत से नीचे बनाए रखा, जो वित्तीय अनुशासन का स्पष्ट संकेत है।

विकासोन्मुखी खर्च पर ध्यान देते हुए राज्य सरकार ने कैपिटल एक्सपेंडिचर को जीएसडीपी के लगभग 04 से 05 प्रतिशत के स्तर पर बनाए रखा है, जिससे आधारभूत संरचना और दीर्घकालिक विकास को मजबूती मिली है। इसके अलावा, झारखंड ने कर्ज प्रबंधन में भी संतुलन बनाए रखा है। राज्य का कुल कर्ज जीएसडीपी के 25 प्रतिशत से कम है और ब्याज भुगतान का बोझ भी नियंत्रित रखा गया है, जो वित्तीय स्थिरता का प्रमाण है। विशेषज्ञों का मानना है कि झारखंड का यह प्रदर्शन न केवल राज्य की वित्तीय सुदृढ़ता को दर्शाता है, बल्कि आने वाले वर्षों में विकास की मजबूत नींव भी तैयार करता है। यह जानकारी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

सेनाओं की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए 52 हजार करोड़ रुपये मंजूर, खरीदे जाएंगे हथियार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई डीएसी की बैठक में लिए गए अहम फैसले

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए 52 हजार करोड़ रुपये से हथियार खरीदने को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में यह स्वीकृति मिलने से हथियार खरीदे जाएंगे। इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली 'आकाश तरंग' भारतीय सेना की युद्धक क्षमता बढ़ाएगी। सक्रिय सुरक्षा प्रणाली टैंकों की रक्षा प्रणाली को मजबूत करने और काफी समय तक उनकी क्षमता को बढ़ाने में सक्षम होगी।

डीएसी की बैठक में रक्षा बलों के लिए लगभग 52 हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर विभिन्न अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) यानी सैद्धांतिक प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। भारतीय सेना के लिए मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली 'आकाश तरंग', मानव-चालित टैंक-रोधी निर्देशित मिसाइल (एमपीएटीजीएम) प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) हथियार प्रणाली, बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वी-शोराड्स), टैंकों के लिए सक्रिय सुरक्षा प्रणाली और जेट आधारित कामिकेज ड्रोन प्रणाली की खरीद को मंजूरी दी गई। बहु-स्पेक्ट्रल संवेदन क्षमता से लैस वी-शोराड्स भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई की क्षमता और प्रभावशीलता को बढ़ाएगा।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार जेट आधारित कामिकेज ड्रोन अधिक मारक क्षमता और दीर्घ अवधि तक बेहतर इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता प्रदान करते हैं। भारतीय नौसेना के लिए मल्टी इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (एमआईजीएम), नौसेना शिपबोर्न अनमैन्ड एरियल सिस्टम (एनएसयूएएस) की खरीद और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम के लिए भूमि आधारित परीक्षण सुविधा (एलबीटीएफ) की स्थापना को मंजूरी दी गई। एमआईजीएम दुश्मन की पैंतरेबाजी को नाकाम करने में समक्ष है। उन्नत सेंसरों से लैस एनएसयूएएस भारतीय नौसेना की स्थितिजन्य सतर्कता को बढ़ाएगी। एलबीटीएफ भारतीय नौसेना की परिसंपत्तियों के मोटर्स और संबंधित प्रणोदक प्रणाली की परीक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करेगी। भारतीय वायु सेना के लिए फिक्स्ड-विंग बेस्ड हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट (एफडब्ल्यू-एचएपीएस) और अन्य प्रस्तावों की खरीद को मंजूरी दी गई है। एफडब्ल्यू-एचएपीएस भारतीय वायु सेना के लिए निरंतर खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही, दूरसंचार और दूर संवेदी कार्य करेगा।

घर बैठे अगले छह महीनों तक फ्री में अपडेट करें आधार

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरदराज के क्षेत्रों के निवासी अब घर बैठे आसानी से अपने आधार कार्ड में ईमेल, मोबाइल नंबर, पता समेत अन्य अपडेट कर सकेंगे। एक जुलाई से शुरू हुई यह सुविधा अगले छह महीने तक निःशुल्क रहेगी। प्रथम दो दिनों में 25 लाख से अधिक लोगों ने अपने ईमेल अपडेट करवाए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने यह पहल एक जुलाई से शुरू की। इससे निवासियों के लिए अपनी आधार जानकारी को अपडेट करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है।

मंत्रालय के मुताबिक जीवन को सुगम बनाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया नया आधार ऐप लोगों को अपने स्मार्टफोन से ही मोबाइल नंबर अपडेट और पता अपडेट सहित कई सेवाओं का आसानी से लाभ उठाने में सक्षम बना रहा है। अब तक 40 लाख से अधिक लोगों ने नए आधार ऐप का उपयोग करके अपने मोबाइल नंबर अपडेट किए हैं। वहीं, लगभग 10 लाख लोगों ने इस ऐप का उपयोग करके अपना पता भी अपडेट किया है।

यह पहल डिजिटल इंडिया के अंतर्गत विकसित भारत की दिशा में लोगों के अनुकूल डिजिटल सेवा प्रदान करने के लिए यूआईडीएआई की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

जमशेदपुर में वातालर्लाप-2026 मीडिया कार्यशाला संपन्न, किसान कल्याण योजनाओं पर हुआ संवाद

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), रांची द्वारा शुक्रवार को जमशेदपुर में ₹वातालर्लाप-2026₹ मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय ₹12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के एवं किसान सशक्तिकरण तथा किसान सम्मान निधि₹ रहा। कार्यक्रम में जिले एवं आसपास के क्षेत्रों के लगभग 70 पत्रकारों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, किसान-केंद्रित पहलों तथा विकसित भारत के संकल्प से जुड़े विषयों पर मीडिया के साथ सार्थक एवं तथ्यपरक संवाद स्थापित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पीआईबी रांची/भुवनेश्वर के अपर महानिदेशक अखिल कुमार मिश्रा ने कहा कि सरकार और मीडिया के बीच सतत एवं सार्थक संवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने 'वातालर्लाप' पहल के उद्देश्य, इसकी उपयोगिता तथा जनहितकारी योजनाओं की सही एवं तथ्यपरक जानकारी आमजन तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पत्र सूचना कार्यालय, रांची के मीडिया एवं संचार अधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने केंद्र सरकार की पिछले 12 वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से आम नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी दी।

तकनीकी सत्र में झारखंड दूरदर्शन समाचार इकाई के प्रमुख एवं सहायक निदेशक दिवाकर कुमार ने ड्रोन दीदी, मृदा स्वास्थ्य कार्ड तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कृषि विज्ञान केंद्र, पूर्वी सिंहभूम के वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि अभियांत्रिकी) सुरेंद्र सिंह मुंडा ने वैज्ञानिक खेती एवं नई तकनीकों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के उपायों पर प्रकाश डाला।

पीआईबी, रांची के कार्यालय प्रमुख गौरव कुमार पुष्कर ने पत्रकार कल्याण योजनाओं की जानकारी दी। पद्म एवं वरिष्ठ पत्रकार बलबीर दत्त ने विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में सकारात्मक एवं उत्तरदायी मीडिया की भूमिका पर बल दिया। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव ने किसान हित को लेकर विचार साझा किए। प्रश्नोत्तर सत्र के बाद कार्यशाला का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। पीआईबी रांची की यंग प्रोफेशनल शिवानी कुमारी केसरी ने पीआईबी की कार्यशैली पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में सूचना सहायक प्रिंस कुमार, यंग प्रोफेशनल शिवेंद्र नाथ तिवारी तथा अन्य कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

पंचपरगनिया अभ्यर्थियों ने जेएसएससी कार्यालय में किया शांतिपूर्ण प्रदर्शन, सिलेबस से बाहर प्रश्न पूछे जाने पर जताई आपत्ति

बिभा संवाददाता

रांची। पंचपरगनिया विषय के अभ्यर्थियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आज झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) कार्यालय पहुंचकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया तथा आयोग को ज्ञापन सौंपा।

अभ्यर्थियों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से पंचपरगनिया विषय से संबंधित परीक्षाओं में निर्धारित पाठ्यक्रम (सिलेबस) से बाहर प्रश्न पूछे जा रहे हैं, जिससे हजारों छात्रों का परिणाम प्रभावित हो रहा है। छात्रों ने आरोप लगाया कि इस कारण पंचपरगनिया क्षेत्र के अभ्यर्थियों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है।

छात्रों ने बताया कि हाल ही में आयोजित उत्पाद सिपाही परीक्षा में पंचपरगनिया विषय के 22 प्रश्न सिलेबस से बाहर पूछे गए, जबकि सहायक आचार्य (कक्षा 1 से 5) परीक्षा में 63 प्रश्न निर्धारित पाठ्यक्रम से बाहर होने का दावा किया गया है।

प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने आयोग से मांग की कि भविष्य में आयोजित होने वाली सभी परीक्षाओं में केवल निर्धारित सिलेबस के अनुरूप प्रश्न पूछे जाएं तथा पूर्व में हुई त्रुटियों और विवादित प्रश्नों की निष्पक्ष समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। छात्रों ने स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक एवं छात्रहित में है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आयोग उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए न्यायसंगत निर्णय लेगा।

इस अभियान में पंचपरगना छात्र संघ के कृष्णा कुमार दास, गौतम महतो, धीरज वर्मा, दुर्गा, सुकुमार मांझी, प्रकाश सिंह मुंडा, रूप सिंह, राजू महतो, बैद्यनाथ महतो, देव कुमार मुंडा, गोनो, सुभाष मछुआ, कालीपद नायक, शंकर मुंडा, संदीप मुंडा, अनिल मुंडा सहित अन्य अभ्यर्थी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

ऑटो की टक्कर से आईटीआई छात्र हुआ घायल

चांडिल(बिभा) : चौका थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 33 दूबराजपुर के समीप एक अज्ञात ऑटो की टक्कर से चांडिल गांगुडीह आईटीआई के छात्र सुंदर कालिंदी (पिता कार्तिक कालिंदी), निवासी चांडिल, गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा युवा जिला मंत्री आकाश महतो तत्काल मौके पर पहुंचे और अपने वाहन से घायल छात्र को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चांडिल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर रेफर कर दिया। ईश्वर से घायल छात्र के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं पूर्ण स्वस्थ होने की कामना है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को लेकर वालंटियरों को दिया गया प्रशिक्षण

खलारी(बिभा)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को खलारी प्रखंड सभागार में प्रतिनियुक्त वालंटियरों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रणव अंबष्ठ ने की।बैठक के दौरान बीडीओ ने वालंटियरों को अभियान में उनकी जिम्मेदारियों और कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना सुनिश्चित करना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए घर-घर जाकर इनुमेरेशन फॉर्म भरवाने, आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कराने तथा निर्धारित दिशा-निदेर्शों का पालन करने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।उन्होंने वालंटियरों को एएसडीडी सूची तैयार करने, बीएलए-2 की बैठक के आयोजन और पिछले विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान छूटे हुए योग्य मतदाताओं की पहचान कर उनका नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए आवश्यक सहयोग देने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और गंभीरता के साथ संचालित किया जाएगा, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।बैठक में निर्वाचन शाखा के कंप्यूटर ऑपरेटर योगेश प्रसाद ने वालंटियरों को तकनीकी प्रशिक्षण देते हुए इनुमेरेशन फॉर्म भरने की प्रक्रिया, दस्तावेजों के सत्यापन तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री सचिवालय पहुंचा 'धरती आबा तन-तरु वृक्षारोपण अभियान', राज्यव्यापी संचालन के लिए ट्रस्ट ने सौंपा आवेदन

खलारी(बिभा)। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट (झारखंड) ने अपने महत्वाकांक्षी 'धरती आबा तन-तरु वृक्षारोपण अभियान' को राज्यभर में संचालित करने की पहल तेज कर दी है। अभियान के सफल संचालन एवं राज्य सरकार के सहयोग के लिए ट्रस्ट के ट्रस्टी अमित राज पाण्डेय और सदस्य चंदन उपाध्याय ने मुख्यमंत्री सचिवालय में आवेदन पत्र सौंपकर माननीय मुख्यमंत्री से सहयोग एवं मार्गदर्शन का अनुरोध किया।ट्रस्ट ने आवेदन में बताया कि अभियान के तहत झारखंड की लगभग 4,000 ग्राम पंचायतों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक प्रखंड में प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और आम लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाएगा।अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनके संरक्षण, जैविक खाद के उपयोग, जल एवं मृदा संरक्षण तथा स्वच्छ और हरित पर्यावरण के प्रति लोगों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। ट्रस्ट का लक्ष्य प्रत्येक परिवार को इस अभियान से जोड़कर इसे जनभागीदारी का व्यापक आंदोलन बनाना है।ट्रस्ट की ओर से राज्य के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में भी विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, पौधों की देखभाल, जैविक खेती, जल संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर जानकारी दी जाएगी। साथ ही उन्हें पौधारोपण एवं अन्य पर्यावरणीय गतिविधियों से जोड़कर प्रकृति संरक्षण के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया जाएगा।ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने विश्वास जताया कि राज्य सरकार, प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं एवं आम नागरिकों के सहयोग से 'धरती आबा तन-तरु वृक्षारोपण अभियान' झारखंड में हरित, स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण के निर्माण की दिशा में एक प्रभावी जनआंदोलन का रूप लेगा। उन्होंने राज्यवासियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील भी की।

कांग्रेस हमारा घर है, हम सब कांग्रेस के सैनिक: धीरज साहू

बिभा संवाददाता

लातेहार। लातेहार जिले के चंदवा प्रखंड में पंचायत कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू, झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, मणिका विधायक रामचंद्र सिंह, पूर्व मंत्री के. एन. त्रिपाठी, अभिलाष साहू, निरंजन पासवान, भीम कुमार, महेश सिंह, दयामनी बारला, कामेश्वर यादव, अमित बरुवा, असगर खान सहित प्रदेश, जिला एवं प्रखंड स्तर के कई कांग्रेस नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य पंचायत एवं बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार करना था। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू सहित सभी अतिथियों का बुके एवं अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत के साथ हुई। स्वागत के बाद

उपस्थित नेताओं ने संगठन की मजबूती, जनसंपर्क अभियान और आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर अपने विचार व्यक्त किए।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा, ₹कांग्रेस हमारा घर है, हम सब कांग्रेस के सैनिक हैं और कांग्रेस ही सबका भला कर सकती है।₹ उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक परंपराओं, संविधान और सामाजिक न्याय की विचारधारा को आगे बढ़ाने वाला संगठन है। उन्होंने कार्यकताओं से व्यक्तिगत मतभेदों को भुलाकर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। पंचायत स्तर पर संगठन जितना मजबूत होगा, पार्टी उतनी ही मजबूती से जनता की समस्याओं को उठाने और उनके समाधान के लिए संघर्ष कर सकेगी। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद स्थापित करने, उनकी समस्याओं को सुनने तथा कांग्रेस की नीतियों और जनहितकारी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। अपने संबोधन के दौरान धीरज प्रसाद साहू ने अपने बड़े भाई स्वर्गीय शिव प्रसाद साहू को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास और कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय शिव प्रसाद साहू ने जनसेवा को अपना धर्म मानते हुए पूरे समर्पण के साथ समाज और संगठन के लिए कार्य किया। उनके आदर्श आज भी कांग्रेस कार्यकताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, पंचायत कांग्रेस कमेटियों को सक्रिय बनाने, बूथ प्रबंधन तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकताओं से संगठन की मजबूती को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी नेताओं और कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा जनता के बीच कांग्रेस की नीतियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का संकल्प लिया।

बेड़ो प्रखंड में खुशी की लहर, अब ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने में नहीं होगी परेशानी

बिभा संवाददाता

बेड़ो: जिला परिवहन कार्यालय, रांची द्वारा प्रशिक्षु (लर्निंग) एवं स्थायी (ड्राइविंग) लाइसेंस की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी किए जाने के बाद बेड़ो प्रखंड क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने में आ रही परेशानियों के कारण उन्हें बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब स्पष्ट प्रक्रिया जारी होने से लाइसेंस बनवाना आसान होगा।

ग्रामीणों ने बताया कि अब इच्छुक आवेदक सारथी सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकेंगे। इसके बाद शुल्क जमा कर लर्निंग लाइसेंस टेस्ट के लिए स्लॉट बुक किया जाएगा। दस्तावेजों की जांच एवं सत्यापन के बाद कार्यालय स्तर पर फोटो और डिजिटल हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी होगी तथा लर्निंग लाइसेंस टेस्ट लिया जाएगा। लर्निंग लाइसेंस मिलने के एक माह बाद स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया जा सकेगा।

जिला परिवहन कार्यालय द्वारा जारी शुल्क के अनुसार लर्निंग लाइसेंस के लिए प्रति वाहन श्रेणी 250, मोटरसाइकिल एवं कार दोनों के लिए 500 तथा प्रिंटिंग शुल्क 25 निर्धारित किया गया है। वहीं स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस के लिए प्रति वाहन श्रेणी 700, मोटरसाइकिल एवं कार दोनों के लिए 1000 तथा स्मार्ट कार्ड शुल्क 62 रखा गया है।

बेड़ो के ग्रामीणों ने कहा कि इस व्यवस्था से विशेषकर युवाओं, छात्रों और रोजगार के लिए वाहन चलाने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। अब ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए अनावश्यक दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा और पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं सुविधाजनक होगी। जिला परिवहन कार्यालय ने आवेदकों से आवेदन के साथ सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्व-अभिप्रमाणित (सेल्फ अटेस्टेड) छायाप्रति संलग्न करने की अपील की है।

हिमांशु सिंह हत्याकांड : सड़क पर उतरे पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां मानगो बस स्टैंड और भुईयांडीह में कराया बंद

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः करणी सेना के सरायकेला-खरसावां जिला अध्यक्ष हिमांशु सिंह की हत्या के विरोध में एनडीए द्वारा शुक्रवार को आहूत बंद के दौरान पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता दुलाल भुईयां ने भुईयांडीह में मोर्चा संभाला। अपने समर्थकों और भाजपा कार्यकताओं के साथ वे भुईयांडीह स्थित आवासीय कार्यालय से निकले और क्षेत्र के मानगो बस स्टैंड,भुईयाडीह सहित अन्य क्षेत्रों में बंद को सफल बनाने के लिए सड़क पर उतर गए। दुलाल भुईयां के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने भुईयांडीह की मुख्य सड़कों पर मार्च किया। इस दौरान कार्यकताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए दुकानदारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से बंद का समर्थन करने की अपील की। कई स्थानों पर सड़क पर प्रदर्शन कर यातायात भी कुछ देर के लिए बाधित किया गया। बंद के दौरान क्षेत्र में पुलिस बल भी तैनात रहा और पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी गई।

मौके पर दुलाल भुईयां ने कहा कि हिमांशु सिंह की हत्या केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि राज्य की चरमराई कानून-व्यवस्था का प्रमाण है। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में अपराधियों के मन से कानून का भय समाप्त हो चुका है और लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से आम जनता में असुरक्षा का माहौल है। उन्होंने कहा कि एनडीए का बंद जनता की आवाज है। यह आंदोलन प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था के खिलाफ है और सरकार को चेतावनी देने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि हिमांशु सिंह हत्याकांड के सभी आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उनके खिलाफ स्पीडी ट्रायल चलाया जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और अपराधियों में कानून का भय कायम हो।

इस बंद कार्यक्रम में मन्नू मंडल, चमन तिवारी, कुंज बिभार, विशाल नायक भुईयां, अभिजीत भुईयां, धीरेन्द्र सिंह, सुबोल प्रमाणिक, अशोक कुमार, संजय कुमार, बादल भुईयां, सदानंद टोप्पो, कैलाश अग्रवाल, जोलेश भुईयां, राजन भुईयां, धर्मेंद्र पांडेय, लक्खी भुईयां, मथुरा भुईयां सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय समर्थक शामिल रहे।

बागबेड़ा कॉलोनी में सूने मकान में चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : बागबेड़ा कॉलोनी पंचायत अंतर्गत ब्लॉक नंबर 20/02/3, रोड नंबर 1 स्थित सुनील कुमार के सूने मकान में गुरुवार देर रात चोरी की घटना हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुनील कुमार पिछले छह माह से अपने पूरे परिवार के साथ आदित्यपुर स्थित आशियाना में रह रहे हैं। वे बीच-बीच में बागबेड़ा स्थित अपने घर की देखभाल के लिए आते-जाते थे। दो दिन पूर्व उनकी पत्नी अपने पुत्र के साथ घर आई थीं और अगले दिन सुबह वापस आदित्यपुर स्थित अपने आवास लौट गई थीं।

बताया जाता है कि गुरुवार रात लगभग 1:30 बजे से 2:00 बजे के बीच चोरों ने मकान के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया। इसके बाद अंदर के दरवाजे की कुंडी एवं ताला भी तोड़ दिया। चोर करीब दो घंटे तक घर के अंदर रहे और अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे कई

कीमती सामान लेकर फरार हो गए। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। शुक्रवार सुबह पड़ोसियों ने घर का दरवाजा खुला देखकर मकान मालिक सुनील कुमार को सूचना दी। सूचना मिलते ही वे अपने घर पहुंचे, जहां घर का सामान बिखरा हुआ मिला। घटना की लिखित शिकायत बागबेड़ा थाना में दर्ज करा दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही पंचायत प्रतिनिधि एवं पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, झरना मिश्रा, वार्ड सदस्य उमेश पांडे, अभिषेक उपाध्याय तथा वार्ड सदस्य प्रतिनिधि कुमार विशाल मौके पर पहुंचे।

इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता एवं झरना मिश्रा ने संयुक्त रूप से कहा कि बागबेड़ा कॉलोनी में पिछले कई महीनों से चोरी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने बागबेड़ा बजरंगी मैदान एवं वायरलेस मैदान में हाई मास्ट लाइट लगाने की मांग की। साथ ही सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शीघ्र चोरों की गिरफ्तारी कर पूरे मामले का उद्भेदन करने की मांग की। उन्होंने रात्रिकालीन पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा वायरलेस मैदान में नशेड़ियों के अड्डों को तत्काल ध्वस्त करने की भी मांग की, ताकि क्षेत्र में चोरी सहित अन्य आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

कोयला-इस्पात संसदीय समिति की बैठक: नीलामी प्रक्रिया, पर्यावरण मंजूरी और रिकॉर्ड उत्पादन पर मंथन, सांसद सुखदेव भगत बैठक में शामिल हुए

बिभा संवाददाता

लोहरदगा । संसद भवन में कोयला, खान और इस्पात संबंधी संसदीय स्थायी समिति की महत्वपूर्ण बैठक हुई। समिति के अध्यक्ष सांसद अनुराग सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में हुई बैठक में कोयला ब्लॉक नीलामी, भूमिगत खनन और स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत भी बैठक में मुख्य रूप से शामिल हुए। समिति ने कोयला ब्लॉक आवंटन व नीलामी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए कोयला, विद्युत और पर्यावरण मंत्रालयों के बीच बेहतर समन्वय का निर्देश दिया।भूमिगत कोयला खनन का विस्तार करने और पर्यावरणीय प्रभाव घटाने के लिए वन एवं पर्यावरण मंजूरियों की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने की सिफारिश की गई। अध्यक्ष अनुराग ठाकुर ने बताया कि देश में कोयले का उत्पादन रिकॉर्ड 1 अरब टन प्रति वर्ष के स्तर पर पहुंच गया है। इसे और बढ़ाने पर जोर दिया गया। खदानों में शून्य दुर्घटना सुनिश्चित करने, सुरक्षा बजट का पूर्ण उपयोग करने और आधुनिक तकनीक अपनाने पर विशेष बल दिया गया।

लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने बैठक में झारखंड की बंद पड़ी सीसीएल खदानों को तुरंत चालू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि विस्थापित परिवारों को 6 महीने में वन टाइम सेटलमेंट दिया जाए और राज्य को कोयले पर 20% रॉयल्टी मिले। श्री भगत ने खनन क्षेत्रों में भू-धंसान और जल संकट का मुद्दा भी उठाया और सीएसआर फंड से 200 गांवों में समुचित विकास किया जाए । बैठक में सांसद सिने स्टार शत्रुघ्न सिन्हा,स्टील सेक्रेटरी भारत सरकार संदीप पौंड्रिव एनएमडीसी अध्यक्ष सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

राम मंदिर दान घोटाला मामले में की न्यायिक जांच कराए सरकार :सांसद

बिभा संवाददाता

लोहरदगा । कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान में कथित गड़बड़ी और धन के दुरुपयोग के आरोपों को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए, ताकि सच्चाई देश के सामने आ सके और दोषियों पर कार्रवाई हो।सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि इस मामले में जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए थी, उनके खिलाफ अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि हालांकि जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया, लेकिन मामले से जुड़े प्रमुख लोगों के खिलाफ कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं हुई। इससे यह संदेह गहराता है कि प्रभावशाली और बड़े लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसी धार्मिक स्थल पर श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े दान में अनियमितता के आरोप सामने आते हैं, तो सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह पूरी पारदर्शिता के साथ जांच कराए। केवल एसआईटी गठित कर देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए। सुखदेव भगत ने कहा कि देश की जनता चाहती है कि कानून सभी के लिए समान रूप से लागू हो। यदि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार या वित्तीय अनियमितता हुई है, तो किसी भी व्यक्ति को उसके पद, प्रभाव या पहचान के आधार पर संरक्षण नहीं मिलना चाहिए।

साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि निजता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा : स्पीकर

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ने कहा कि आज के डिजिटल दौर में साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि प्रशासन के संचालन, आर्थिक गतिविधि और नागरिकों की सुरक्षा और निजता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है।

महतो बतौर मुख्य अतिथि शुक्रवार को पुराने झारखड विधान सभा परिसर में बाल कल्याण संघ, द एशिया फाउंडेशन और साइबर पीस के संयुक्त तत्वावधान में डिजिटल युग के बढ़ते साइबर खतरों, डिजिटल धोखाधड़ी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित जोखिमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और रणनीतिक क्षमताओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग विकास और सुशासन के लिए अत्यंत उपयोगी है, लेकिन इसके सुरक्षित और नैतिक उपयोग के प्रति जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है ताकि हमारी निजता एवं सरकारी अभिलेखों एवं आर्थिक गतिविधियों की गोपनीयता सुरक्षित रह सके।

स्पीकर ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को नई तकनीकों, साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी होना समय की आवश्यकता है।

ऐसे कार्यशाला जनप्रतिनिधियों की क्षमता वृद्धि के साथ-साथ डिजिटल रूप से सुरक्षित और सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

मौके पर राज्यसभा सदस्या महुआ माजी, विधायक सीपी सिंह, विधायक नवीन जयसवाल ने भी डिजिटल शासन के बढ़ते दायरे और उससे जुड़े साइबर सुरक्षा की चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला । कार्यशाला के दौरान साइबर सुरक्षा की बुनियादी समझ, वर्तमान साइबर खतरों और एआई प्रेरित जोखिमों के प्रति जागरूकता, सरकारी प्रणालियों को सुरक्षित रखने के उपाय, साइबर सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश, नागरिकों के डेटा के सुरक्षित प्रबंधन, डिजिटल सेवा वितरण के प्रोटोकॉल एवं त्वरित घटना पर प्रतिक्रिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों की ओर से विस्तृत प्रस्तुतीकरण दी गई। कार्यशाला में बाल कल्याण संघ के संस्थापक संजय कुमार मिश्रा, द एशिया फाउडेशन की कंट्री रिप्रेजेंटेटिव नंदिता बरुआ और साइबर पीस फाउंडेशन के प्रतिनिधि कैप्टन एस सी जोशी एवं नमन जोशी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

झारखंड विधानसभा सचिवालय के अवर सचिव को सेवानिवृत्ति होने पर दी गई विदाई

बिभा संवाददाता

रांची: झारखण्ड विधान सभा में महेश नारायण सिंह, अवर सचिव झारखंड विधानसभा सचिवालय के सेवानिवृत्ति होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। वे 30 जून 2026 को झारखंड विधानसभा सचिवालय से सेवानिवृत्त हुए । उन्होंने अपनी सेवा बिहार विधानसभा से शुरू की थी कैडर विभाजन के बाद झारखंड विधानसभा सचिवालय में अपना योगदान दिए थे।

इस अवसर पर झारखण्ड विधान सभा के अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो उपस्थित रहे। अध्यक्ष द्वारा महेश सिंह नारायण को सम्मानित किया गया। विधान सभा सचिवालय में कार्यनिष्ठा, अनुशासन के साथ कार्य करने की सराहना की तथा सक्रिय, स्वस्थ और सुखद जीवन की उन्हें शुभकामनाएं दी।

विदाई समारोह कार्यक्रम में महेश सिंह नारायण सिंह ने अपने विधान सभा सचिवालय में सेवा के दौरान महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय क्षण को याद करते हुए भावुक हो गए तथा अध्यक्ष, विधानसभा सचिवालय के पदाधिकारियों एवं सहकर्मियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और कहा कि सचिवालय से प्राप्त सहयोग, स्नेह एवं सम्मान को वे सदैव याद करेंगे।

समारोह में झारखण्ड विधान सभा के प्रभारी सचिव रंजीत कुमार एवं उप सचिव एस. शिराज वजीह बंटी, कुन्दन कुमार सिंह, हरेन्द्र कुमार साह, अनूप कुमार लाल एवं अन्य पदाधिकारियों, कर्मचारियों ने भी नारायण के साथ अपने कार्य अनुभव साझा किए तथा उनके योगदान को याद करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रशाखा पदाधिकारी प्रिय शंकर ने की।

संक्षिप्त खबरें

सरला बिरला विवि का मान बढ़ा: प्रो. गोपाल पाठक को जीवन गौरव सम्मान

रांची(बिभा)। सरला बिरला विश्वविद्यालय के लिए गौरव और सम्मान का क्षण है। विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक को शिक्षा, अकादमिक उत्कृष्टता, शिक्षण, शोध तथा शिक्षा के माध्यम से समाज के विकास में आजीवन समर्पित योगदान के लिए यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, झारखंड स्टेट शाखा की ओर से आयोजित 7वें झारखंड एक्सीलेंस अवाड 2026 के अंतर्गत प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित शुक्रवार को किया गया। रांची के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित भव्य समारोह में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ व रांची के विधायक सी. पी. सिंह ने संयुक्त रूप से प्रो. गोपाल पाठक को यह सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में प्रो. पाठक के दीर्घकालिक, उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी योगदान का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और शैक्षणिक प्रतिबद्धता ने सरला बिरला विश्वविद्यालय को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मौके पर एसबीयू कुलाधिपति जयश्री मोहता, प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, शासी निकाय के सदस्य अनंत जाटिया, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन व राज्यसभा सांसद वं निदेशक (प्लानिंग एंड डेवलपमेंट) डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रो. गोपाल पाठक को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल प्रो. पाठक की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि सरला बिरला विश्वविद्यालय के समूचे शैक्षणिक परिवार के लिए गर्व, प्रेरणा और सम्मान का विषय है।

हिमांशु हत्याकांड की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित हो : संजय सेठ

रांची(बिभा)। रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद श्री संजय सेठ ने जमशेदपुर में होटल के बाहर हुई हिमांशु सिंह की निर्मम हत्या पर गहरा दुःख एवं चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस की मौजूदगी में हुई यह घटना कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचि खड़ा करती है। उन्होंने कहा कि यदि समय पर प्रभावी कार्रवाई होती, तो संभवतः इस दुखद घटना को टाला जा सकता था। श्री सेठ ने कहा कि इस जघन्य हत्याकांड में शामिल सभी दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। अपराधियों के प्रति किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए, ताकि समाज में कानून का भय बना रहे। उन्होंने कहा कि इस घटना की आड़ में किसी भी निर्दोष व्यक्ति को फंसाने या प्रताड़ित करने का प्रयास नहीं होना चाहिए। न्याय का मूल सिद्धांत है कि दोषी को दंड मिले, लेकिन किसी भी निर्दोष के साथ अन्याय न हो। यदि ऐसा होता है तो इससे समाज, विशेषकर व्यापारिक समुदाय का कानून-व्यवस्था पर विश्वास कमजोर होगा। श्री सेठ ने मांग की कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा जिन पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में यह घटना हुई, उनकी भूमिका और संभावित लापरवाही की भी निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

कृषि वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की तकनीकों का करें प्रसार : कुलपति

बिभा संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के प्रसार शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में 'जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर जलवायु के प्रभावों का प्रबंधन' विषय पर राज्य के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन शुक्रवार को प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बीएयू के कुलपति, डॉ एससी दुबे ने कहा कि झारखंड की 80 प्रतिशत खेती वर्षा आधारित है। वर्तमान परिस्थिति में मौसम के विभिन्न कारकों वर्षा की प्रवृत्ति, तापमान, हवा की गति, दिशा, हवा का दबाव, सूर्य प्रकाश की तीव्रता में परिवर्तन हो रहा है। ऐसी परिस्थिति में कृषि वैज्ञानिकों को इसके तत्काल प्रभाव के प्रबंधन से सम्बन्धित तकनीकों का प्रसार करना चाहिए।

कुलपति ने इस वर्ष अलनीनो के प्रभाव से फसलों को होने वाले संभावित नुकसान से निबटने की रणनीतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को कृषि कार्य में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए उचित प्रभेद, फसल विविधिकरण, बोआई-रोपाई के समय में परिवर्तन की परखी हुई तकनीकों का प्रसार करना चाहिए।

प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ डीके शाही ने कहा कि किसानों को सूखा, बाढ़, ऊष्मा तथा भूमि अम्लीयता सहन करने वाली उन्नत फसल किस्मों से अवगत कराना होगा और जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर देना होगा।

डॉ शाही ने वैज्ञानिकों को निर्देश दिया कि पूरे राज्य के कृषि विज्ञान केन्द्रों में 07 जुलाई को मौसम में हो रहे बदलाव के वैज्ञानिक समाधान विषय पर किसानों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया जाय जिससे जलवायु परिवर्तन की समस्या का समाधान वैज्ञानिक तरीकों से हो सके।

वहीं तकनीकी सत्र में आनुवंशिकी और पौधा प्रजनन विभाग की अध्यक्ष डॉ मणिगोपा चक्रवर्ती और आईसीएआर शोध संस्थान, पलाण्डु के प्रधान वैज्ञानिक डॉ बालकृष्ण झा ने भी अपने विचार रखे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य भर के कृषि विज्ञान केन्द्रों के 46 वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

सोहराई पेंटिंग प्रशिक्षण का समापन एवं बांटे गए प्रमाण-पत्र

बिभा संवाददाता

रांची। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत स्किल डेवलपमेंट थ्रू सोहराई पेंटिंग ट्रेनिंग का समापन हुआ। प्रमाण-पत्र वितरण समारोह 3 जुलाई, 2026 को अरगोड़ा के टोंगरी टोली स्थित अमर शहीद वीर बुधुभगत हूही मोर्चा में हुआ।

प्रशिक्षण रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर फॉर आयरन एंड स्टील द्वारा प्रायोजित और स्तंभ ट्रस्ट द्वारा संचालित था। समारोह में सेल की ओर से संचार प्रमुख उज्ज्वल भास्कर, महाप्रबंधक (सीएसआर) प्रभात होरो एवं लक्ष्मण विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सोहराई जैसी पारंपरिक लोककला के संरक्षण, संवर्धन एवं स्वरोजगार के अवसरों के सृजन की दिशा में यह पहल अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायी है।

स्तंभ ट्रस्ट की ओर से सचिव अवनी भूषण, निदेशक जयश्री देवी और सहयोगी शाही, उषा, सुनील एवं प्रमोद समारोह में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। बताया कि इस पहल का उद्देश्य स्थानीय पारंपरिक कला को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना है। साथ ही, महिलाओं एवं युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना और उनके लिए आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराना है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने सोहराई पेंटिंग की पारंपरिक तकनीकों, डिजाइन एवं आधुनिक उपयोगिता का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों में ना केवल कौशल का विकास किया, बल्कि उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यमिता की दिशा में भी प्रेरित किया।

रामेश्वर उरांव और बेटे रोहित उरांव को फिर ईडी का समन, 6 जुलाई को रांची जोनल कार्यालय में होना होगा पेश

रांची(बिभा): कथित झारखंड शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव और उनके बेटे रोहित उरांव को एक बार फिर समन जारी किया है। ईडी ने दोनों को 6 जुलाई को रांची स्थित अपने जोनल कार्यालय में पूछताछ के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया है। जानकारी के अनुसार, शराब घोटाले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इससे पहले भी दोनों को समन भेजा गया था। निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं होने के बाद ईडी ने दोबारा समन जारी किया है। जांच एजेंसी इस मामले में वित्तीय लेन-देन, दस्तावेजों तथा अन्य संबंधित पहलुओं की गहन जांच कर रही है। ईडी की जांच झारखंड के कथित शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के आरोपों पर केंद्रित है। मामले में अब तक कई अधिकारियों एवं अन्य संबंधित लोगों से भी पूछताछ की जा चुकी है। एजेंसी का मानना है कि आगामी पूछताछ से मामले की जांच को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है।

सीसीएल को राजभाषा हिंदी के बेहतरीन कार्यान्वयन के लिए मिला प्रथम पुरस्कार, नराकास ने दी बड़ी पहचान

बिभा संवाददाता

रांची: सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), वार्षिक पुरस्कार योजना 2025-26 के अंतर्गत राजभाषा हिन्दी के प्रभावी कार्यान्वयन तथा राजभाषा से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के उत्कृष्ट एवं सफल संचालन के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में सीसीएल की अग्रणी भूमिका तथा राजभाषा नीति के प्रभावी एवं सतत क्रियान्वयन के प्रति उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

यह पुरस्कार सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट (सीएमपीडीआई), रांची में आयोजित एक गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया। समारोह में निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) नृपेन्द्र नाथ के कर-कमलों से सीसीएल के महाप्रबंधक (राजभाषा) अशोक कुमार ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

इस अवसर पर गृह मंत्रालय के पूर्वी क्षेत्र के उप-निदेशक (राजभाषा) विचित्रसेन गुप्त पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में सीसीएल द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों की सराहना की। समारोह में सीसीएल के उप-प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. दिविक दिवेश भी उपस्थित रहे।

सीसीएल की यह उपलब्धि सीएमडी, निलेन्दु कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व तथा निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है। कंपनी ने राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, हिन्दी के प्रगतिशील प्रयोग, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के राजभाषा प्रशिक्षण, तकनीकी एवं प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी के विस्तार तथा राजभाषा संबंधी नवाचारों के माध्यम से सार्वजनिक उपक्रमों के बीच राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट एवं अग्रणी पहचान स्थापित की है।

मेकॉन को राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए नराकास का तृतीय पुरस्कार

बिभा संवाददाता

रांची। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), रांची की ओर से सीएमपीडीआई मुख्यालय में आयोजित बैठक सह पुरस्कार वितरण समारोह में मेकॉन लिमिटेड को राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2025-26 का नराकास तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

ाह सम्मान कार्यालयी कार्यों में हिंदी के बढ़ते उपयोग और राजभाषा नीति के प्रभावी अनुपालन के लिए दिया गया। यह जानकारी मेकॉन की सिमतिनती साहू ने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी।

उन्होंने बताया कि समारोह में सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी-सीआरडी) नृपेंद्र नाथ और गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग, पूर्वी क्षेत्र (कोलकाता) के उप निदेशक (कार्यान्वयन) डॉ विचित्रसेन गुप्त ने मेकॉन के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। मेकॉन की ओर से महाप्रबंधक (लौह निर्माण) और प्रभारी राजभाषा विश्वजीत कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक आनंद भारद्वाज एवं राजभाषा टीम के सदस्यों ने प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

बैठक में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन, कार्यालयी कार्यों में हिंदी के उपयोग को बढ़ाने तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस दौरान मेकॉन लिमिटेड की ओर से आयोजित स्मरण शक्ति प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने सरकारी कार्यालयों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को सुशासन और प्रभावी प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

कार्यक्रम में रांची स्थित विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यालय प्रमुख, राजभाषा कार्य से जुड़े अधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जोन्हा वॉटरफॉल में इको टूरिज्म साइट विकसित करने पर कार्य कर रहा है झारखंड वन विभाग

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के आलोक में झारखंड सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वरीय पदाधिकारियों की एक टीम ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स झारखंड, संजीव कुमार के नेतृत्व में रांची जिले के प्रसिद्ध जोन्हा जलप्रपात (गौतमधारा) का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य इस प्राकृतिक एवं पर्यटन स्थल को एक आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल एवं विश्वस्तरीय इको-टूरिज्म साइट के रूप में विकसित करने की संभावनाओं का आकलन करना था।

निरीक्षण के दौरान टीम ने जलप्रपात तक पहुंच मार्ग, वन्य जीव तथा पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, व्यू-पॉइंट, पेयजल, शौचालय, विश्राम स्थल, साइनज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सौंदर्यीकरण, स्थानीय वनोत्पाद तथा हस्तशिल्प के प्रदर्शन एवं बिक्री की व्यवस्था तथा पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अवलोकन किया। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों एवं संबंधित अधिकारियों से भी आवश्यक सुझाव प्राप्त किए गए।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जोन्हा जलप्रपात का विकास प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण के साथ किया जाएगा। इको-टूरिज्म के माध्यम से स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। विकास कार्यों में पर्यावरणीय संतुलन और प्राकृतिक सौंदर्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जोन्हा जलप्रपात के समग्र विकास के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना (डी पी आर) शीघ्र तैयार कर उपलब्ध कराएं ताकि आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास समयबद्ध ढंग से किया जा सके।

वन विभाग का उद्देश्य जोन्हा जलप्रपात को ऐसा इको-टूरिज्म गंतव्य बनाना है, जहां पर्यटकों को उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध हों, प्राकृतिक धरोहर का संरक्षण सुनिश्चित हो तथा स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ किया जा सके।

इस टीम में संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्यगण,प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी श्री रवि रंजन,अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक विकास श्री डी वेंकटेश्वर लू, मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी सह कार्यकारी निदेशक झारखंड इको टूरिज्म अथॉरिटी श्री एस आर नटेश, वन संरक्षक प्रशासन श्री पी आर नायडू, डीएफओ रांची श्रीकांत वर्मा सहित वन विभाग के तकनीकी सपोर्ट टीम के सदस्यगण शामिल थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

निविदा सूचना सं.: सी-एसएचएम-एलएयूएन-डीटी-040726; भारत के राष्ट्रपति के माध्यम से कार्यरत सीनि. सीडीओ, सांतरागाछी, दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर मंडल द्वारा नीचे उल्लेखित विवरण के अनुसार वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। पात्र निविदादाताओं से इसके लिए नीचे उल्लेखित विवरण के अनुसार वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर सिर्फ ऑनलाइन आवेदन करने का अनुरोध किया जाता है। कोई भी ऑफलाइन निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। विवरण के लिए कृपया दस्तावेज अनुभाग में अपलोड किए गए निविदा दस्तावेज देखें। **कार्य का नाम:** "शालीमारः विभागीय यांत्रिक लॉन्ड्री की स्थापना।" **निविदा मूल्य:** रु. 18,74,82,499.46 (जीएसटी सहित); **ईएमडी:** रु. 37,49,700। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **निविदा बंद होने की तारीख:** 29.07.2026 को अपराह्न 11.30 बजे। **(PR-414)**

गुरुदेव की पादुका के साथ बोकारो पहुंचा चिन्मय अमृत यात्रा, हुआ भव्य स्वागत

बिभा संवाददाता

बोकारो। परम पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की पादुका और उनके आदर्श जीवन के प्रतीक चिन्हों के साथ चिन्मय अमृत यात्रा तीन जुलाई, शुक्रवार को चिन्मय विद्यालय बोकारो पहुंची। इससे पहले, बालीडीह से लेकर विद्यालय मुख्य द्वार तक भव्य शोभा यात्रा के साथ अमृत यात्रा का स्वागत किया गया। भक्तों की लंबी कतार के साथ बालीडीह से नया मोड़, बोकारो मॉल और पीएनटी होते हुए यात्रा विद्यालय पहुंची। इस दौरान चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, सचिव श्री हरिहर राउत, विद्यालय प्रबंधन के

अध्यक्ष श्री बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव श्री महेश त्रिपाठी, प्राचार्य श्री सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य श्री नरमेंद्र कुमार और उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा उपस्थित रहे। साथ ही, विद्यालय के सभी शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक भी उपस्थित रहे। पीएनटी मोड़ से अमृत यात्रा के स्वागत में विशेष शोभा यात्रा विद्यालय मुख्य द्वार तक निकाली

गई। इस दौरान पुरुलिया से आए विशेष छाऊ नृत्य समूह ने अपनी प्रस्तुति दी। साथ ही, भक्ति गीतों पर यात्रा में मौजूद भक्तों ने नृत्य किया। गुरुदेव की पादुका और उनकी मूर्ति को रथ पर रखकर विद्यालय द्वार तक लाया गया। इसके बाद चिन्मय विद्यालय बोकारो के मुख्य द्वार पर विद्यार्थियों ने झारखंड लोक नृत्य, हनुमान चालीसा पर नृत्य और श्री राम के गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया और विद्यालय में रथ का स्वागत किया। कक्षा छठी के विद्यार्थियों ने गीता पंचामृत का समूह पाठ किया, जिसमें भगवत गीता के पांच प्रमुख श्लोक शामिल थे। गुरुदेव की पादुका और उनकी मूर्ति को स्वामी तपोवन सभागार में स्थापित किया गया। सभागार में सबसे पहले पादुका पूजन की गई। इसके बाद चिन्मय ट्रांसफॉर्मेशन सर्किल के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मधुर गीत प्रस्तुत किया। अंत में मौजूद सभी भक्तों को समष्टि भिक्षा अर्पित की गई। अमृत यात्रा के साथ चिन्मय युवा केंद्र के ब्रह्मचारी सुधीर चैतन्य और तारिणी चैतन्य मौजूद हैं। साथ ही, श्रीविद्या, अनन्या अग्रवाल, आर्या और अन्य भी मौजूद रहे।

प्रूडेन्स अस्पताल में ऑपरेशन के बाद महिला की हालत गंभीर, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप, हंगामा

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)– चास के तेलिडीह रोड स्थित प्रूडेन्स अस्पताल में कॉपर-टी निकालने के ऑपरेशन के बाद एक महिला की हालत गंभीर हो जाने पर मरीज के परिजनों ने अस्पताल और डॉ. पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। घटना की सूचना पर मौके पर चास थाना पुलिस पहुंची और मामले की जांच में जुट गई।

परिजनों के मुताबिक तीन दिन पहले पेट दर्द की शिकायत पर महिला को प्रूडेन्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अल्ट्रासाउंड में बताया गया कि पहले लगाए गए बंध्याकरण उपकरण (कॉपर-टी) पेट में फँसा हुआ है। परिजन कह रहे हैं कि उन्होंने कॉपर-टी निकालने व बच्चेदानी का ऑपरेशन कराने की सहमति दी थी। डॉक्टर ऋचा सोनी द्वारा किया गया ऑपरेशन के बाद बताया गया कि मरीज की नस फट गई और मरीज गंभीर स्थिति में वेंटिलेटर पर रखा गया है।

परिवार का दावा है कि ऑपरेशन के बाद, जब मरीज के साथ कोई परिचित मौजूद नहीं था, तो अस्पताल प्रबंधन ने बिना पूरी सहमति के उसे पास के केएम मेमोरियल अस्पताल में भर्ती करा दिया जहाँ हालत और खराब बनी। इस बात की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में परिजन और स्थानीय

लोग प्रूडेन्स अस्पताल पर जमा हो गए और उचित इलाज व जवाब तलब करने के लिए हंगामा किया। परिजनों ने डॉक्टर और अस्पताल प्रशासन पर अनियमितताओं और लापरवाही के आरोप लगाए।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची चास थाना पुलिस ने हंगामे को नियंत्रित कर मामले की प्रथम जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा है कि आवश्यक होने पर मेडिकल रिकॉर्ड एवं संबंधित दस्तावेज लिये जाएंगे। बोकारो सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने कहा कि यदि लिखित शिकायत प्राप्त होती है तो मामले की तह तक जाने के लिए एक जांच दल का गठन किया जाएगा और जांच में दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सा प्रक्रियाओं और रिकॉर्ड की पड़ताल कर आवश्यक कदम उठाये जायेंगे।

अस्पताल प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया अभी उपलब्ध नहीं हुई है। पुलिस व चिकित्सा जांच रिपोर्ट मिलने के बाद मामले में आगे की जानकारी दी जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

17 वर्षीय युवक लापता , मामला दर्ज

बोकारो(बिभा)। जरीडीह थाना क्षेत्र के तांतरी गांव के निवासी आशो यादव ने अपने 17 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार यादव के लापता होने का मामला थाना प्रभारी के समक्ष लिखित रूप से दर्ज करवाया है। दिये आवेदन में कहा गया है कि एक जुलाई को शाम के समय दीपक घर के कोई सदस्य को बिना कुछ बताए घर से निकलने के बाद देर रात तक वापस नहीं आया तो हम लोग चिंतित होकर उसे खोजने लगे। गांव , बाजार , रिश्तेदारों के यहां फोन करने के बाद भी कोई पता नहीं चल रहा है। पिता ने यह भी बताया कि लापता दीपक दिमागी हालत से कमजोर है। अपने लोगों के साथ उसकी खोज कर रहे हैं।

शहीद रघुनाथ महतो के मूर्ति को खंडित करने वालों की जल्द ही गिरफ्तारी : अर्जुन रजवार

बोकारो(बिभा)। चंदनकियारी के रघुनाथपुर रोड पर अस्पताल मोड़ स्थित देश के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी सह चुआड़ विद्रोह के महानायक शहीद रघुनाथ महतो के मूर्ति को अराजक तत्वों द्वारा खंडित किए जाने के बाद लोगों में आक्रोश है। शुक्रवार की सुबह मामले को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सह चंदनकियारी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अर्जुन रजवार के नेतृत्व में जेएलकेएम संगठन द्वारा घटना की निंदा करते हुए ऐसे घृणित अपराध को अंजाम देनेवालों को चिन्हित कर 24 घंटे के अंदर अपराध में शामिल अराजक लोगों के गिरफ्तारी की मांग जिला प्रशासन से की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए चास एएसपी वेदांत शंकर के नेतृत्व में स्थानीय सभी थाना व ओपी की पुलिस व प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय वर्मा ने पहुंचकर घटना में शामिल असामाजिक गतिविधियों का खुलासा जल्द करने का आश्वासन दिया गया। इस दौरान जेएलकेएम नेता अर्जुन रजवार ने कहा कि शोषित व वंचितों के मसीहा के मूर्तियों को निशाना बनाना किसी राजद्रोह से कम नही। ऐसे षड्यंत्रकारियों को उनके कुकृत्यों की सजा दिलाने तक संघर्ष जारी रहेगा। कहा कि घटना में शामिल कुत्सित मानसिकता के लोगों की गिरफ्तारी के लिए प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया है,अन्यथा बलिदानी रघुनाथ महतो के मूर्ति खंडित किए जाने के विरोध में जेएलकेएम उग्र आंदोलन को बाध्य होगा। मौके पर केंद्रीय सचिव सुभाष चंद्र महतो, प्रखंड अध्यक्ष बिरू महतो, सुर्यकांत रजवार, परमेश्वर महतो, सीमंत रजक, मनोज कुमार महतो, समर महतो, देवेंद्र महतो, विधुत कुमार, हरेलाल महतो, बबलू महतो, शांति राम महतो, शुशांत कुमार आदि मौजूद थे।

बीएसएल के मिल क्षेत्रों में ग्राहक-केंद्रित कार्य संस्कृति पर कार्यशाला आयोजित

बोकारो(बिभा)। बोकारो इस्पात संयंत्र के कोल्ड रोलिंग मिल-3 में मिल ऑपरेटर से प्रोडक्ट मैनेजर विषय पर उद्योग-शिक्षा जगत सहयोग के तहत एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों में यह समझ विकसित करना था कि किसी भी उद्योग की सफलता केवल अधिक उत्पादन पर नहीं, बल्कि ग्राहकों की जरूरतों को समझकर उन्हें बेहतर गुणवत्ता का उत्पाद और सेवा उपलब्ध कराने पर निर्भर करती है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) द्वारा किया गया। यह पहल मुख्य महाप्रबंधक के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य विनिर्माण प्रक्रियाओं को ग्राहकों की अपेक्षाओं एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक प्रभावी बनाना रहा। इस अवसर पर साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के प्रबंधन संकाय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. रमेश रोशन दास गुरु ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार साझा किए। उन्होंने सरल उदाहरणों के माध्यम से बताया कि संयंत्र में कार्यरत प्रत्येक विभाग, चाहे वह अनुरक्षण, उत्पादन, गुणवत्ता या अभियांत्रिकी हो, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ग्राहकों की संतुष्टि से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि मशीनों का बेहतर रखरखाव, उत्पादन प्रक्रिया की विश्वसनीयता और अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद ग्राहकों का विश्वास मजबूत करते हैं तथा संस्थान की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान इस बात पर भी विशेष जोर दिया कि सेल और सीआरएम-क्कक्की सफलता अंततः ग्राहकों के विश्वास और संतुष्टि पर निर्भर करती है। डॉ. दास गुरु ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे केवल उत्पादन लक्ष्य तक सीमित न रहें, बल्कि इससे आगे बढ़ते हुए अपने प्रत्येक कार्य को ग्राहक मूल्य सृजन तथा सतत व्यावसायिक विकास के व्यापक परिप्रेक्ष्य से जोड़कर काम करें। यह पहल बोकारो इस्पात संयंत्र में सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों को ग्राहकों की अपेक्षाओं के प्रति और अधिक जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सेंट मैरीज नर्सरी स्कूल में मनाया गया इंटरनेशनल प्लास्टिक बैग फ्री डे

बिभा संवाददाता

बोकारो। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए सेंट मैरीज नर्सरी स्कूल, बोकारो में इंटरनेशनल प्लास्टिक बैग फ्री डे उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर प्री-नर्सरी, नर्सरी एवं प्रेप के नन्हे विद्यार्थियों ने रोचक एवं शिक्षाप्रद गतिविधियों के माध्यम से "Say No to Plastic, Say Yes to Earth" का संदेश दिया।

प्रातःकालीन सभा में विद्यालय के प्राचार्य रेवरेन्ड फादर दिनू एम. डैनियल ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग पर्यावरण, पशु-पक्षियों तथा मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। उन्होंने बच्चों को प्लास्टिक बैग का उपयोग न करने तथा उसके स्थान पर जूट एवं पेपर

बैग जैसे पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात प्रेप के विद्यार्थियों ने शिक्षिकाओं द्वारा प्रस्तुत प्रेरक नाटिका के माध्यम से जाना कि प्लास्टिक बैग पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं तथा उनकी जगह जूट और पेपर बैग का उपयोग करना चाहिए।

प्री-नर्सरी के बच्चों ने सर्कल टाइम गतिविधि में प्लास्टिक की वस्तुओं को पहचानते हुए पूरे उत्साह से ₹नो प्लास्टिक₹ का संदेश दिया। वहीं, नर्सरी के विद्यार्थियों ने चित्रों एवं संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को समझा और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रेवरेन्ड फादर दिनू एम. डैनियल ने कहा, ₹धरती को स्वच्छ और सुरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है। यदि बच्चे आज से ही प्लास्टिक का उपयोग कम करने और पर्यावरण के अनुकूल आदतें अपनाने का संकल्प लें, तो आने वाला कल निश्चित ही अधिक हरित, स्वच्छ और सुंदर होगा।₹ विद्यालय की इन प्रेरणादायी गतिविधियों ने बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के साथ-साथ ₹एक छोटा बदलाव, एक बड़ा प्रभाव₹ का सशक्त संदेश भी दिया।

चास की गलियां होंगी जगमग, 35 वार्डों में लगेंगी 2500 हैलोजन स्ट्रीट लाइट

बोकारो। चास नगर निगम क्षेत्र में शहर को रोशन करने की दिशा में एक बड़ी पहल की शुरूआत हो गई है। मेयर भोलू पासवान और डिप्टी मेयर पूजा कुमारी ने संयुक्त रूप से स्विच ऑन कर स्ट्रीट लाइट लगाने के अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरूआत जोधाडीह मोड़ स्थित रामरूद्र स्कूल, चास के पास से की गई। इस अवसर पर मेयर भोलू पासवान ने बताया कि नगर निगम के सभी 35 वार्डों में करीब 2500 हैलोजन स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि अंधेरे वाले इलाकों को प्राथमिकता देते हुए चरणबद्ध तरीके से पूरे शहर में रोशनी की व्यवस्था की जाएगी, ताकि लोगों को रात के समय आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। वहीं डिप्टी मेयर पूजा कुमारी ने कहा कि स्ट्रीट लाइट लगने से चास की गलियां पूरी तरह रोशन होंगी। इससे खासकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित माहौल मिलेगा तथा अपराध पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि लंबे समय से अंधेरे में डूबे मोहल्लों को अब रोशनी मिलेगी और शहर की सुरक्षा व्यवस्था भी पहले से अधिक मजबूत होगी।

रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम में दक्ष होंगे कबड्डी तकनीकी पदाधिकारीगण : गोपाल

बिभा संवाददाता

बोकारो : कबड्डी खेल के तकनीकी नियमों में काफी बदलाव आए हैं, प्रतिस्पर्धा के इस दौर में इन्हीं नियमों से पारंगत होने के लिए प्रशिक्षित होना अनिवार्य है और ऐसे ही रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम से तकनीकी पदाधिकारीगण दक्ष हो सकते है । उक्त बातें कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर ने तीन दिवसीय कबड्डी तकनीकी पदाधिकारियों के राष्ट्रीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित तकनीकी पदाधिकारीगण इंटरनेशनल ट्रेनर के. जगमोहन एवं तेजनारायण प्रसाद माधव से कबड्डी के नए गुर सीखकर आने वाले

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तकनीकी पहलुओं पर कार्य करेंगे ।

होटल आर्यन इंटरनेशनल, जैनामोड़, बोकारो में शुक्रवार को शुभारंभ हुए इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का संचालन संघ के पूर्व महासचिव एवं झारखण्ड ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष बिपिन कुमार सिंह ने किया ।

एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा निर्दिष्ट इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले चरण में केरल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल एवं झारखण्ड राज्य के 60 तकनीकी पदाधिकारीगण प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है ।

कार्यक्रम को सफलीभूत करने के लिए एसोसिएशन के आलोक कुमार, पवन कुमार, लखीकांत साहू, प्रेम मोहन, संजय सिंह आदि लगे हुए हैं ।

बोकारो में यातायात विभाग का विशेष अभियान: 29 वाहन चालकों पर कार्रवाई, 76,500 का जुमार्ना

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो एसपी नाथु सिंह मीणा के निदेर्शानुसार पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) अजय प्रसाद के नेतृत्व में राजकीय विशेष अभियान संचालित किया गया, जिसमें यातायात थाना प्रभारी तथा टीम ने सक्रिय तौर पर ऑटो/टोटो वाहनों की सड़क पर सघन जांच की। अभियान के दौरान कुल 150 ऑटो/टोटो की तलाशी एवं दस्तावेज जांच की गई, जिनमें से 29 वाहन चालक मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन करते हुए पाए गए।

उल्लंघन करने वाले वाहनों से कुल 76,500 रुपए का जुमार्ना वसूल किया गया। तेज गति पालना, बिना दस्तावेज वाहन चलाना तथा हेलमेट/सीट बेल्ट नियमों के उल्लंघन जैसे मामलों पर विशेष

कार्रवाई की गई। अभियानी दल ने सभी ऑटो चालकों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति जागरूक किया।

पुलिस उपाधीक्षक श्री अजय प्रसाद ने कहा कि यह अभियान शहर में सड़क सुरक्षा बढ़ाने और यातायात नियमों के प्रति सार्वजनिक अनुशासन कायम करने की पहल का हिस्सा है। उन्होंने आगाह किया कि नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसे नियमित चेकिंग अभियान जारी रखे जाएंगे।

स्थानीय नागरिकों ने अभियान का स्वागत करते हुए कहा कि इससे सड़क हादसों और अनियमितता पर अंकुश लगेगा। यातायात पुलिस ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे आवश्यक दस्तावेज साथ रखें और ट्रैफिक नियमों का पालन करें, जिससे सड़कों पर सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित हो सके।

ईएसएल स्किल स्कूल में प्रमाण पत्र, ऑफर लेटर एवं समापन समारोह का आयोजन, युवाओं को मिला रोजगार का नया अवसर

बिभा संवाददाता

बोकारो : ईएसएल स्टील लिमिटेड द्वारा संचालित ईएसएल स्किल स्कूल में प्रमाण पत्र, ऑफर लेटर वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले युवाओं का सम्मान करना तथा उन्हें रोजगार से जोड़ने की दिशा में उनकी उपलब्धियों का उत्सव मनाना था. यह पहल स्थानीय युवाओं को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ती है.

समारोह में कुल 52 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया. इस अवसर पर 16 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र, 18 युवाओं को विभिन्न संस्थानों से नियुक्ति (ऑफर) पत्र, जबकि

एसपीवीआई एवं एफटीओएचए बैच के 47 प्रशिक्षुओं को रोजगार के लिए आवश्यक टूलकिट प्रदान किए गए. कार्यक्रम में सुरैना राजन, प्रह्लाद रावत, कुणाल दरिपा, बीरेंद्र कुमार, तथा अरुण कुमार उपस्थित रहे.

इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कहा, ईएसएल स्टील का मानना है कि कौशल विकास सामाजिक और आर्थिक बदलाव का सबसे प्रभावी माध्यम है. ईएसएल स्किल स्कूल के जरिए हम युवाओं को उद्योग से जुड़े जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण देकर उन्हें सम्मानजनक रोजगार से जोड़ रहे हैं. हमारा उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना, उनकी क्षमता को निखारना और क्षेत्र के समावेशी विकास में योगदान देना है. वहां मौजूद अतिथियों ने सभी प्रशिक्षुओं को बधाई दी और उन्हें निरंतर सीखने, अपने कौशल को और बेहतर बनाने तथा उपलब्ध अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य वित्तीय अधिकारी -प्रह्लाद रावत ने कहा, कौशल विकास युवाओं के भविष्य में किया गया सबसे महत्वपूर्ण निवेश है. उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण देकर हम उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी योगदान दे रहे हैं. कार्यक्रम की शुरूआत ईएसएल स्किल स्कूल की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी से हुई. इसके बाद अतिथियों ने अपने विचार साझा किए. प्रशिक्षुओं ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्रशिक्षण से उनके तकनीकी कौशल, आत्मविश्वास और रोजगार की संभावनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. प्रमाण पत्र, ऑफर लेटर एवं टूलकिट का वितरण उनके पेशेवर जीवन की नई शुरूआत का महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ.कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं सामूहिक छायाचित्र के साथ हुआ। इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड ने युवाओं को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई.

रोटरी क्लब चास ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय में चलाया अन्नपूर्णा योजना

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो): रोटरी क्लब चास ने शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय में अपनी सामाजिक सेवा पहल ₹अन्नपूर्णा योजना₹ के अंतर्गत विशेष भोजन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में कुल 140 से अधिक बच्चों को पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन प्रदान किया गया।

रोटरी क्लब के सदस्य स्वयं बच्चों के भोजन परोसते हुए उनके साथ समय बिताते दिखाई दिए। क्लब अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा कि अन्नपूर्णा योजना के माध्यम से क्लब समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के बीच निरंतर सेवा कार्य करता रहेगा। उन्होंने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं सहयोगियों का धन्यवाद प्रकट किया।

कार्यक्रम के दौरान क्लब के सचिव बिनोद चोपड़ा ने कहा कि समाज के ये अनाथ बच्चे भी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उनकी

देखभाल में समुदाय की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। रोटेरियन संजय बैद, विपिन अग्रवाल, कुमार अमरदीप, धनेश बंका, डॉ. परिंदा सिंह, ललिता चोपड़ा, पूर्वी केजरीवाल, ज्योति अग्रवाल, सिद्धार्थ पारख तथा पूजा बैद इत्यादि प्रमुख सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम विजय अग्रवाल द्वारा प्रायोजित था। विद्यालय के बच्चों ने रोटरी क्लब चास की इस पहल के लिए खुशी व आभार व्यक्त किया और क्लब से आगे भी ऐसे कार्यक्रमों की अपेक्षा जताई। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी इसी तरह की योजनाओं के माध्यम से बच्चों के पोषण और कल्याण के लिए सक्रिय रूप से काम जारी रहेगा।

जमशेदपुर की जनता ने अहंकारी हेमंत सरकार के अहंकार को तोड़ा : अमर कुमार

बिभा संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर जमशेदपुर और आदित्यपुर में पार्टी के द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान मिले अपार जनसमर्थन को ऐतिहासिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के आह्वान पर बुलाए इस बंदी कार्यक्रम में जमशेदपुर, आदित्यपुर के सभी प्रतिष्ठानों, सभी कंपनियों, ठेला खोमचे वालों तक ने, हर एक नागरिक ने सहयोग किया। यह बंद स्वतः स्फूर्त रहा। जनता ने साबित कर दिया कि यह सिर्फ एक पार्टी का प्रतिरोध नहीं है बल्कि यह आम जनता का प्रतिरोध है। साढ़े छह साल में इस अहंकारी राज्य सरकार का पहली बार जनता ने अहंकार तोड़ने का काम किया है। आज की बंदी सरकार की आँखे खोलने के लिए काफी है। अब राज्य सरकार के विवेक पर निर्भर है कि इस बंदी से मिले संदेश को वह सकारात्मक लेती है या नकारात्मक। उन्होंने बंदी में समर्थन के लिए जमशेदपुर, आदित्यपुर की जनता, पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकताओं को पार्टी की तरफ से साधुवाद दिया है। प्रदेश महामंत्री प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे।

प्रदेश महामंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को सस्ती राजनीति से बाज आनी चाहिए। राज्य सरकार, सत्ता में शामिल पार्टियां, साथ ही उनके समर्थन में चलाए जा रहे सोशल मीडिया हैंडल के द्वारा इस मामले को जो डायवर्ट करने का प्रयास किया गया, उसे जमशेदपुर की जनता ने आईना दिखाने काम किया है। सत्ता में शामिल दलों द्वारा गलत नेगेटिव फैलाने की कोशिश को भी जनता ने खारिज कर दिया है। जमशेदपुर की जो नृशंस घटना घटी है और पुलिस ने जो कृत्य किया है उसकी पूरी जवाबदेही राज्य सरकार की है। राज्य सरकार को इस मामले में निदोषों को फंसाने, मामले को दूसरी दिशा देने की बजाय वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई करनी चाहिए। पूरे राज्य में कहीं भी जनता पर अत्याचार और शोषण होगा, जनता तकलीफ में होगी, भारतीय जनता पार्टी एक सकारात्मक विपक्ष की भूमिका में वहां खड़ी दिखेगी।

प्रदेश महामंत्री ने कहा कि जमशेदपुर आज चापड़पुर बन गया है। पूरे राज्य में विधि व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। यह स्थिति एक दिन में नहीं बनी है। इसकी शुरूआत 2019 में हेमंत सरकार के गठन के साथ ही प्रारंभ हो गई थी। इस सरकार ने हमेशा विधि व्यवस्था से समझौता करने का काम किया है। 2019 में जैसे ही सरकार बनी, चाईबासा में सात लोगों की गर्दन काटकर हत्या कर दी गई थी। यही से इस सरकार की शुरूआत हुई। फिर एसपी, थानों की बोली लगनी शुरू हो गई, अवैध कारोबारों की खुली छूट दी गई, पूरे पुलिस तंत्र को अवैध वसूली में लगा दिया गया। पुलिस के पदस्थापन में एकमुश्त तो पैसा लिया ही जाने लगा, बीच-बीच में टॉप अप भी करने की नई परंपरा की शुरूआत हो गई। इसका नतीजा यह हुआ कि धीरे-धीरे पुलिस की साख गिरती चली गई और ईमानदार पुलिस कर्मियों का मनोबल गिरता चला गया। आज जमशेदपुर की घटना बताती है कि राज्य की पुलिस की साख किस स्तर तक नीचे जा चुकी है।

प्रदेश महामंत्री ने कहा कि जमशेदपुर की शांति भंग हो चुकी है। खुलेआम नशे का अवैध कारोबार किया जा रहा है। सबसे ज्यादा ड्रग्स और ब्राउन शुगर का इस्तेमाल जमशेदपुर, आदित्यपुर में हो रहा है। पूरा झारखंड सूखे नशे की जद में है। मुख्यमंत्री का नशा मुक्ति का लगा पोस्टर केवल छलावा साबित हुआ है। उड़ता पंजाब की तर्ज पर झारखंड भी उसी राह पर बढ़ चला है। युवा नशे के चंगुल में हैं। नशे के कारोबार का एक बड़ा हिस्सा सीधे मुख्यमंत्री और सरकार के हाथों तक पहुंच रहा है। इसके पीछे बड़ा सिंडिकेट है। सिर्फ पुलिस अधिकारियों के तबादले से व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो सकती है इसके लिए पुलिस प्रशासन और सरकार को अपना खोया इकबाल फिर से वापस लाना होगा।

प्रदेश महामंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर आर्डर का राज स्थापित हो, इस प्रकार की चापड़ वाली घटना की अब जमशेदपुर या कहीं पुनरावृत्ति नहीं हो, जमशेदपुर सहित पूरे राज्य में अपराध नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, नशे के कारोबार पर सख्ती से रोक लगाई जाए, वहीं जमशेदपुर मामले में जिन पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में हत्या हुई है उन पुलिस कर्मियों पर मुकदमा चलाया जाए। इन पुलिस कर्मियों ने अपना दायित्व तो निभाने में कोताही बरती ही, साथ ही युवक के इलाज में भी लापरवाही बरती। आज अगर पुलिस सजग होती तो वह युवा आज जिंदा होता। जमशेदपुर की घटना से पूरा राज्य आक्रोशित है। पुलिस प्रशासन का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने किया एसआईआर कार्यक्रम का निरीक्षण

बिभा संवाददाता

हजारीबागः जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हेमन्त सती ने जिले में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत आज 3 जुलाई को विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित बीएलओ से गणना प्रपत्रों के वितरण की स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा बीएलओ द्वारा भरे जा रहे गणना प्रपत्रों की प्रविष्टियों का गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बीएलओ को निर्देश दिया कि यह कार्य निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व है। इसलिए गणना प्रपत्रों के वितरण एवं उन्हें भरवाने का कार्य पूरी गंभीरता, शुद्धता एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का सफल एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित हो सके।

उपायुक्त ने राजकीय मध्य विद्यालय, कूद एवं राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिरसी (कटकमदाग) स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए सभी प्रपत्रों का समय पर संकलन एवं सत्यापन किया जाए तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे।

निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती वेदवंती कुमारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जन शिकायत निवारण में उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्या, निदान को लेकर दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

लातेहारः उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया।

जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एकझएक कर उनकी समस्याएँ सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा।

छात्र रिंकू उरांव ने अनुसूचित जनजाति बालक आवासीय विद्यालय में प्रवेश नामांकन से संबंधित आवेदन उपायुक्त को सौंपा प्राप्त आवेदन में छात्र द्वारा कल्याण विभाग संचालित आवासीय विद्यालय में कक्षा 8 में नामांकन के लिए जारी प्रथम चयन सूची में नाम नहीं आने तथा विशेष परिस्थितियों में प्रतीक्षा सूची (वेटिंग लिस्ट) के आधार पर नामांकन का अवसर प्रदान करने का अनुरोध किया गया था।उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कल्याण पदाधिकारी को आवेदन की सभी तथ्यों एवं अभिलेखों की जांच कर विभागीय नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन प्रत्येक आवेदन एवं जन-शिकायत का निष्पक्ष एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करने के लिए प्रतिबद्ध है। यदि किसी मामले में नियमों के अनुरूप सहायता संभव होगी तो आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।आज के जन शिकायत निवारण में विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन आए। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित कर सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए , समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया। उपायुक्त के निदेर्शानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर जी महाराज का 5 जुलाई को होगा भव्य मंगल प्रवेश

हजारीबाग(बिभा) : जैन समाज के लिए अत्यंत हर्ष और श्रद्धा का अवसर आने वाला है। पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर जी महाराज का नगर में 5 जुलाई, रविवार को प्रातः 7:00 बजे भव्य मंगल प्रवेश होगा। इस अवसर को ऐतिहासिक एवं यादगार बनाने के लिए समाज की ओर से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।मंगल प्रवेश मार्ग पर तीन तोरण द्वार बनाए जा रहे हैं, जिन्हें आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। पूरे मार्ग को धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर करने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।मंगल प्रवेश के दौरान महिलाएं एवं बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में पूज्य मुनिश्री का स्वागत करेंगे। श्रद्धालु मंगल गीत एवं जयघोष के साथ अपने आराध्य संत का अभिनंदन करेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग एवं धर्मप्रेमी उपस्थित रहेंगे।

पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर जी महाराज से लिया मंगल आशीर्वाद

मांडू/हजारीबाग(बिभा)। पत्रकार प्रमोद खंडेलवाल , जैन समाज के पूर्व संयुक्त महामंत्री राजीव जैन छाबड़ा, समाजसेवी चंद्रप्रकाश जैन ने मांडू के समीप पहुंचकर पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर जी महाराज के दर्शन कर उनका मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने मुनिश्री से धर्म, समाज और आध्यात्मिक जीवन से जुड़े विषयों पर भी आशीर्वचन प्राप्त किए। पत्रकार प्रमोद खंडेलवाल ने कहा कि संतों का सान्निध्य जीवन को नई दिशा और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। इस अवसर पर पूज्य मुनिश्री ने सभी श्रद्धालुओं के सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति की मंगलकामना करते हुए धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संयम, सदाचार और सेवा का भाव ही जीवन को सार्थक बनाता है।उल्लेखनीय है कि पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर जी महाराज का 5 जुलाई को प्रातः 7:00 बजे हजारीबाग में भव्य मंगल प्रवेश होगा। इस अवसर पर जैन समाज की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं। मंगल प्रवेश मार्ग पर तीन भव्य तोरण द्वार बनाए जा रहे हैं तथा महिलाओं एवं बच्चों द्वारा पारंपरिक तरीके से पूज्य मुनिश्री का स्वागत किया जाएगा।

रिम्स जमीन घोटाला : कौन है प्रॉपर्टी डीलर प्रदीप महतो, जिसे एसीबी बता रही है मास्टरमाइंड

रांची(बिभा): रिम्स जमीन घोटाले में जैसे-जैसे एसीबी की जांच आगे बढ़ रही है, उसमें नये खुलासे हो रहे हैं. एसीबी ने जांच के दौरान प्रॉपर्टी डीलर प्रमोद कुमार महतो को मास्टरमाइंड और साजिशकर्ता बताया है. एसीबी ने जांच के क्रम में सोनमैती देवी का बयान दर्ज कराया है. जिसने सोनमैती देवी ने जानकारी दी है कि प्रमोद कुमार महतो उन प्रॉपर्टी डीलरों में से एक था, जिसने उन्हें रजिस्ट्री ऑफिस में अंगूठे का निशान लगाने के लिए बुलाया था. उनके मुताबिक जमीन का एक टुकड़ा उनके नाम पर था. एसीबी ने जांच में पाया है कि प्रमोद कुमार महतो रिम्स के लिए अधिग्रहित सरकारी जमीन को बेचने में सोनमैती देवी का सहयोगी है. मालूम हो कि हाल में एसीबी इस केस में बिल्डर सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज चुकी है. एसीबी को जांच के दौरान पूर्व में इस बात के तथ्य भी मिले थे जमीन बेचने से संबंधित फर्जी वंशावली बनाने के लिए वार्ड पार्षद के फर्जी हस्ताक्षर पर पेपर तैयार किया गया था. एसीबी को जांच में यह भी पता चला है कि पटना की रहने वाली कामिनी रंजन के पक्ष में 17.35 डेसिमल जमीन के लिए एक सेल डीड तैयार किया गया था. इसके लिए जमीन की बिक्री मूल्य 45,72,000 निर्धारित की गयी थी. लेकिन कामिनी रंजन को कभी जमीन पर कब्जा नहीं दिया गया था. यही वजह है कि कामिनी रंजन के द्वारा पटना के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रमोद कुमार महतो पर वर्ष 2020 में मामला दर्ज कराया गया था. जिसमें आरोप लगाया गया कि प्रमोद कुमार महतो ने मेरे साथ धोखाधड़ी की है. प्रमोद कुमार महतो ने पैसा लौटाने के लिए जो चेक दिया था, वह भी बाउंस कर गया. मिली जानकारी के मुताबिक एसीबी ने प्रमोद कुमार को पूछताछ के लिए कई बार समन जारी किया है. लेकिन वह आज तक उपस्थित नहीं हुआ है.

चुटूपालू घाटी का डीसी-एसपी ने किया निरीक्षण, सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की ली जानकारी

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः रामगढ़ जिले के चुट्टूपालू घाटी क्षेत्र में हो रही सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से आज उपायुक्त ऋतुराज एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने परियोजना निदेशक एनएचएआई रांची बिजय कुमार व एनएच-33 (रांची हजारीबाग) की एनएचएआई तकनीकी टीम के साथ चुट्टूपालू घाटी का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान घाटी के विभिन्न संवेदनशील स्थलों का गहन अवलोकन करते हुए दुर्घटनाओं के कारणों, सड़क की भौगोलिक स्थिति, यातायात दबाव तथा आवश्यक सुरक्षा उपायों की समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा पीडी एनएचएआई एवं उनकी टीम से सड़क दुर्घटनाओं के कारणों एवं दुर्घटना कम करने के उपायों की जानकारी ली गई। मौके पर पीडी एनएचएआई एवं उनकी टीम के द्वारा शॉर्ट टर्म मेजर एवं लॉन्ग टर्म मेजर के तहत दुर्घटना रोकथाम की दिशा में किए जाने वाले कार्यों को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां सभी के साथ साझा की गई।

शॉर्ट टर्म मेजर के अंतर्गत पीडी एनएचएआई ने घाटी के विभिन्न स्थानों पर स्पीड डिस्प्ले मीटर एवं गति नियंत्रण संबंधी उपकरण स्थापित करने का सुझाव दिया, ताकि वाहन चालक निर्धारित गती सीमा का पालन कर सकें। साथ ही घाटी में निर्मित एस्केप लेन को शीघ्र पूर्ण रूप से क्रियाशील (फंक्शनल) करने का भी निर्देश दिया गया, जिससे ब्रेक फेल अथवा नियंत्रण खोने की स्थिति में भारी वाहनों को सुरक्षित रोका जा सके।

हजारीबाग में मनचलों पर पुलिस का बड़ा एक्शन, 108 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी

46 विशेष टीमों की कार्रवाई में 59 मनचलों को चेतावनी देकर छोड़ा, एक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिले में मनचलों और अड्डेबाजों पर लगाम लगाने के लिए हजारीबाग पुलिस पूरी तरह से आक्रामक हो गई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात जिले भर में एक विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई से शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक के अड्डेबाजों में हड़कंप मच गया है। अभियान की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षक और पुलिस निरीक्षकों के नेतृत्व में कुल 46 विशेष टीमें गठित की गई थीं। इस व्यापक सर्च ऑपरेशन में 177 पुलिस अधिकारी और जवान शामिल थे। पुलिस टीमों ने जिले के चिन्हित 108 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की, जहाँ अक्सर मनचलों का जमावड़ा लगा रहता है दिर रात तक चली इस कार्रवाई में पुलिस ने 59 मनचले व्यक्तियों को हिरासत में लिया। थाना लाने के बाद इन सभी को कड़ी चेतावनी दी गई और पीआर बांड भरवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं, इनमें से एक व्यक्ति के खिलाफ गंभीर आरोप पाए जाने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान आगे भी अनवरत जारी रहेगा। उन्होंने जनता से भी सहयोग की अपील की है। पुलिस ने कहा कि यदि किसी के मोहल्ले या आसपास के सार्वजनिक स्थानों पर मनचलों का जमावड़ा हो या अड्डेबाजी की शिकायत हो, तो इसकी सूचना तुरंत नजदीकी थाना को दें। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी और संबंधित अड्डेबाजों पर तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में योग तथा बैडमिंटन में लहराया परचम

बिभा संवाददता

रामगढ़ः श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल, रामगढ़ के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय खो-खो चयन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। 21 जून 2026 को आयोजित जिला स्तरीय चयन प्रतियोगिता में विद्यालय के कई विद्यार्थियों का विभिन्न आयु वर्गों में चयन हुआ।

अंडर-14 बालक वर्ग में सुमित कुमार, गंगाधर महतो, अंकुश कुमार, निखिल कुमार महतो एवं आर्यन कुमार महतो का चयन किया गया। वहीं अंडर-14 बालिका वर्ग में फलक नाज, नयना कुमारी, आकृति कुमारी एवं दिव्या कुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चयनित हुईं। इसके अलावा अंडर-18 बालक वर्ग में अमित कुमार, सुमित कुमार, सत्यम कुमार एवं अर्पित कुमार का चयन हुआ। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। खूंटी में होने वाली प्रतियोगिता में ये विद्यार्थी रामगढ़ जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे।

साथ ही योगा प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रजत पदक (सिल्वर मेडल) प्राप्त किया।

बैडमिंटन के खेल में भी विद्यालय के छात्रों का शानदार प्रदर्शन रहाप्रतियोगिता के अंडर-19 बालक वर्ग में विद्यालय के छात्र विवेक कुमार ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं अंडर-17 बालक वर्ग में मन्नत कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उपविजेता स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। नियमित अभ्यास, अनुशासन और टीम भावना के बल पर विद्यार्थियों ने यह सफलता अर्जित की है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

श्री श्याम मंदिर निर्माण कमेटी ने विष्णु पौद्दार के नेतृत्व में 11 सदस्य कमेटी के लिए भरा पर्चा

बिभा संवाददाता

रामगढ़ : श्री श्याम मंदिर निर्माण में कार्यरत प्रमुख सदस्यों विष्णु पौद्दार के नेतृत्व में आज नामांकन किया गया। वहीं श्री श्याम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कमेटी के नेतृत्व पर अभी भी सस्पेंस बरकरार है।

श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट का द्वार्षिक चुनाव की प्रक्रिया आरंभ हो गई है ' श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट के 11 कार्यकारिणी समिति के लिए चुनाव होने वाला है' चुनाव को लेकर नामांकन पत्रों की बिक्री 04 जुलाई तक होगी तथा नामांकन 05 जुलाई तक किया जाएगा। श्री श्याम मंदिर नेहरू रोड के कार्यकारिणी चुनाव के नामांकन हेतु पत्र खरीदने के दूसरे दिन 3 जुलाई को 11 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदा ' वही 11 लोगों ने नामांकन पत्र जमा भी किया।

श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट के 11 कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के लिए होने वाले चुनाव के लिए 11 लोगों ने नामांकन पत्र जमा किया ' नामांकन पत्र चुनाव पदाधिकारी सुरेश बगड़िया और राजेश अग्रवाल को सौंपा गया।

आज नामांकन पत्र खरीदने व जमा करने वालों में अध्यक्ष पद के लिए विष्णु कुमार पोद्दार,उपाध्यक्ष पद के लिए राजेश कुमार अग्रवाल पथरवा, सचिव के लिए तुलसी कुमार अग्रवाल (पिंटू) , सह सचिव के लिए रोहित कुमार पंसारी, कोषाध्यक्ष पद के लिए संजय कुमार मथुरावाला, कार्यकारिणी के लिए दिनेश पोद्दार, ऋषभ अग्रवाल, रोहित कुमार शर्मा, सुनील कुमार अग्रवाल,शंभू कुमार अग्रवाल पटवारी, विकास कुमार अग्रवाल विकी शामिल है ' बीते कल 2 जुलाई को 6 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे थे। जिसमें कार्यकारिणी सदस्य के लिए संजय शर्मा, विजय पोद्दार, शंकर लाल अग्रवाल,अनिल कुमार गोयल, सचिव के पद हेतु सुशील कुमार गर्ग, कोषाध्यक्ष के लिए संजय कुमार चौधरी ने परचे खरीदे थे।

विष्णु पौद्दार के नेतृत्व में 11 सदस्यीय कार्यकारणी का नामांक होने व दो जुलाई को लिए गए नामांकन पत्रों के जमा नहीं होने से चुनाव सरगर्मी ठंडी हुई वहीं दूसरे नेतृत्व के सामने आने का श्याम प्रेमी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आज नामांकन के अवसर पर राजीव बगड़िया,ओम प्रकाश अग्रवाल, श्याम सुंदर परसरामपुरिया, कमल बगड़िया, राजेश मोदी, नरेश अग्रवाल, इंद्र अग्रवाल आदि लोग उपस्थित थे।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम यूनाइटेड किंगडम एक्सपोजर दौरे के लिए रवाना

बिभा संवाददाता

रांची : 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम कल रात बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से यूनाइटेड किंगडम के अपने एक्सपोजर दौरे के लिए रवाना हुई। यह दौरा 5 से 14 जुलाई 2026 तक निर्धारित है।

इस 24 सदसयी टीम में हमारे सिमडेगा जिला की खिलाड़ी निशा मिंज भी सामिल है। निशा मिंज भारतीय टीम फॉरवर्ड की पोजिशन से खेलती है। वह सिमडेगा जिला के केरसई प्रखंड के किनकेल की रहने वाली है।उसके पिताजी नही है उनकी माता हाट बाजारों में घूम घूम कर उरद,खुर्थी इत्यादि खरीद कर उसे दाल बनाकर हाट बाजारों ने बिक्री कर अपने बच्चो को पालन पोषण करती है।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के नए मुख्य कोच टिम व्हाइट के नेतृत्व में, टीम आगामी जूनियर एशिया कप सहित महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारियों के तहत स्कॉटलैंड और इंग्लैंड में सात मैच खेलेगी।

इस दौरे की शुरूआत यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग में स्कॉटलैंड सीनियर महिला टीम के खिलाफ दो मैचों से होगी। इसके बाद भारतीय टीम लिलेशल नेशनल स्पोर्ट्स सेंटर में संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और बेल्जियम की जूनियर टीमों से भिड़ेगी।

भारतीय टीम को हॉकी झारखंड के समस्त पदाधिकारियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

मोदी का 'मिशन 360': सत्ता के सुपर बहुमत की राजनीति या लोकतंत्र का नया अध्याय?

विनोद कुमार सिंह

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान, उसकी संस्थाएँ और जागरूक मतदाता हैं। संसद में दो-तिहाई बहुमत किसी भी सरकार को अधिक क्षमता अवश्य प्रदान कर सकता है, किंतु वह संविधान की मूल भावना से ऊपर नहीं हो सकता। संविधान की आत्मा केवल संख्याबल में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, संस्थागत संतुलन, असहमति के सम्मान और जनादेश की पवित्रता में निहित है।

भारतीय राजनीति में इन दिनों 'मिशन 360' शब्द तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है। यद्यपि भारतीय जनता पार्टी ने इस नाम से किसी आधिकारिक अभियान की घोषणा नहीं की है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि भाजपा आने वाले वर्षों में संसद के दोनों सदनों में इतना व्यापक संख्याबल प्राप्त करना चाहती है, जिससे केवल सरकार चलाना ही नहीं, बल्कि बड़े संवैधानिक और नीतिगत निर्णयों को भी अपेक्षाकृत सहजता से आगे बढ़ाया जा सके। दूसरी ओर विपक्ष इसे लोकतांत्रिक संतुलन के लिए चुनौती मानते हुए आरोप लगाता है कि सत्ता पक्ष विपक्षी दलों में राजनीतिक सेंध लगाकर अपना विस्तार करना चाहता है। ऐसे में 'मिशन 360' केवल एक राजनीतिक चर्चा नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की दिशा और भविष्य से जुड़ा विमर्श बन चुका है।

भारतीय संविधान किसी भी राजनीतिक दल को व्यापक जनादेश प्राप्त करने से नहीं रोकता। लोकतंत्र का मूल आधार जनता की स्वीकृति है। यदि कोई दल चुनाव जीतकर या वैधानिक गठबंधन के माध्यम से बहुमत प्राप्त करता है तो उसमें कोई असंवैधानिकता नहीं है। किंतु जब बहुमत का विस्तार विपक्षी दलों में टूट, निर्वाचित प्रतिनिधियों के दल परिवर्तन अथवा राजनीतिक पुनर्संरचना के माध्यम से होता दिखाई देता है, तब लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यही कारण है कि आज बहुमत और मयार्दा, दोनों समान रूप से चर्चा के विषय हैं।

लोकसभा में सरकार बनाने के लिए साधारण बहुमत पर्याप्त होता है, लेकिन संविधान संशोधन के लिए अनुच्छेद 368 के अंतर्गत अनेक मामलों में विशेष बहुमत तथा कुछ विषयों पर आधे राज्यों की स्वीकृति भी आवश्यक होती है। महिला आरक्षण कानून के पूर्ण क्रियान्वयन, परिसीमन, 'एक देशझ्रएक चुनाव', न्यायिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे विषयों को देखते हुए यह समझा जा सकता है कि कोई भी सरकार संसद में अधिक मजबूत स्थिति क्यों चाहेगी। इस दृष्टि से संसदीय संख्याबल केवल राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, बल्कि नीति निर्माण की क्षमता से भी जुड़ा है।

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है। वर्ष 1967 में हरियाणा के विधायक गयालाल के बार-बार दल बदलने के बाद 'आया राम, गया राम' भारतीय राजनीति का स्थायी मुहावरा बन गया। इसी पृष्ठभूमि में 1985 में संविधान की दसवीं अनुसूची के माध्यम से दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया और 2003 के 91वें संविधान संशोधन द्वारा इसे और कठोर बनाया गया। इसके बावजूद राजनीतिक पुनर्संरचना पूरी तरह नहीं रुकी।

पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया, जहाँ पहले शिवसेना और बाद में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन हुआ। इन घटनाओं ने केवल सरकारें नहीं बदलीं, बल्कि विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका, निर्वाचन आयोग की शक्तियों और सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक व्याख्याओं पर भी व्यापक बहस छेड़ दी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक और अन्य राज्यों में भी सत्ता परिवर्तन ने यह स्पष्ट किया कि आज राजनीतिक संघर्ष केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं रह गया है; चुनाव के बाद की रणनीति भी सत्ता के समीकरण तय कर रही है।

पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनावों के पहले और बाद कई नेताओं के दल बदलने की घटनाएँ सामने आईं। कुछ नेता तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए, जबकि कुछ बाद में वापस लौट आए। इससे यह प्रश्न और गहरा हुआ कि क्या भारतीय राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता कमजोर पड़ रही है और चुनावी गणित अधिक प्रभावी होता जा रहा है। दिल्ली और पंजाब में भी समय-समय पर विभिन्न राजनीतिक अटकलें सामने आती रही हैं, हालांकि अधिकांश मामलों में उनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। फिर भी इससे यह संकेत अवश्य मिलता है कि राष्ट्रीय राजनीति में प्रत्येक सांसद और प्रत्येक क्षेत्रीय दल भविष्य के सत्ता समीकरण का संभावित हिस्सा माना जा रहा है।

भाजपा का पक्ष यह रहा है कि यदि विपक्ष के नेता स्वेच्छा से उसके साथ जुड़ते हैं तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है और अंतिम निर्णय जनता चुनाव में देती है। दूसरी ओर विपक्ष आरोप लगाता है कि केंद्रीय एजेंसियों, राजनीतिक दबाव और सत्ता के प्रभाव का उपयोग विपक्ष को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। इन आरोपों और प्रत्यारोपों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि क्या दल परिवर्तन जनादेश का सम्मान है या उसका पुनर्लेखन?

संविधान विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि भारतीय संविधान किसी सांसद या विधायक को जीवनभर किसी दल से बंधे रहने के लिए बाध्य नहीं करता। वहीं दूसरी ओर दसवीं अनुसूची का उद्देश्य व्यक्तिगत राजनीतिक लाभ के लिए निर्वाचित जनादेश को बदलने से रोकना है। यदि कानून की भावना और राजनीतिक व्यवहार के बीच लगातार दूरी बढ़ती है, तो भविष्य में दल-बदल विरोधी कानून की समीक्षा की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। कुछ विशेषज्ञ यह सुझाव देते हैं कि यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता है तो उसे पुनः जनता के बीच जाकर नया जनादेश प्राप्त करना चाहिए, जबकि अन्य विशेषज्ञ अत्यधिक कठोर कानून को प्रतिनिधियों की वैचारिक स्वतंत्रता के विरुद्ध मानते हैं।

यदि 'मिशन 360' जैसी कोई रणनीति वास्तव में अस्तित्व में है, तो उसका आधार केवल विपक्ष को कमजोर करना नहीं, बल्कि पूरे देश में संगठनात्मक विस्तार भी हो सकता है। पिछले एक दशक में भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों, दक्षिण भारत और नए सामाजिक वर्गों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया है। अनेक क्षेत्रीय दलों के साथ व्यावहारिक गठबंधन और संगठन विस्तार भी इसी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जाता है।

दूसरी ओर विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती भाजपा नहीं, बल्कि उसकी अपनी एकजुटता है। राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी दल कई राज्यों में एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। नेतृत्व, विचारधारा, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और चुनावी हितों के कारण साझा रणनीति बनाना कठिन होता रहा है। ऐसे में यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता है तो उसके पीछे केवल सत्ता पक्ष की रणनीति ही नहीं, बल्कि उसके मूल दल की संगठनात्मक कमजोरियाँ, नेतृत्व संकट और भविष्य को लेकर असंतोष भी कारण हो सकते हैं। इसलिए हर राजनीतिक परिवर्तन को केवल किसी 'ऑपरेशन' का परिणाम मान लेना भी वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा।

यदि भविष्य में भाजपा संसद में और अधिक मजबूत स्थिति प्राप्त करती है, तो उसके सामने अवसरों के साथ संवैधानिक जिम्मेदारियाँ भी बढ़ेंगी। 'एक देशझ्रएक चुनाव', परिसीमन, महिला आरक्षण कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, न्यायिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे विषय केवल संख्याबल से नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक सहमति और लोकतांत्रिक संवाद से ही सफल हो सकते हैं। लोकतंत्र में बहुमत महत्वपूर्ण है, लेकिन संवाद और सहमति उसकी स्थायी शक्ति हैं।

उधर विपक्ष के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। यदि वह हर राजनीतिक परिवर्तन का दोष केवल सत्ता पक्ष पर मढ़ने के बजाय अपनी संगठनात्मक कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करता है, तो भारतीय लोकतंत्र और अधिक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी बन सकता है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति सत्ता परिवर्तन की संभावना और मजबूत विपक्ष की उपस्थिति में निहित होती है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि आज का भारतीय मतदाता पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक और निर्णायक है। वह केवल राजनीतिक नारों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि विकास, सुशासन, नेतृत्व, सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय सुरक्षा, स्थानीय मुद्दों और प्रशासनिक प्रदर्शन को भी समान महत्व देता है। इसलिए संसद में स्थायी बहुमत का वास्तविक आधार अंततः जनता का सतत विश्वास ही होता है, न कि केवल राजनीतिक जोड़-तोड़।

आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या भाजपा अपने संगठनात्मक विस्तार को व्यापक जनसमर्थन में बदल पाती है, क्या विपक्ष स्वयं को विश्वसनीय विकल्प के रूप में पुनर्गठित कर पाता है और क्या लोकतांत्रिक संस्थाएँ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखती हैं।

'मिशन 360' आज भले ही राजनीतिक चचाओं का विषय हो, लेकिन उसकी वास्तविक परीक्षा संसद के भीतर नहीं, बल्कि जनता की अदालत में होगी। यदि किसी दल को व्यापक जनादेश चुनावों के माध्यम से प्राप्त होता है तो वह लोकतंत्र की स्वाभाविक सफलता होगी। किंतु यदि बहुमत का विस्तार मुख्यतः विपक्षी दलों में लगातार टूट के माध्यम से होता है, तो लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्न उठते रहेंगे। उसी प्रकार यदि विपक्ष अपनी कमजोरियों का आत्मविश्लेषण किए बिना प्रत्येक राजनीतिक परिवर्तन को केवल सत्ता पक्ष की रणनीति बताता रहेगा, तो वह भी अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकेगा।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान, उसकी संस्थाएँ और जागरूक मतदाता हैं। संसद में दो-तिहाई बहुमत किसी भी सरकार को अधिक क्षमता अवश्य प्रदान कर सकता है, किंतु वह संविधान की मूल भावना से ऊपर नहीं हो सकता। संविधान की आत्मा केवल संख्याबल में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, संस्थागत संतुलन, असहमति के सम्मान और जनादेश की पवित्रता में निहित है।

इसलिए आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि 'मिशन 360' सफल होगा या नहीं, बल्कि यह है कि भारत की राजनीति आगे किस दिशा में विकसित होगी—क्या वह केवल संख्याओं का लोकतंत्र बनेगी या संवैधानिक मूल्यों, स्वस्थ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और जनविश्वास पर आधारित एक अधिक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में आगे बढ़ेगी। आने वाले वर्षों का राजनीतिक इतिहास इसी प्रश्न का उत्तर तय करेगा।

संपादकीय

इथेनॉल का मोल

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई-85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल,ये वाहन ई-85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई-100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं। जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां ई-20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई-85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाहे-बगाहे पैदा होने वाले भू-राजनीतिक संकटों ने बार-बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों को ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं।

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी।

एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है।

सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी।

मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

अकेले क्यों थकना, जब साथ मिलकर बदल सकते हैं जमाना!

दिलीप कुमार पाठक

सोचिए, अगर हाथ की सिर्फ एक उंगली से किसी भारी चीज को उठाने की कोशिश करें, तो क्या होगा? शायद उंगली में मोच आ जाएगी। लेकिन जब पांचों उंगलियां मिलकर मुट्ठी बन जाती हैं, तो ताकत कई गुना बढ़ जाती है। बस यही सीधा सा फंडा है सहकारिता का। आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर मैं, मेरा और मुझे में खोए रहते हैं। लेकिन साल में एक दिन ऐसा आता है जो हमें याद दिलाता है कि जिंदगी की असली गाड़ी अकेले नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर चलने से ही सुचारू रूप से चलती है। जुलाई का पहला शनिवार इसी एकता और भाईचारे के नाम होता है, जिसे लोग तकनीकी भाषा में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस कह देते हैं।

बहुत से लोग इस भारी-भरकम शब्द को सुनकर कन्फ्यूज हो जाते हैं, लेकिन इसका मतलब बहुत ही सीधा है - एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ना। हमारे समाज में हर किसी के पास बहुत सारा पैसा या बड़ी-बड़ी सिफारिशें नहीं होतीं। किसी के पास कोई छोटा सा हुनर होता है, तो किसी के पास थोड़ी सी जमीन। अब अकेले दम पर तो बड़ा बिजनेस खड़ा करना मुमकिन नहीं है। ऐसे में कुछ लोग आपस में मिलते हैं, अपनी थोड़ी-थोड़ी जमापूंजी एक जगह जमा करते हैं और मिलकर काम शुरू कर देते हैं। यहां कोई बड़ा बॉस या नौकर नहीं होता। जितने लोग, उतने मालिक। सब मिलकर फैसला लेते हैं और जो भी फायदा होता है, उसे आपस में खुशी-खुशी बांट लेते हैं। यह एक ऐसी व्यवस्था है जहां कोई किसी का हक नहीं मार सकता। इस जादुई फॉमूर्ले की सबसे बड़ी मिसाल हमारे घरों में सुबह-सुबह आने वाला अमूल दूध है। बरसों पहले गुजरात के कुछ सीधे-साधे किसानों ने मिलकर बिचौलियों की मनमानी के खिलाफ एक छोटी सी मंडली बनाई थी। आज वही छोटी सी शुरूआत दुनिया का इतना बड़ा ब्रांड बन चुकी है कि हर घर की सुबह उसके बिना अधूरी है। इसी तरह सिर्फ सात महिलाओं ने अस्सी रुपये उधार लेकर पापड़ बनाने का काम शुरू किया था, जिसे आज हम लिज्जत पापड़ के नाम से जानते हैं। आज इस काम से देश की हजारों महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हैं और गर्व से अपना घर चला रही हैं। ये कहानियां गवाह हैं कि जब आम लोग एक साथ आ जाते हैं, तो बड़े-बड़े कॉरपोरेट घराने भी उनके आगे फीके पड़ जाते हैं।आज के समय में जब हर तरफ सिर्फ अपना फायदा देखने की होड़ मची है, वहां यह सोच किसी ठंडी हवा के झोंके जैसी है। बड़ी-बड़ी कंपनियां सिर्फ अपना बैंक बैलेंस बढ़ाने में लगी रहती हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का भी नुकसान करना पड़े। लेकिन जब लोग मिलकर कोई समिति या ग्रुप बनाते हैं, तो वे सिर्फ पैसे के पीछे नहीं भागते। वे अपने साथ-साथ अपने गांव, अपने पड़ोसियों और पर्यावरण का भी ख्याल रखते हैं। यहां अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं होता। सबके वोट की कीमत बराबर होती है। यही वजह है कि यह मॉडल समाज से मंदी और बेरोजगारी जैसी बीमारियों को जड़ से खत्म करने की ताकत रखता है। खासकर हमारे गांवों और छोटे कस्बों में यह सोच किसी वरदान से कम नहीं है। छोटे किसानों को सस्ते दाम पर खाद-बीज दिलाना हो, महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई के जरिए आत्मनिर्भर बनाना हो या कम ब्याज पर लोन देना हो, यह आपसी सहयोग हर जगह ढाल बनकर खड़ा हो जाता है। यह हमें सिखाता है कि अगर हम अपनी छोटी-छोटी ताकतों को मिला लें, तो एक बहुत बड़ी दीवार खड़ी की जा सकती है जो हर मुसीबत को रोक देगी। तो चलिए, आज के दिन से एक नई शुरूआत करते हैं। अपने आस-पास की ऐसी छोटी समितियों, स्थानीय कारीगरों और मिलकर काम करने वाले ग्रुप्स को सपोर्ट करें। बाजार से सामान खरीदते वक्त बड़े ब्रांड्स के चमकीले विज्ञापनों में फंसने के बजाय अपने ही लोगों की मेहनत को तवज्जो दें। जब हम एक-दूसरे का सहारा बनेंगे, तभी देश का हर कोना तरक्की करेगा। आखिर असली मजा तो सबके साथ आगे बढ़ने में ही है! (लेखक पत्रकार हैं)

स्वामी विवेकानंद : युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

हर्षवर्धन पान्डे

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से पुकारा जाता था एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भांति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानंद का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुँचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाती है।

विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में विश्वनाथ और भुवनेश्वरी देवी के घर हुआ था। बचपन में नरेन्द्रनाथ नाम से जाने जाने वले विवेकानंद काफी चंचल प्रवृति के थे। उनकी माता भगवान की अनन्य उपासक थी लिहाजा माँ के सानिध्य में वह भी ईश्वर प्रेमी हो गए। बचपन में विवेकानंद की माँ इन्हें रामायण की कहानी सुनाती थी तो इसको यह बड़ी तन्मयता से सुनते थे। रामायण में हनुमान के चरित्र ने उस दौर में इनके जीवन को खासा प्रभावित किया साथ ही अपनी माँ की तरह वह भी शिवशंकर के अनन्य भक्त हो गए। कई बार वह शिव से सीधा साक्षात्कार करते मालूम पड़ते थे और अपनी माँ से कहा करते कि उनमे शंकर का वास है। यह सब सुनकर इनकी माँ चिंतित हो उठती कि उनका यह बेटा कहीं बाबा सन्यासी ना बन जाए। बचपन से ही नरेन्द्रनाथ पढ़ाई लिखाई में रूचि लेने लगे। पढ़ाई में यह अव्वल दर्जे के छात्र थे इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है जो चीज एक बार यह पढ़ लेते उसे कभी भूलते नहीं थे। युवावस्था में उन्हें पाश्चात्य दार्शनिकों के निरीश्वर भौतिकवाद तथा ईश्वर के अस्तित्व में दृढ़ भारतीय विश्वास के कारण गहरे द्वद से गुजरना पड़ा। परमहंस जी जैसे जौहरी ने रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेंद्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। उस शक्तिपात के कारण कुछ दिनों तक नरेन्द्र उन्मत्त-से रहे। उन्हें गुरु ने आत्मदर्शन करा दिया था। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रदत्त ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेंद्रनाथ ने सन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में दुनिया में जाने गए। जीवन के आलोक को जगत के अन्धकार में भटकते प्राणियों के समक्ष उन्हें उपस्थित करना था। स्वामी विवेकानंद ने पैदल ही पूरे भारत की यात्रा की।गुरुजनों के प्रति इनका सम्मान उस दौर में भी देखते ही बनता था। बड़े होने पर भी गुरु से इनका लगाव बना रहा। विवेकानंद का मानना था कि जीवन में सफल होने के लिए अच्छा गुरु मिलना जरुरी है क्युकि गुरु ही अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की तरफ ले जाता है। बचपन से ही गुरु के अलावे आध्यात्मिक चीजों की तरफ इनका झुकाव हो गया और इसी दौरान मुलाकात रामकृष्ण परमहंस से हुई जिन्होंने इन्हें अपना मानस पुत्र घोषित कर दिया। परमहंस की दी हुई हर शिक्षा को विवेकानंद ने अपने जीवन में ना केवल उतारा बल्कि लोगो को भी इसके जरिये कई सन्देश दिए जिसने आगे बदने की राह खोली।

11 सितंबर सन् 1893 के उस दिन उनके अलौकिक तत्वज्ञान ने पाश्चात्य जगत को चौंका दिया। अमेरिका ने स्वीकार कर लिया कि वस्तुतः भारत ही जगद्गुरु था और रहेगा। स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके जबरदस्त प्रभाव छोड़ा।11 सितम्बर 1893 का दिन इतिहास में अमर है। इस दिन अमेरिका में विश्व धर्म सम्मलेन का आयोजन किया जिसमे दुनिया के कोने कोने से लोगो ने शिरकत की। उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्ही के कंधो पर थी। गेरुए कपडे पहने विवेकानन्द ने अपनी वाणी से वहां पर मौजूद जनसमुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। जहाँ सभी अपना भाषण लिखकर लाये थे वहीँ विवेकानंद ने अपना मौखिक भाषण दिया। दिल से जो निकला वही बोला और जनसमुदाय के अंतर्मन को मानो झंकृत ही कर डाला। उनके शालीन अंदाज ने लोगों को उन्हें सुनने को मजबूर कर दिया। धर्म की व्याख्या करते हुए वह बोले जैसे सभी नदियां अंत में समुद्र में जाकर मिलती है वैसे ही दुनिया में अलग अलग धर्म अपनाने वाले मनुष्य को एक न एक दिन ईश्वर की शरण में जाकर ही लौटना पड़ता है। सिस्टर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरूआत करते ही 7000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। 17 सितम्बर 1893 को शिकागो में धर्म सभा में उन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र के नाम से सम्बोधित किया और स्वयं के हिन्दू होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने सभा को बताया हिन्दू धर्म पर प्रबंध ही हिन्दुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा है। उन्होंने सभी हिन्दुओं को सब भेदों से ऊपर उठकर अपनी राष्ट्रीय पहचान पर गर्व करने का ककहरा ना केवल सुनाया बल्कि दुनिया में भारत के नाम के झंडे गाड़ दिए। उन्होंने न्यूयॉर्क में लगभग दो वर्ष व्यतीत किये जहाँ वर्ष 1894 में पहली ह्यवेदांत सोसाइटीह्ण की स्थापना की। विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है। परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं।शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्म अपूर्ण है। तीसरा, यदि कोई व्यक्ति केवल अपने धर्म के अनन्य अस्तित्व और दूसरों के धर्म के विनाश का स्वप्न रखता है तो मैं ह्रदय की गहराइयों से उसे दया भाव से देखता हूँ और उसे इंगित करता हूँ कि विरोध के बावजूद प्रत्येक धर्म के झंडे पर जल्द ही संघर्ष के बदले सहयोग, विनाश के बदले सम्मिलन और मतभेद के बजाय सद्भाव व शांति का संदेश लिखा होगा। जिस समय शिकागो में 1893 में धर्म सम्मेलन हुआ ,उस समय पाश्चात्य जगत भारत को हीन दृष्टि से देखता था। वहां के लोगों ने बहुत प्रयास किया कि विवेकानंद को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही ना मिले, मगर एक अमेरिकी प्रोफेसर के प्रयास से उन्हें थोडा समय मिला। भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा कहकर स्वामी जी ने पुनः भारत को विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित कर दिया। गुरुदेव रविंदर नाथ टैगोर ने विवेकानन्द के बारे में कहा है यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए।

एनसीडब्ल्यू महिला हेल्पलाइन - 14490: महिलाओं की सहायता के लिए समर्पित एक मंच

बिहान भारत

महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और कल्याण सुनिश्चित करना एक समावेशी और न्यायसंगत समाज के लिए आवश्यक है। सुलभ और उत्तरदायी सार्वजनिक सेवा तंत्र, मुद्दों का निवारण करने और सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) महिलाओं के अधिकारों और हितों की रक्षा तथा बढ़ावा देने के लिए एक शीर्ष वैधानिक निकाय है। [1] यह महिलाओं के हितों का प्रतिनिधित्व करने और उनके कल्याण और सशक्तीकरण की वकालत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। राष्ट्रीय महिला आयोग की पहल में दहेज, समान रोजगार के अवसर और श्रम शोषण आदि विषय शामिल हैं. राष्ट्रीय महिला आयोग को महिलओं के प्रति वर्ष घरेलू हिंसा और अन्य प्रकार के दुर्व्यवहार से संबंधित हजारों शिकायतें मिलती हैं। इस तरह के दुर्व्यवहार महिलाओं के मानसिक कल्याण पर बुरा प्रभाव डाल सकते हैं इसलिए इसके लिए पेशेवर मनोवैज्ञानिक सहायता की आवश्यकता होती है। संकट में महिलाओं की सहायता के लिए, राष्ट्रीय महिला आयोग 247 महिला हेल्पलाइन - 14490 संचालित करता है, जो हिंसा से प्रभावित महिलाओं के लिए एक डिजिटल शिकायत पंजीकरण प्रणाली प्रदान करता है। [4] यह टोल-फ्री नंबर राष्ट्रीय महिला आयोग की मौजूदा हेल्पलाइन - 7827170170 से जुड़े एक आसानी से याद रखने वाले शॉर्ट कोड के रूप में कार्य करता है। [5] 18 वर्ष से अधिक आयु की कोई भी महिला या लड़की हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकती है। यह महिलाओं को शिकायतें दर्ज करने और तत्काल सहायता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। यह प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता, प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य और परामर्श संस्थानों द्वारा संचालित है। यह जरूरतमंद लोगों के लिए पेशेवर और सुगम हस्तक्षेप सुनिश्चित करता है.

डिजिटल पहुंच के माध्यम से दूरियां कम करना

राष्ट्रीय महिला आयोग की महिला हेल्पलाइन सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच और शिकायत निवारण में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर डिजिटल इंडिया के सिद्धांतों का उदाहरण है।
हेल्पलाइन किसी भी समय सहायता प्राप्त करने के लिए चौबीसों घंटे डिजिटल शिकायत पंजीकरण प्रणाली प्रदान करती है।
हेल्पलाइन शिकायत पंजीकरण, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रेफरल सहायता और सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी के लिए एक डिजिटल एक्सेस प्वाइंट की सुविधा प्रदान करती है। यह सहायता सेवाओं को अधिक सुलभ और नागरिक-केंद्रित बनाता है।
राष्ट्रीय महिला आयोग की मौजूदा हेल्पलाइन से जुड़ा एक राष्ट्रव्यापी नंबर प्रदान करके, यह पहल विशेष रूप से आपातस्थिति के दौरान सहायता तक त्वरित पहुंच को सक्षम बनाती है।

शिकायत विश्लेषण के माध्यम से सुधार

राष्ट्रीय महिला आयोग को प्राप्त शिकायतें महिलाओं के प्रति अपराधों की प्रकृति और प्रवृत्तियों के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं। यह विश्लेषण महिलाओं के खिलाफ हिंसा को संबोधित करने के लिए जिम्मेदार संस्थानों के कामकाज में अंतराल की पहचान करने में मदद करता है।
इसके निष्कर्ष ऐसे मामलों की प्रतिक्रिया में सुधार के लिए सुधारात्मक उपायों के लिए सिफारिशों का समर्थन करते हैं।
पुलिस कर्मियों, न्यायिक अधिकारियों, अभियोजकों, फोरेंसिक वैज्ञानिकों, बचाव वकीलों और अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रमों के दौरान शिकायतों का उपयोग केस स्टडी के रूप में भी किया जाता है।

शिकायत प्रक्रिया और निवारण तंत्र

राष्ट्रीय महिला आयोग शिकायतों की जांच करने और उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया का पालन करता है। आगे की कार्रवाई शुरू करने से पहले, आयोग के अधिकार-क्षेत्र के अनुसार शिकायतों की समीक्षा की जाती है।
शिकायतों की जांच-पड़ताल की जाती है ताकि यह तय किया जा सके कि वे आयोग के अधिकार क्षेत्र में आती हैं या नहीं।
राष्ट्रीय महिला आयोग के अधिकार क्षेत्र में आने वाली शिकायतों को रजिस्टर किया जाता है और उन्हें एक यूनिक केस नंबर दिया जाता है।
जो शिकायतें अधिकार क्षेत्र में नहीं आतीं, उन्हें शिकायतकर्ता को सूचित करने के बाद बंद कर दिया जाता है।
मामले की प्रकृति के आधार पर पंजीकृत शिकायतों को संबंधित प्राधिकारियों के साथ उठाया जाता है।
शिकायतकताओं की शिकायतों के निवारण के लिए मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्रवाई की जाती है -
पुलिस जांच में तेजी लाना/निगरानी करना
वैधानिक प्रावधानों के उचित कार्यान्वयन की निगरानी करना
मध्यस्थता/परामर्श के माध्यम से मुद्दों का समाधान करना
राष्ट्रीय महिला आयोग गंभीर अपराधों के लिए एक जांच समिति का गठन करता है, जो मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच करती है।

अधिकतम जवाबदेही

राष्ट्रीय महिला आयोग की महिला हेल्पलाइन महिलाओं के कल्याण के लिए विकसित दृष्टिकोण को दशार्ती है। यह समय-समय पर उभरती समस्याओं से निपटने के लिए उत्तरदायी संस्थानों और सरलीकृत सार्वजनिक सेवाओं को एक साथ लाती है। जुड़ाव के लिए एक समर्पित चैनल बनाकर, यह पहल महिलाओं और स्थापित औपचारिक प्रणालियों के बीच संबंध को मजबूत करती है। यह अधिक जागरूकता को भी बढ़ावा देती है और संस्थागत प्रक्रियाओं में विश्वास पैदा करती है। जैसे-जैसे इसकी पहुंच का विस्तार जारी है, हेल्पलाइन देश भर में महिलाओं के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

शरीर के 7 चक्र क्या हैं और सेहत पर उनका क्या असर पड़ता है?

ऐसा माना जाता है कि अगर ये चक्र सुसुप्त यानी सो रहे हैं तो आपका जीवन भी नीरस है। इसलिए परम आनंद के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए इनको जागृत करना बहुत जरूरी है। जागृत होने के बाद ये चक्र शरीर के साथ मन और आत्मा को किस तरह प्रभावित करते हैं, इसके बारे में इस लेख में हम विस्तार से बात करते हैं।

क्या हैं चक्र

चक्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ पहिया होता है। ये शरीर के अंदर स्थित वे बिंदु हैं, जिनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है, ये सात प्रकार के होते हैं। ये विभिन्न अंगों तथा मन एवं बुद्धि के कार्य को सूक्ष्म-ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति की सूक्ष्मदेह से संबंधित होते हैं। इनको कुंडलिनी चक्र भी कहा जाता है।

मूलाधार चक्र

यह गुदा और लिंग के बीच चार पंखुड़ियों वाला आधार चक्र है। प्राणायाम करके, अपना ध्यान मूलाधार चक्र पर केंद्रित करके मंत्र का उच्चारण करने से यह जागृत होता है। इसका मूल मंत्र 'लं' है। धीरे-धीरे जब यह चक्र जागृत होता है तो व्यक्ति में लालच खत्म हो जाता है और व्यक्ति को आत्मीय ज्ञान प्राप्त होने लगता है। यह लालच को समाप्त करता है।

स्वाधिष्ठान चक्र

मूलाधार चक्र के ऊपर और नाभि के नीचे स्थित होता है, स्वाधिष्ठान चक्र, इसका संबंध जल तत्व से होता है। इस चक्र के जागृत हो जाने पर शारीरिक समस्या और विकार, क्रूरता, आलस्य, अविश्वास आदि दुर्गुणों का नाश होता है। शरीर में कोई भी विकार जल तत्व के ठीक न होने से होता है। इसका मूल मंत्र 'वं' है।

मणिपूर चक्र

यह नाभि से ऊपर होता है। यौगिक क्रियाओं से कुंडलिनी जागरण करने वाले साधक जब ऊर्जा मणिपूर चक्र में जुटा लेते हैं, तो वो कर्मयोगी बन जाते हैं। यह प्रसुप्त पड़ा रहे तो लालच, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय से मन प्रभावित होता है। इसके जागृत होने से ये विकृतियां समाप्त हो जाती हैं।

अनाहत चक्र

यह चक्र व्यक्ति के सीने में रहता है। इसको जागृत करने हृदय पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'यं' का उच्चारण करना चाहिए। यह जागृत होते ही बहुत सिद्धियां प्राप्त होती है। यह सोता रहे तो कपट, तनाव, अहं यानी मोह और अहंकार से मनुष्य भरा रहता है।

विशुद्ध चक्र

यह चक्र गले में रहता है। इसे जागृत करने के लिए व्यक्ति को कंठ पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'हं' का उच्चारण करना चहिए। इसके जागृत होने से व्यक्ति अपनी वाणी को सिद्ध कर सकता है। इस चक्र के जागृत होने से संगीत विद्या सिद्ध होती है, मस्तिष्क अधिक क्रियाशील हो जाता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर हो जाती है।

सहस्रार चक्र

सहस्रार चक्र व्यक्ति के मष्तिष्क के मध्य भाग में होता है। बहुत कम लोग होते हैं जो इसको जागृत कर पाते हैं, चूंकि इसे जाग्रत करना बहुत मुश्किल काम है। इसको जाग्रत कर व्यक्ति परमानंद प्राप्त करता है और सुख-दु:ख का उस पर असर नहीं होता है।

आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र भ्रू मध्य अर्थात दोनों आंखों के बीच में केंद्रित होता है। इस चक्र को जागृत करने के लिए व्यक्ति को मंत्र '' का जाप करना चाहिए। इसके जाग्रत होने से इंसान को आत्म ज्ञान प्राप्त होता है।

रेसिपी

ब्लैक करंट शीर

सामग्री

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवईं: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप ■ दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून ■ इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

विधि

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रुट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

दही पराठा

सामग्री

- आटा: 2 कप ■ दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी ■ घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा ■ अजवाइन: 1/4 टीस्पून ■ 3 हरी मिर्च बारीक काटी ■ 1/2 छोटी कटोरी दाल ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ पराठा सेंकने के लिए तेल ■ जरूरत के अनुसार पानी

विधि

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

सिंधु जल संधि पर भारत अपने रुख पर कायम

-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की आपत्तियां खारिज

-हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की प्रक्रिया पर भारत ने उठाए सवाल

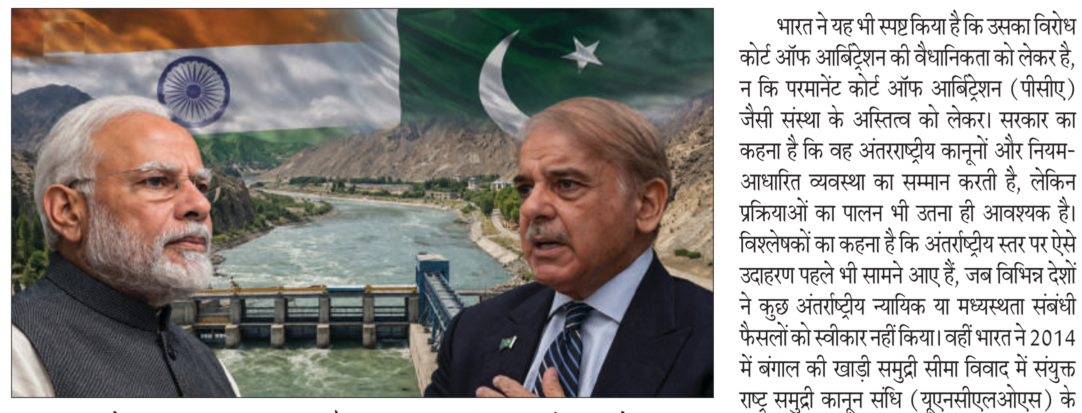

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद एक बार फिर गहरा गया है। भारत ने हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) की कार्यवाही और उसके एकतरफा फैसले को मानने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया है कि संधि के प्रावधानों की अनदेखी कर शुरू की गई किसी भी प्रक्रिया का कोई कानूनी आधार नहीं है। भारत के इस रुख के बाद पाकिस्तान के कई नेताओं ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत का कहना है कि सिंधु जल संधि में विवादों के समाधान के लिए चरणबद्ध प्रक्रिया निर्धारित है। नई दिल्ली के अनुसार, तकनीकी विवादों पर पहले न्यूट्रल एक्सपर्ट की नियुक्ति का प्रावधान है और उसके बाद ही अन्य कानूनी विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। भारत का आरोप है कि इस प्रक्रिया का पालन किए बिना समानांतर मध्यस्थता शुरू की गई, जिसे उसने स्वीकार नहीं किया। मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के महानिदेशक सुजान चिनॉय ने अपने एक विश्लेषण में कहा है, कि भारत ने संधि को स्थगित करने से पहले विश्व बैंक से न्यूट्रल एक्सपर्ट नियुक्त करने का अनुरोध किया था। वहीं पाकिस्तान ने समानांतर रूप से कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के जरिए कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। तत्कालीन विश्व बैंक अध्यक्ष ने दोनों प्रक्रियाओं को साथ चलाने की मंजूरी दी, जिसे भारत ने संधि की मूल भावना के विपरीत बताया और इस प्रक्रिया में भाग लेने से इनकार कर दिया।

भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसका विरोध कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की वैधानिकता को लेकर है, न कि परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) जैसी संस्था के अस्तित्व को लेकर। सरकार का कहना है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियम-आधारित व्यवस्था का सम्मान करती है, लेकिन प्रक्रियाओं का पालन भी उतना ही आवश्यक है। विश्लेषकों का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे उदाहरण पहले भी सामने आए हैं, जब विभिन्न देशों ने कुछ अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक या मध्यस्थता संबंधी फैसलों को स्वीकार नहीं किया। वहीं भारत ने 2014 में बंगाल की खाड़ी समुद्री सीमा विवाद में संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के फैसले को स्वीकार कर अंतर्राष्ट्रीय नियमों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की थी।

सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच आगे की कूटनीतिक एवं कानूनी प्रक्रिया पर दोनों देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर बनी हुई है।

बागेश्वर धाम पहुंचे अनंत अंबानी, पूजा-अर्चना की, हाथ में थामी गदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने बागेश्वर धाम पहुंचे। यहां पहुंचने के बाद उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस दौरान वह धीरेंद्र शास्त्री के साथ पूजा में शामिल हुए। एक वीडियो में अनंत को धीरेंद्र शास्त्री के साथ हाथ में गदा थामे देखा गया। धीरेंद्र शास्त्री मध्य प्रदेश राज्य के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम के मुख्य पुजारी हैं, वह कथा सुनाते हैं। बता दें कुछ दिन पहले अनंत अंबानी ने आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए थे। इस दौरान उन्होंने वहां की सालों पुरानी धार्मिक परंपरा का पालन करते हुए अपने केश भी दान किए। तिरुमला में केश दान को धार्मिक परंपरा का हिस्सा माना जाता है। श्रद्धालु केश दान को भगवान के प्रति श्रद्धा, समर्पण, कृतज्ञता और विनम्रता का प्रतीक मानते है। कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने पर या किसी विशेष संकल्प के तहत भी अपने केश अर्पित करते हैं। तिरुमला में केश दान की यह परंपरा हजारों साल पुरानी मानी जाती है।

केतन अग्रवाल हत्याकांड: पॉलीग्राफी टेस्ट से खुलेगा सच?

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे स्थित लोहागढ़ किले पर 18 जून को रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की संदिग्ध मौत अब पुलिस जांच में नया मोड़ ले लिया है। केतन की मौत के मामले में मुख्य आरोपी सिया गोयल (20) और उनके कथित प्रेमी चेतन चौधरी (22) पर केतन की हत्या करने का आरोप है। पुलिस का मानना है कि इन दोनों ने मिलकर केतन को खाई में धकेला, लेकिन अभी तक कोई सीधा गवाह या ठोस सबूत नहीं मिल पाया है, जिसके कारण जांच में गतिरोध बना हुआ है। इसकारण पुणे पुलिस ने अब इस केस को आगे बढ़ाने के लिए पॉलीग्राफी टेस्ट का सहारा लेने का फैसला किया है और इसके लिए कोर्ट से अनुमति भी मांग ली गई है। पॉलीग्राफी टेस्ट, इस अक्सर झूठ पकड़ने वाला कहा जाता है, पूरी तरह से सटीक नहीं होता। यह दरअसल किसी व्यक्ति के शरीर में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों, जैसे दिल की धड़कन, रक्तचाप, सांस लेने की दर और पसीने को मापता है। ये परिवर्तन आमतौर पर तब होते हैं जब व्यक्ति तनाव में होता है या झूठ बोल रहा होता है। टेस्ट की शुरुआत एक प्री-टेस्ट इंटरव्यू से होती है, जहाँ परीक्षक आरोपी से बातचीत कर केस और प्रक्रिया समझाता है। इसके बाद, आरोपी के शरीर पर कई सेंसर लगाए जाते हैं, जो इन शारीरिक प्रतिक्रियाओं को रिकॉर्ड करते हैं। इस डेटा का विश्लेषण कर परीक्षक यह अनुमान लगाता है कि क्या व्यक्ति सच बोल रहा है या झूठ। सिया गोयल के पॉलीग्राफी टेस्ट से पुलिस को इस जटिल मामले में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है, जिससे केतन अग्रवाल की मौत का सच सामने आ सकता है।

एटा में दर्दनाक तिहरा सड़क हादसा, 5 की मौत, दर्जनभर घायल

- खड़ी बस से टकराए दो वाहन; सीएम योगी ने लिया संज्ञान, जांच शुरू

(एजेंसी)। एटा जिले में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि करीब दर्जनभर लोग घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा बागवाला थाना क्षेत्र के कीलर मऊ के पास हुआ, जब सड़क किनारे खराब खड़ी रोडवेज बस से एक कैंटर और उसके बाद एक सीएनजी टैंकर टकरा गए। जानकारी के अनुसार, एटा डिपो की एक बस खराब होने के कारण सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान, पीछे से तेज गति से आ रहे एक कैंटर ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के कुछ ही पल बाद, एक सीएनजी टैंकर भी इन वाहनों से जा भिड़ा, जिससे हादसा और भी भयावह हो गया। इस खौफनाक तिहरे हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक यात्री ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। करीब 12 घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया और जिला प्रशासन को तत्काल राहत-बचाव कार्य के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सीएनजी टैंकर होने के चलते दमकल विभाग ने स्थिति को सुरक्षित किया। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया और मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है और मृतकों की पहचान स्थापित की जा रही है। रास्ते को क्लियर कर दिया गया है।

मुरादाबाद रामकुंवर हत्याकांड: 3 दोषियों की उम्रकैद बरकरार, 15 दिन में करना होगा सरेंडर

मुरादाबाद (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुरादाबाद के बहुचर्चित रामकुंवर हत्याकांड में ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने तीनों दोषियों बलिस्टर, महेश और नरेश की अपीलें खारिज कर दी हैं। कोर्ट ने कहा कि मामले में प्रस्तुत साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और चिकित्सीय रिपोर्ट अभियोजन पक्ष के आरोपों की पुष्टि करते हैं। खंडपीठ ने तीनों दोषियों को 15 दिन के भीतर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है, अन्यथा उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए जाएंगे। यह सनसनीखेज वारदात 27 सितंबर 1987 की रात मुरादाबाद के थाना कुंदरकी क्षेत्र के गांव बसेरा में हुई थी। मंदिर से अखंड रामायण पाठ सुनकर लौट रहे राम कुंवर को अभियुक्तों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को घसीटते हुए जंगल ले गए तथा सिर धड़ से अलग कर दिया। पुलिस के अनुसार, हत्या की वजह महेश की बहन को भगाने को लेकर रामकुंवर के खिलाफ दर्ज कराया गया पुराना मुकदमा था। बचाव पक्ष ने एफआईआर में देरी और गवाहों के रिश्तेदार होने का हवाला देकर बरी किए जाने की मांग की, लेकिन हाई कोर्ट ने पाया कि प्राथमिकी घटना के साढ़े चार घंटे के भीतर दर्ज हुई थी। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि केवल रिश्तेदार होने के आधार पर गवाही खारिज नहीं की जा सकती। अदालत ने सभी अपीलों को खारिज कर दिया।

सोनमर्ग अटल टनल के पास सीआरपीएफ का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 6 जवान घायल

-घायल जवानों का अस्पताल में इलाज जारी, हादसे के कारणों की जांच शुरू

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सोनमर्ग अटल टनल के पास शुक्रवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सड़क से फिसलकर वाहन पलट जाने से उसमें सवार छह जवान घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए गुंड स्थित सीआरपीएफ शिविर और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल सभी जवानों की हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि हादसा उस समय हुआ जब सीआरपीएफ का वाहन सोनमर्ग (गगनगीर) सुरंग के निकट से गुजर रहा था। इसी दौरान वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क से फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, सुरक्षा बलों और राहत दल ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान चलाया तथा घायल जवानों को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजा। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे की वजह माना जा रहा है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर्वतीय और संवेदनशील मार्ग होने के कारण यहां मौसम और सड़क की परिस्थितियां अक्सर चुनौतीपूर्ण रहती हैं।

बेंगलुरु डे-केयर केस: वीडियो में मासूमों को टॉर्चर करने वाली महिला गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में मासूमों के साथ बर्बरता के चर्चित डे-केयर मामले में पुलिस ने पहली गिरफ्तारी की है। पुलिस ने विजयलक्ष्मी नामक महिला को गिरफ्तार किया है, जो वायरल वीडियो फुटेज में बच्चों को अमानवीय रूप से प्रताड़ित करती दिख रही थी। इस मामले में पुलिस ने तीन अन्य लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वे गुरुवार को पेश नहीं हुए।

यह गंभीर मामला ब्रुकफील्ड इलाके में स्थित प्रतिष्ठित आईटी कंपनी कैपजेमिनी के कैंपस के भीतर चल रहे डे-केयर सेंटर से जुड़ा है। यहां दो से तीन साल के बच्चों के साथ दुर्व्यवहार के वीडियो व्हाट्सएप पर वायरल होने के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन तक पहुंचे, जिसके बाद यह क्रूरता उजागर हुई। वीडियो में बच्चों को रोते हुए और उनके साथ मारपीट करते हुए साफ देखा जा सकता है।

शिकायत के अनुसार, रोते हुए बच्चों को चुप कराने के लिए कई अमानवीय तरीके अपनाए गए। आरोप है कि बच्चों को जबरन वॉशिंग मशीन के अंदर बिठाया गया, वेस्टर्न टॉयलेट में बैठाकर जेट स्प्रे से उनके मुंह में पानी डाला गया, और उन्हें बाथरूम में बंद कर चुप रहने की धमकी दी गई। यह सब देखकर बच्चों के माता-पिता गहरे सदमे में हैं।

इस मामले में डे-केयर की पांच महिला कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस शहर के अन्य डे-केयर सेंटरों की जांच कर रही है कि क्या वे निर्धारित नियमों का पालन कर रहे हैं। कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियांक खड़गे ने घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देकर बच्चों के साथ दुर्व्यवहार पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने की बात कही है।

इस घटना के सामने आने के बाद कैपजेमिनी ने अपने बेंगलुरु कैंपस का डे-केयर सेंटर अस्थायी रूप से बंद किया है और पुलिस जांच में पूरा सहयोग कर रही है। एक डिप्टी कमिश्नर रैंक की महिला अधिकारी मामले की जांच का नेतृत्व कर रही हैं। पुलिस ने साफ किया है कि इस जघन्य अपराध में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, और वीडियो तथा सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच जारी है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर संघ: राम भक्तों की भावनाएं आहत, दोषियों को मिले कड़ी सजा

यह पूरे हिन्दू समाज के लिए आस्था और भक्ति का केंद्र

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दान पात्रों से चढ़ावा चोरी होने के मामले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना से करोड़ों राम भक्तों की भावना और श्रद्धा को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से दोषियों को कठोरतम सजा दिलाने की अपील की है।

संघ ने कहा कि राम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष, समर्पण, त्याग और बलिदान का प्रतिफल है। यह पूरे हिन्दू समाज के लिए आस्था और भक्ति का केंद्र है। इसके बाद दानपात्रों से राशि की चोरी जैसी घटना अत्यंत निंदनीय और दुखद है, इस घटना ने आरएसएस सहित समूचे समाज की भावनाओं को चोट पहुंचाई है। संघ नेता होसबाले ने कहा कि जांच में जो भी दोषी मिले, उन्हें निश्चित रूप से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। संघ ने एक असाधारण मामला मानकर मांग की है कि मंदिर की व्यवस्था और प्रबंधन में जो भी कमियां हैं, उन्हें तुरंत दूर करे। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राम मंदिर के दान से जुड़ी ऐसी गंभीर घटना को हल्के में न लिया जाए। संघ का मानना है कि लोगों के बीच व्याप्त भ्रम और सवालों का खत्म होना जरुरी है, जिसके लिए मंदिर प्रबंधन और एसआईटी दोनों को मिलकर सभी जरूरी कदम उठाने चाहिए। संघ ने वित्तीय व्यवस्था में पारदर्शिता और उचित संचालन पर जोर दिया ताकि श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर हिंदू समाज का भरोसा बना रहे।

गौरतलब है कि बीते दिनों राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया था, जिसमें मंदिर के अंदरूनी व्यवस्था से जुड़े कई लोग शामिल मिले। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के ड्राइवर टिन्नू यादव सहित कुल आठ लोगों को मामले में गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों में मंदिर में दान की गणना करने वाले लोग भी शामिल हैं। संघ के बयान के बाद उम्मीद है कि मामले की जांच और भी तेजी से आगे बढ़ेगी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

आरोपी लवकुश के नाना की धमकी... हिम्मत हो, तब चलाएं बुलडोजर

-आरोपी की मां ने कहा, मेरे बेटे को फंसाया जा रहा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे है। इस मामले में आठ आरोपियों में से एक लवकुश मिश्रा के घर से हाल ही में पुलिस ने 14.25 लाख नकद बरामद किए हैं। बरामदगी के बाद लव कुश के नाना जगदंबा प्रसाद ने पुलिस और योगी सरकार को सीधा चुनौती देकर कहा, हिम्मत हो, तब चलाएं बुलडोजर।

आरोपी के नाना प्रसाद ने बरामद नकदी पर सवाल उठाकर कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और उन्होंने पुलिस से तलाशी का रिकॉर्ड मांगा है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि उनके घर में, जहां सूखे चारे और कंडों के ढेर में तलाशी ली गई, इतनी बड़ी रकम कैसे मिल सकती है। उन्होंने अपने नाती लव कुश को निर्दोष बताया, जो गाड़ी के शीशे का काम करता था। जगदंबा प्रसाद ने अपने घर की पूरी रजिस्ट्री होने का दावा कर कहा कि वे सरकार और मंदिर ट्रस्ट से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन सब बेकार रहा। इधर, लव कुश की मां ने भी अपने बेटे को निर्दोष बताकर आरोप लगाया कि सुपुत्र को फंसाया जा रहा है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, 14.25 लाख नकद लव कुश के घर में अलमारी और गोबर के ढेर के नीचे छिपाए गए थे। छापेमारी में अहम दस्तावेज और जमीन की रजिस्ट्री के कागजात भी बरामद हुए। जांच में सामने आया कि राम मंदिर ट्रस्ट में 12,000 से 15,000 की मासिक नौकरी करने वाले लव कुश ने अपनी पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम पर अयोध्या में एक कीमती जमीन खरीदी थी।

इसके बाद अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने सुप्रिया मिश्रा के नाम पर बन रही बिल्डिंग को लेकर नोटिस जारी किया है, जिसमें निर्माण में नियमों के उल्लंघन का आरोप है। एडीए ने एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है और जवाब न मिलने पर ध्वस्तीकरण सहित अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है।

यह पूरा मामला सीसीटीवी फुटेज की जांच और चढ़ावे की गिनती में अनियमितताएं सामने आने के बाद उजागर हुआ था। मंदिर ट्रस्ट की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सुरक्षाकर्मी सहित उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया है, और चोरी की गई नकदी व अन्य कीमती सामान बरामद करने का दावा किया है। इस घटना के बाद राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और चढ़ावे के ऑडिट सिस्टम को पहले से अधिक सख्त कर दिया गया है।

सलमान खान फायरिंग मामले में अनमोल बिश्नोई ने कोर्ट में किया सरेंडर का आवेदन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी की मांग

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल कथित गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई ने विशेष अदालत में एक आवेदन दाखिल कर इस मामले में स्वेच्छा से सरेंडर करने और न्यायिक प्रक्रिया में शामिल होने की इच्छा जताई है। फिलहाल अनमोल बिश्नोई एक अन्य मामले में तिहाड़ जेल में बंद है। अनमोल बिश्नोई के वकीलों की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि वह निष्पक्ष सुनवाई और न्याय के हित में इस मामले में स्वेच्छा से अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहता है तथा चल रही न्यायिक कार्यवाही का हिस्सा बनना चाहता है। चूंकि वह पहले से ही एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में है, इसलिए वह स्वयं अदालत में उपस्थित नहीं हो सकता।

पंजाब कांग्रेस में कलह: चन्नी और मनीष तिवारी में खटपट

विस चुनाव में टिकट को लेकर होने लगे दो-दो हाथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस आलाकमान भले ही पंजाब में जारी आंतरिक कलह को शांत करने और पार्टी के दिग्गज नेताओं के बीच फिलहाल के लिए समझौता कराने में कुछ सफलता पाई हो, लेकिन पार्टी के भीतर गुटबाजी की दरारें अभी भी बहुत गहरी हैं। सबसे बड़ा पेच अब इस बात पर फंसा है कि क्या अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में मौजूदा लोकसभा सांसदों को टिकट दिया जाना चाहिए या नहीं। यह एक ऐसा मुद्दा है जो पंजाब कांग्रेस में फिर से बड़ा सियासी तूफान खड़ा कर सकता है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत मुख्यमंत्री पद के कई बड़े दावेदार इस समय लोकसभा सांसद हैं।

सूत्रों के मुताबिक, चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष का पद संभालने के लिए बेहद उत्सुक थे। वे अमरिंदर सिंह राजा वारिंग को ही प्रदेश अध्यक्ष पद पर बनाए रखने की हरी झंडी देने के बाद आलाकमान से नाराज हैं। हालांकि, आलाकमान ने संतुलन बनाने के लिए वारिंग को अध्यक्ष और प्रताप सिंह बाजवा को विधायक दल का नेता बनाए रखा है, जबकि चन्नी और अन्य वरिष्ठ नेताओं जैसे लोकसभा सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, अमर सिंह और कांग्रेस के संयुक्त कोषाध्यक्ष विजय इंदर सिंगला को चुनाव से जुड़ी महत्वपूर्ण कमेटियों का प्रमुख बनाकर संतुष्ट करने का प्रयास किया है।

कांग्रेस आलाकमान का यह फैसला काफी गहन विचार-विमर्श के बाद आया है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन की अगुवाई वाले तीन सदस्यीय पैनल ने करीब 66 वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उनकी राय ली थी। ऐसा इसलिए करना पड़ा क्योंकि पार्टी के एक बड़े धड़े का मानना था कि वारिंग को बदला जाना चाहिए, वहीं वारिंग के समर्थन में भी कई नेता थे। इस सबके बीच, जाट सिख समुदाय के कम से कम 30 नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर समय मांगा था ताकि वे एक दलित सिख नेता के रूप में चन्नी को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की पैरवी कर सकें। जैसे ही चन्नी खेमे ने दबाव बनाना शुरू किया, दूसरे गुट भी सक्रिय हो गए। नवंबर 2025 में नियुक्त किए गए अधिकांश जिला अध्यक्षों ने राजा वारिंग का समर्थन किया। दूसरी तरफ, दो बड़े जाट सिख नेताओं प्रताप सिंह बाजवा और सुखजिंदर सिंह रंधावा ने हाथ मिला लिया ताकि चन्नी को इस पद से दूर रखा जा सके। चन्नी विरोधी खेमे ने तो यहां तक प्रस्ताव दे दिया था कि अगर चन्नी को अध्यक्ष बनाया जाता है तो उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। एक तर्क यह भी दिया गया कि चुनाव से कुछ महीने पहले वारिंग को हटाना गलत संदेश देगा।

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने ईरान प्रतिनिधिमंडल पर राजनीति से बचने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरानी दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में भारत से प्रतिनिधिमंडल भेजने को लेकर हो रही राजनीतिक बयानबाजी पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने एक सामान्य बात बताकर बेवजह राजनीति न करने की सलाह दी है। कांग्रेस नेता थरूर ने स्वीकार किया कि इतने वरिष्ठ आध्यात्मिक नेता के निधन पर और ऊंचे स्तर पर शोक जताया जा सकता था और किया जाना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने तुरंत जोड़ा कि ऐसी स्थिति में हमेशा उन दिवंगत नेताओं के प्रति सम्मान दिखाना महत्वपूर्ण है जो इतने महत्वपूर्ण पद पर थे। उन्होंने इसकी पुष्टि की कि भारत से एक प्रतिनिधिमंडल ईरान गया है, जिसमें उनके सहयोगी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद भी शामिल हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने इस तरह के आयोजनों को वैश्विक कूटनीति का एक सामान्य हिस्सा बताया। उन्होंने मदर टेरेसा के अंतिम संस्कार और राजीव गांधी की हत्या के बाद भारत आए विश्व भर के नेताओं का उदाहरण देकर कहा, यह सामान्य बात है। दुनिया भर के देशों का शोक व्यक्त करने और दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए जाना एक बहुत ही सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि हमें इसे लेकर कोई बड़ा राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। थरूर की टिप्पणी उन लोगों के लिए एक सीधा संदेश थी जो ईरान के शीर्ष धार्मिक नेता के निधन पर भारत के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के भेजने पर सवाल उठा रहे थे। उनका मानना है कि इसतरह के अवसर राष्ट्रीय सम्मान और राजनयिक परंपरा का हिस्सा होते हैं, जिन पर अनावश्यक विवाद खड़ा करना उचित नहीं है।

मानसून सत्र में आ सकता है भ्रष्टाचार-रोधी संविधान संशोधन विधेयक

-जेपीसी 17 जुलाई को दे सकती है रिपोर्ट, विपक्ष ने प्रस्तावित प्रावधानों पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार आगामी मानसून सत्र में भ्रष्टाचार-रोधी प्रावधानों से जुड़े प्रस्तावित संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 को आगे बढ़ा सकती है। इस विधेयक की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट 17 जुलाई को मंजूर होने की संभावना है। इसके बाद सरकार समिति की सिफारिशों पर विचार कर विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रख सकती है और फिर संसद में पेश किया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह विधेयक पिछले वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश किया गया था। प्रस्तावित प्रावधानों के तहत यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी मंत्री को ऐसे मामले में गिरफ्तार किया जाता है, जिसमें पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान हो, और वह लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसके पद पर बने रहने से जुड़े प्रावधान लागू हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जेपीसी विधेयक के मूल उद्देश्य को बरकरार रखते हुए उसके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की सिफारिश कर सकती है। समिति यह भी स्पष्ट करने की सिफारिश कर सकती है कि ये प्रावधान केवल गंभीर आपराधिक मामलों पर ही लागू हों, ताकि किसी निर्दोष जनप्रतिनिधि को अनावश्यक नुकसान न उठाना पड़े।

रिपोर्ट के अनुसार संसदीय समिति की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी का कहना है, कि विधेयक का उद्देश्य राजनीति का अपराधीकरण रोकना और संवैधानिक नैतिकता को मजबूत करना है। उनके अनुसार, समिति के समक्ष आए अधिकांश सुझाव सकारात्मक रहे हैं। हालांकि, विपक्ष ने इस प्रस्तावित संशोधन का विरोध किया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि केवल न्यायिक हिरासत के आधार पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को पद से हटाने का प्रावधान प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत और संघीय ढांचे के विपरीत हो सकता है। उनका कहना है कि दोषसिद्धि से पहले ऐसी कार्रवाई का राजनीतिक दुरुपयोग किया जा सकता है। जेपीसी में गैर-एनडीए दलों के कुछ सदस्यों ने भी अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और अन्य विपक्षी नेताओं का तर्क है कि नए आपराधिक कानूनों के तहत लंबी न्यायिक हिरासत की संभावना को देखते हुए इस प्रकार का प्रावधान निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने का माध्यम बन सकता है। बहरहाल यदि जेपीसी 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट सौंप देती है, तो प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक संसद के संभावित 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र के प्रमुख विधायी एजेंडों में शामिल हो सकता है।

सम्मान व भावनाओं के बीच विदा हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ. दुगार्नंद झा, शिक्षा जगत ने दी यादगार विदाई

सेवानिवृत्त शिक्षिकाओं रेखा सिंह और वीना पांडे को भी सम्मानित किया गया, समारोह से पर्यावरण संरक्षण का भी दिया गया संदेश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ. दुगार्नंद झा को शुक्रवार को साहेबगंज के उत्क्रमित राजकीय नगर पालिका कन्या उच्च विद्यालय में भावपूर्ण माहौल में विदाई दी गई। समारोह केवल एक प्रशासनिक अधिकारी की विदाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान और मानवीय व्यक्तित्व को याद करने का अवसर भी बना। इसी मंच पर विद्यालय की सेवानिवृत्त शिक्षिकाओं रेखा सिंह और वीना पांडे को भी उनके लंबे और उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान के लिए सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। वहीं कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गीत, दीप प्रज्वलन और अतिथियों के सम्मान के साथ हुई। वहीं उपस्थित शिक्षकों और अधिकारियों ने डॉ. झा के कार्यकाल को शिक्षा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जिले में कई नवाचार और छात्रहित से जुड़े प्रभावी प्रयास सफलतापूर्वक लागू किए गए।

अपने संबोधन में डॉ. दुगार्नंद झा ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की असली पहचान उसके पद से नहीं, बल्कि उसके विचार, व्यवहार और मानवीय मूल्यों से होती है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच और अच्छा आचरण ही व्यक्ति को समाज में स्थायी सम्मान दिलाते हैं। वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने शिक्षा के साथ-साथ समय के महत्व और महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिवार और समाज के निर्माण में महिलाओं का योगदान सबसे महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने सफलता के लिए समय के सदुपयोग को आवश्यक बताया। वहीं एपीओ संजय कुमार तिवारी ने कहा कि डॉ. झा ने अपने प्रशासनिक कौशल, ज्ञान और बच्चों की शिक्षा के प्रति समर्पण से शिक्षकों के बीच एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि एक कुशल प्रशासक और मार्गदर्शक के रूप में उनका योगदान लंबे समय तक याद रखा जाएगा। वहीं समारोह के दौरान विश्व प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से एकल-उपयोग प्लास्टिक और प्लास्टिक बैग का उपयोग छोड़ने तथा कपड़े और जूट के थैले अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने ₹पेड़ लगाएँ, जल बचाएँ और प्लास्टिक हटाएँ₹ का संदेश देते हुए सभी से पर्यावरण संरक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। वहीं अंत में उपस्थित शिक्षकों, कर्मचारियों और अतिथियों ने डॉ. दुगार्नंद झा, रेखा सिंह एवं वीना पांडे के स्वस्थ, सुखद और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाओं के साथ विदाई दी। समारोह में प्रधानाध्यापक फारुक हुसैन, यूसुफ, एपीओ संजय कुमार तिवारी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक- शिक्षिकाएँ व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसआईआर को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने किया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड कार्यालय के कक्ष में शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रवि कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से एसआईआर कार्य में तेजी लाने पर जोर दिया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। वीसी के दौरान राज्य निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रखंड में चल रहे एसआईआर कार्य की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की और लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने का निर्देश दिया। इस दौरान कार्य को निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा करने,फील्ड स्तर पर सर्वेक्षण टीमों की निगरानी को अधिक मजबूती करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को पारदर्शी,समयबद्ध और प्रभावी बनाने के लिए सभी स्तर पर पूर्ण समर्पण के साथ कार्य किया जाएं। साथ ही सभी दस्तावेजी सत्यापन को पूर्ण रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया एवं किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की बात कही। मौके पर बीडीओ जयंत कुमार तिवारी, पर्यवेक्षक संतोष सुमन,शिवराम मुर्मू,प्रेमचंद रजक,मोनिका मुर्मू,नकुल कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान तेज, बरहरवा में घर-घर शुरू हुई इन्यूमरेशन प्रक्रिया

बरहरवा(बिभा) । निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत बरहरवा नगर पंचायत में मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। शुक्रवार को नगर पंचायत के वार्ड संख्या-1 में विशेष शिविर लगाकर पात्र मतदाताओं का इन्यूमरेशन फॉर्म भरवाया गया तथा मतदाता सूची में सही जानकारी दर्ज कराने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान प्रशिक्षित बीएलओ ने मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेजों, पात्रता और फॉर्म भरने की प्रक्रिया की जानकारी दी। साथ ही बताया गया कि सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने से मतदाता सूची का शुद्धिकरण संभव होगा और किसी भी पात्र नागरिक का नाम सूची से छूटेगा नहीं। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला सोशल मीडिया चेयरमैन नेहाल अख्तर, वार्ड संख्या-1 के वार्ड पार्षद के पति बमबम महतो तथा बीएलए-2 प्रीतम कुमार दास ने भी लोगों से समय पर इन्यूमरेशन फॉर्म भरने और मतदाता सूची में अपनी जानकारी सत्यापित कराने की अपील की। जानकारी के अनुसार यह अभियान अब नगर पंचायत के सभी वार्डों और प्रखंड की पंचायतों तक विस्तारित किया जा रहा है। निर्वाचन आयोग का उद्देश्य मतदाता सूची को पारदर्शी, सटीक और अद्यतन बनाना है, ताकि केवल पात्र भारतीय नागरिक ही मतदाता सूची में शामिल हों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनी रहे।

वार्ड-3 में पहली बार बनेगी पीसीसी सड़क व आरसीसी नाला, शिलान्यास से स्थानीय लोगों में खुशी

बरहरवा(बिभा) । नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या-3 में वर्षों पुरानी बुनियादी सुविधा की मांग अब पूरी होने जा रही है। शुक्रवार को ओम प्रकाश गुप्ता के घर से मीना गुप्ता के घर तक जाने वाली गली में लगभग 9.99 लाख रुपये की लागत से बनने वाली पीसीसी सड़क एवं आरसीसी नाला निर्माण योजना का शिलान्यास नगर अध्यक्ष अर्पिता दास और उपाध्यक्ष राजकुमार भगत ने संयुक्त रूप से किया। यह सड़क पहली बार बनाई जा रही है, जिससे बरसात के दिनों में कीचड़, जलजमाव और आवागमन की समस्या से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से सड़क और नाले के अभाव में स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। वहीं वार्ड पार्षद अमित कुमार भारती ने बताया कि संकरी गली और कच्चे रास्ते के कारण रोजमर्रा की आवाजाही प्रभावित होती थी। अब सड़क और नाला निर्माण शुरू होने से क्षेत्रवासियों में उत्साह है और लोगों को बेहतर आवागमन के साथ जलनिकासी की सुविधा भी मिलेगी। वहीं शिलान्यास कार्यक्रम में पूर्व नगर अध्यक्ष श्यामल दास, दिलीप डोकानिया, रिंकू डोकानिया, कमलजीत शर्मा, अजय गुप्ता, मुजम्मिल शेख, रवि रक्षित, संतोष झा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

डायन-बिसाही के आरोप में 75 वर्षीय महिला की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

खूँटी(बिभा)। सायको थाना क्षेत्र के किताहातु गांव में 75 वर्षीय वृद्ध महिला की हत्या के मामले का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून से सने बांस के डंडे, पत्थर एवं अन्य साक्ष्य भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि सायको थाना क्षेत्र के किताहातु गांव निवासी स्वर्गीय चेता मुंडा उर्फ लाटुरु मुंडा की पत्नी एतवारी देवी (75 वर्ष) की बांस एवं भारी वस्तु से सिर पर प्रहार कर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में मृतका की बहू धिरसा मुंडू के आवेदन पर सायको थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, खूँटी के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन कर मामले की त्वरित जांच शुरू की गई। वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए गांव के ही 20 वर्षीय दिनाय मुंडा तथा 19 वर्षीय मंगल मुंडा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून से सने दो बांस के डंडे, एक खून लगा पत्थर तथा घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए गए। एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि वृद्ध महिला की हत्या डायन-बिसाही के आरोप में की गई थी। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी गहनता से जांच कर रही है। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मंगल सिंह जामुदा, थाना प्रभारी प्रभात रंजन पाण्डेय, पुलिस अवर निरीक्षक मुकेश कुमार यादव, सहायक अवर निरीक्षक रोशन बाड़ा उरांव, हवलदार प्रदीप सांगा, हवलदार पवन कुमार तथा आरक्षी सोबरन लोहरा शामिल थे।

मासिक निरीक्षण में ईवीएम वेयरहाउस की व्यवस्थाओं की हुई समीक्षा

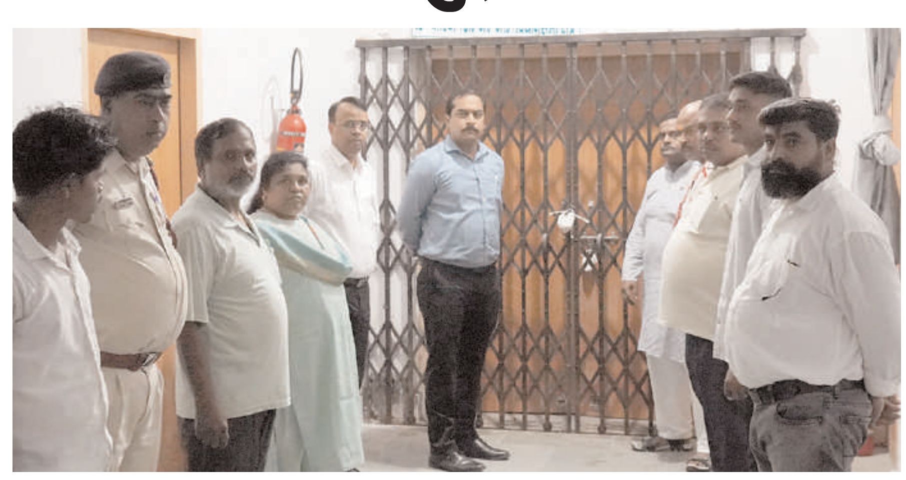

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने समाहरणालय परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस में सुरक्षित रखी गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव तथा प्रबंधन का गहन जायजा लिया। साथ ही उपायुक्त ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा और रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। वहीं निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था तथा अन्य सुरक्षा मानकों का भी अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को नियमित रूप से प्रशिक्षण प्रदान करने तथा सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

साथ ही उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया के लिए ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षित अभिरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए निर्धारित सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाना आवश्यक है। मौके पर अपर समाहर्ता विजय कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ग्राम प्रधानों की मासिक बैठक में मतदाता पुनरीक्षण अभियान पर हुई चर्चा

बिभा संवाददाता

तालझारी। तालझारी प्रखंड सभागार में शुक्रवार को ग्राम प्रधानों की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष सरोज भूषण हेम्ब्रम ने की। बैठक में मुख्य रूप से झारखंड में चल रहे विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सभी ग्राम प्रधानों को निर्देश दिया गया कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रहे। इसके लिए लोगों को गणना प्रपत्र भरवाकर समय पर जमा कराने के लिए जागरूक करने को कहा गया। वहीं बैठक के दौरान अंचल क्षेत्र के कई ग्राम प्रधानों के निधन के बाद रिक्त पड़े पदों पर भी चर्चा हुई। इन रिक्त पदों की सूची तैयार कर अंचलाधिकारी को सौंपने का निर्णय लिया गया। वहीं अयोध्या गांव की ग्राम प्रधान मेरी मरांडी ने बैठक में बताया कि अयोध्या निवासी मोहम्मद अल्ताब अंसारी खुटापहाड़ गांव की रोशनी मालतो से विवाह कर लाया है तथा वह रोशनी मालतो के नाम से निवासी प्रमाण पत्र के लिए अनुशंसा करने का दबाव बना रहा है। इस पर बैठक में सभी ग्राम प्रधानों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि बिना नियमानुसार प्रक्रिया पूरी किए किसी भी प्रकार की अनुशंसा नहीं की जाए। मौके पर सफानियल बेसरा, अब्राहम हेम्ब्रम, मेरी मरांडी, अल्फोंस हांसदा, निकोलस मुर्मू सहित दर्जनों ग्राम प्रधान उपस्थित थे।

दो दिवसीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप संपन्न, 100 से अधिक आवेदन, सड़क सुरक्षा का दिया गया संदेश

बिभा संवाददाता

तालझारी । तालझारी प्रखंड परिसर में आयोजित दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप और सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के वाहन चालकों को उनके घर के नजदीक ही लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना था। वहीं मोटरयान निरीक्षक कुमार उत्कर्ष एवं अभिषेक मुंडा ने कहा कि दो दिनों तक चले इस विशेष कैंप में स्थानीय युवाओं और वाहन चालकों में भारी उत्साह देखा गया। कैंप के दौरान नियमों के सरलीकरण और त्वरित प्रक्रिया के कारण कुल 100 से अधिक चालकों ने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अपने आवेदन जमा किए। कहा लाइसेंस कैंप के साथ-साथ परिसर में प्रखंड अंचलाधिकारी राम सुमन प्रसाद के द्वारा वृहद सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान भी चलाया गया। इस दौरान उपस्थित सड़क सुरक्षा योद्धा प्रजापति प्रकाश बाबा और सड़क सुरक्षा योद्धा ने लोगों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, ओवरस्पीडिंग न करने और नशे में वाहन न चलाने की शपथ दिलाई। वहीं इस दो दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों की संख्या में स्थानीय वाहन चालक उपस्थित थे, जिन्हें यातायात नियमों की मार्गदर्शिका और पंपलेट भी बांटे गए। अंचलाधिकारी ने परिवहन विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कैंपों से न केवल बिना लाइसेंस गाड़ी चलाने वालों पर रोक लगेगी, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

बीएसके कॉलेज में विषय हटाए जाने पर छात्रों का विरोध, एनएसयूआई ने आंदोलन की चेतावनी

बिभा संवाददाता

बरहरवा । बरहरवा बीएसके महाविद्यालय में स्नातक (यूजी) सत्र 2026-30 के नामांकन पोर्टल से कई प्रमुख विषय हटाए जाने के विरोध में छात्रों का आक्रोश सामने आया। वहीं एनएसयूआई कॉलेज अध्यक्ष सोयेब अख्तर के नेतृत्व में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य के माध्यम से सिद्धू-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू को ज्ञापन सौंपकर उर्दू, संस्कृत, मनोविज्ञान, श्रम एवं समाज कल्याण (एलएसडब्ल्यू) तथा दर्शनशास्त्र जैसे विषयों को पोर्टल पर पुनः बहाल करने की मांग की गई। वहीं ज्ञापन में कहा गया कि इन विषयों में हर वर्ष बड़ी संख्या में छात्र नामांकन लेते रहे हैं, लेकिन इस बार बिना किसी पूर्व सूचना या कारण के इन्हें आवेदन पोर्टल से हटा दिया गया है। इससे विशेषकर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सैकड़ों छात्र-छात्राओं के सामने उच्च शिक्षा का संकट खड़ा हो गया है। हाथ ही एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर सभी हटाए गए विषयों को दोबारा पोर्टल पर उपलब्ध कराने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो छात्रों के हित में व्यापक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। वहीं कॉलेज अध्यक्ष सोयेब अख्तर ने आरोप लगाया कि यह निर्णय न केवल छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है, बल्कि स्थानीय भाषाओं और पारंपरिक विषयों की उपेक्षा भी है। उन्होंने कहा कि एक ओर क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण की बातें की जाती हैं, वहीं दूसरी ओर व्यवहारिक स्तर पर इन्हें शिक्षा व्यवस्था से बाहर करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने सरकार से भी इस मामले में हस्तक्षेप कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान नगर अध्यक्ष सत्यम यादव, कॉलेज सचिव वसीम अकरम, फारिकुल इस्लाम, शिवम कुमार, मुबारक शेख, सांझला मुर्मू, आदिल अहमद, अंकित शाह सहित अन्य छात्र मौजूद रहे।

खूँटी के 22 पड़हा 54 मौजा का एदेल संगा पड़हा राजा बने मनीष मारकुस संगा

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के एदेल संगा समाज के 22 पड़हा 56 मौजा का पड़हा राजा चयन समारोह जियारप्पा बाजार परिसर में आयोजित किया गया । जिसमें 56 मौजा के लोगों ने पूर्व पड़हा राजा स्व सोमा मुण्डा के पुत्र मारकुस संगा को रुढ़िवादी जनजातीय परम्परा के अनुसार चयन किया गया। जो 56 मौजा के एदेल संगा पड़हा व्यवस्था का राजा के रुप में कार्य करेंगे। जिस सभा में झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा भी जनजातीय रुढ़िवादी समुदाय के होने के नाते कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान तीन लोगों का नाम पड़हा राजा के लिए प्रस्ताव आया था। जिसमें अधिकांश लोगों ने सोमा मुण्डा के पुत्र मारकुस संगा को चयन किया । वहीं उसे अन्य पड़हा राजाओं ने पगड़ी पहनाकर उसे 22 पड़हा के लिए पगड़ी पहनाया । इस मौके पर , अर्जुन मुंडा ने मारकुस को शुभकामनाएं दी। वहीं सभी संगा पड़हा के लोगों को रुढ़िवादी परम्परा को आगे बढ़ाने का आवाहन किया।

एदेल संगा पड़हा के कार्यकर्ता राम मुण्डा की अध्यक्षता में कार्यक्रम के मंच का संचालन मांगु होरो ने किया।

इस अवसर पर तीन लोगों के नाम का प्रस्ताव सामने आया था जिसमें मारकुस संगा को शहीद सोमा मुण्डा के कार्य व त्याग समर्पण का भाव को देखते हुए लोगों ने मारकुस को इस पद के लिए चयन किया । वहीं लोगों ने बताया कि पड़हा व्यवस्था रुढ़िवादी जनजातीय परम्परा के तहत होता है। जो रुढ़िवादी व्यवस्था को त्याग दिया है उसे पड़हा व्यवस्था का अंग नहीं माना जाता है। क्योंकि इसमें धार्मिक परम्परा के साथ समाज के लिए सामाजिक व्यवस्था है। वहीं लोगों ने बताया कि तत्कालीन संगा पड़हा राजा मार्शल संगा को अपने एक ही गोत्र से शादी करने के कारण जाति बोरा (मागो) माना गया था। इसके कारण ही , सोमा मुण्डा को पड़हा राजा बनाया गया था। जिसके बाद से बिरहू मौजा को पड़हा राजा चयन प्रक्रिया में सदा के लिए बायकॉट कर दिया गया है। वहीं बिरहू मौजा को छोड़ अन्य सभी लोगों को 56 मौजा के कहीं से भी उम्मीदवार बनाया जा सकता है। जो रुढ़िवादी जनजातीय परम्परा व्यवस्था के अनुरूप होना चाहिए।

इस कार्यक्रम में अर्जुन मुण्डा, रानी टुटी, जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया, सीरी परगना का पड़हा राजा किष्टो सिंह मुण्डा, भीमसिंह मुण्डा, नौरी पूर्ति, राम मुण्डा, महादेव मुण्डा, दुर्गावती ओड़ेया, अरुण संगा, सुखू संगा, गोपाल उरांव, हरुण संगा, पूर्णचंद्र सिंह मुण्डा सहित एदेल संगा पड़हा 56 मौजा के हातु मुण्डा, पाहन, पानीभरा, भण्डारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पूर्व से ही रुढ़िवादी एदेल संगा पड़हा के अनुसार विभिन्न गाँवों को जिम्मा दिया गया है।

राजागढ़ झ डुंगरा, देवगांव झ कालामाटी, पंडे झ करमडीह, लाल कोट झ हरदाग, सिपाही झ सेलदा, दारोगा झ डांडेल, हाजीराव झ डुंगरा, ठाकुर झ दुन्दु, धोबी झ चिटिर, करठा झ डाहु।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर दिया जोर कहा-अंतिम लाभार्थी तक पहुंच करें सुनिश्चित

बिभा संवाददाता

तालझारी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी में शुक्रवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रंजन कुमार की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ), एएनएम, सहिया साथी, बीटीटी, स्वास्थ्यकर्मी एवं विभागीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। वहीं बैठक के दौरान स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए डॉ. रंजन कुमार ने सभी सहिया साथियों एवं बीटीटी को निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप समयबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) के तहत प्रत्येक लाभार्थी की चार अनिवार्य जांच हर हाल में सुनिश्चित की जाए, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य बेहतर हो सके।

इसके अलावा पूर्ण टीकाकरण और नियमित टीकाकरण अभियान की भी समीक्षा की गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि कोई भी पात्र बच्चा या लाभार्थी टीकाकरण से वंचित नहीं रहे तथा अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए। साथ ही बैठक में स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन, रिकॉर्ड संधारण एवं फील्ड स्तर पर निगरानी को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विजय राम, प्रखंड लेखापाल देवनारायण रविदास, सीएचओ एस्टर हेंब्रम, राज मित्तल, एएनएम संगीता कुमारी, अमृता पटेल, सहिया साथी कंचन देवी, सजनी मुर्मू, सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टी20 आज

–सैमसन पर प्रदर्शन का रहेगा दबाव, वैभव कर रहे डेब्यू की उम्मीद

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच शनिवार को यहां दूसरा टी20 क्रिकेट मैच खेला जाएगा। बारिश के कारण पहला टी20 मैच रद्द होने के कारण इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी। पहले टी20 में भी अभिषेक ने आक्रामक पारी खेली थी पर बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो पाया था।

वहीं पहले मैच में रन बनाने में विफल रहे बल्लेबाज संजू सैमसन पर मैच में अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव रहेगा क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ उनके असफल रहने के बाद से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उतारने की मांग तेज होती जा रही है। ऐसे में सैमसन को बेहतरीन पारी खेलकर अपनी जगह पक्की करनी होगी। अगर वह इस मैच में भी रन नहीं बना पाते तो उनके लिए अपनी जगह बनाये रखना कठिन होगा। बारिश से धुले पहले मैच में भी वह केवल 7 गेंदों का सामना करते हुए केवल एक रन बना पाये थे। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामक रुख नहीं दिखा था। तेज पिच पर उनकी तकनीक की कमी नजर आयी। इससे वह आयरलैंड के खिलाफ भी दोनो मैच में रन नहीं बना पाये थे। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद से ही सैमसन पर लोगों का भरोसा बना था पर वह इस दौरे में अब तक अपनी लय नहीं दिखा पाये हैं। वहीं इसी दौरान वैभव का तेजी से उदय हुआ और जिस प्रकार से उन्होंने आक्रामक पारियां खेली हैं उससे उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह देने का दबाव बढ़ गया है। अब देखना होगा कि उन्हें इस मैच में अवसर मिलता है या नहीं।

अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बनाकर अपने स्थान को और मजबूत किया है, जिससे सैमसन पर दबाव और बढ़ गया है। मध्यक्रम में तिलक वर्मा को भी तेज गति से रन बनाने होंगे, क्योंकि

स्पिनरों के आने के बाद उनकी रन गति धीमी पड़ जाती है। इस साल 12 टी20 मैचों में वह केवल 12 छक्के लगा पाये हैं जो एक फिनिशर के लिए अच्छा आंकड़ा नहीं माना जा सकता।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा पर आधारित रहेगी। भारतीय बल्लेबाजों को मेजबान गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और आदिल राशिद से सावधान रहना होगा।

ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए सहायक साबित हो सकती है, ऐसे में गेंदबाजी में किसी बड़े बदलाव की संभावनाएं कम है। भारतीय टीम के गेंदबाजों को मेजबान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक, फिल सॉल्ट और टॉम बैंटन से सावधान रहते हुए इन्हें बड़ी पारी खेलने से रोकना होगा। हैरी आजकल काफी अच्छे फार्म में हैं और मैच का रुख पलटने में माहिर है। ऐसे में उन्हें जल्द आउट करना होगा।

टीम इस प्रकार है

भारत – श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड – हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम में आर्चर की वापसी

–कोल्स और टंग पहली बार शामिल किये गये

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारतीय टीम के खिलाफ इस महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में दो नए युवा खिलाड़ियों ऑलराउंडर जेम्स कोल्स और तेज गेंदबाज जोश टंग को पहली बार शामिल किया गया है। ये दोनो ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। इंग्लैंड ने अपनी टीम को मजबूत करने के लिए युवा प्रतिभाओं पर भरोसा दिखाया है। कोल्स अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन से टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं, वहीं टंग अपनी गति और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने की क्षमता रखते हैं। इनके अलावा, तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और साकिब महमूद को भी टीम में शामिल किया गया है।

तीन मैचों की यह एकदिवसीय श्रृंखला क्रमशः 14, 16 और 19 जुलाई को खेली जाएगी। पहला मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान में, दूसरा मुकाबला कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में और निर्णायक तीसरा मैच क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

इस टीम में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी हुई है। मार्च 2021 के बाद पहली बार एकदिवीसय क्रिकेट में वापसी कर रहे आर्चर इंग्लैंड के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकते हैं। अपनी रफ्तार, बाउंस और यॉर्कर से दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आर्चर की वापसी इंग्लैंड के लिए बेहद अहम है।

16 सदस्यीय टीम इस प्रकार है

हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, जो रूट, बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), विल जैक्स, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, लियाम डॉसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद और जोश टंग।

क्रोशिया ग्रैंड चैस टूर रैपिड : गुकेश नें अनीश को दी मात , दूसरे स्थान पर पहुँचे

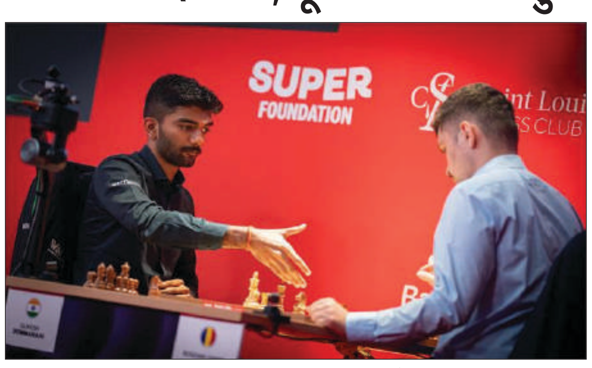

जाग्रेब , क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश नें ग्रैंड चैस टूर के दूसरे रैपिड पड़ाव क्रोशिया में दूसरे दिन अच्छा खेल दिखाते हुए खुद को सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँचा दिया है , पहले दिन गुकेश को फ्रांस के मैक्सिम लाग्रेव से हार का सामना करना पड़ा था वहीं उन्होंने मेजबान देश के इवान सारिक को मात दी थी और दिन का अंत उन्होंने हमवतन प्रज्ञानन्दा से ड्रा खेलते हुए किया था वहीं दूसरे दिन के पहले राउंड में उन्हें रोमानिया के बोगदान डेनियल से हार का सामना करना पड़ा लेकिन उसके बाद गुकेश नें लगातार दो बाज़ियों में क्रमशः नीदरलैंड के यान फारेस्ट जॉर्डन और अनीश गिरी को पराजित करते हुए 4 अंक हासिल किए और 7 अंकों के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँच गए है अब अंतिम दिन उन्हें उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तोरोव , जर्मनी के विंसेंट केमर और फ्रांस के अलीरेजा फ़िरोज़ा का सामना करना है , वहीं प्रज्ञानंदा के लिए पहले दिन की अच्छी शुरुआत को दूसरे दिन वह क़ायम नहीं रख पाये और उन्हें अब्दुसत्तोरोव और अलीरेजा से हार का सामना करना पड़ा हालांकि उन्होंने जॉर्डन को मात देते हुए एकमात्र जीत दर्ज की , फ़िलहाल फ्रांस के अलीरेजा 10 अंकों के साथ सबसे आगे चल रहे है गुकेश 7 और प्रज्ञानंदा 6 अंकों पर है .

फीफा विश्वकप : स्विट्ज़रलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया

88 साल बाद नॉकआउट मुकाबला जीता

वैंकूवर (एजेंसी)। ब्रिल एम्बोलो और डैन एनदोये के शानदार गोलों की सहायता से स्विट्ज़रलैंड ने नॉक आउट मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में प्रवेश किया है। अब स्विट्ज़रलैंड की टीम का मुकाबला मंगलवार को कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा

इस मैच की शुरुआत में अल्जीरिया ने लगाकर हमले कर दबाव बनाने का प्रयास किस पर इसके बाद स्विट्ज़रलैंड ने वापसी करते हुए मैच में अपना नियंत्रण बना लिय।। मैच में योहान मंजाम्बी के एक क्रास पर ब्रिल एम्बोलो ने गोल दागकर स्विस टीम को 1--0 की बढ़त दिला दी। इसी के साथ ही एम्बोलो ने अपना 26वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इसके बाद अल्जीरिया ने काफी प्रयास किस पर वह गोल करने में असफल रही।

वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही डैन एनदोये के गोल से स्विट्ज़रलैंड ने अपनी बढ़त 2-0 कर दी। अल्जीरिया के गोलकीपर लुका जिदान ने डैन शॉट को रोकने का पूरा प्रयास किया पर वह सफल नहीं रहे। स्विट्ज़रलैंड की ओर से फैबियन रीडर ने इसके बाद एक अच्छा मूव बनाया पर वह गेंद को गोल में नहीं दाग पाये। स्विट्ज़रलैंड के लिए यह जीत ऐतिहासिक महत्व रखती है, क्योंकि उन्होंने 1938 में फ्रांस में खेले गए विश्व कप के बाद से नॉकआउट राउंड का कोई मैच नहीं जीता था। हालांकि, 1954 में उसकी टीम ने प्लेऑफ मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले तीन विश्व कप में भी स्विट्ज़रलैंड अंतिम 16 में पहुंचा था, लेकिन वह जीत दर्ज करने में विफल रहा था।

दूसरी ओर अल्जीरिया 2014 के बाद पहली बार विश्व कप में भाग ले रहा था। 2014 में भी वह नॉकआउट राउंड तक पहुंचा था, लेकिन तब जर्मनी से हार गया था। अल्जीरिया ने कैनसस सिटी में शनिवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलकर अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहते हुए अगले दौर में जगह बनाई थी। इस परिणाम से दोनों टीमें नॉकआउट राउंड में पहुंच गईं थीं जबकि ईरान टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

'सूर्यवंशी को थोड़ा सब्र करना सिखाना होगा', डेब्यू का इंतजार कर रहे युवा खिलाड़ी पर बोले पूर्व विकेटकीपर

स्पोर्ट्स डेस्क । वैभव सूर्यवंशी का इंडिया के लिए डेब्यू का इंतजार जारी है, जबकि उन्हें टीम में शामिल करने की मांग तेज होती जा रही है। 15 साल के इस शानदार बल्लेबाज को आयरलैंड के खिलाफ टी20आई सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला और इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच की प्लेइंग इलेवन में भी उन्हें जगह नहीं मिली। लगातार बाहर रहने के बावजूद उन्हें लेकर उत्साह कम नहीं हुआ है। IPL में शानदार प्रदर्शन के बाद सूर्यवंशी को पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों का भरपूर समर्थन मिला है। कई लोगों का मानना है कि उन्हें जल्द ही मौका मिलना चाहिए। लेकिन भारत के पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल का मानना है कि सूर्यवंशी को थोड़ा सब्र करना सिखाना होगा। पटेल ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे लगता है कि इस सीरीज में किसी न किसी समय वैभव सूर्यवंशी को जरूर मौका मिलेगा। लेकिन इस समय बातचीत बहुत जरूरी है। आप जानते हैं कि जब आप कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होते हैं, तो आपको यह पक्का करना होता है कि आप बल्लेबाज को सही संकेत दे रहे हैं।' भारत के पूर्व विकेटकीपर ने आगे कहा कि सूर्यवंशी को उनकी भूमिका के बारे में जानकारी देने से उन्हें डेब्यू का इंतजार करते समय सब्र बनाए रखने में मदद मिलेगी।

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 कप्तानों में भारत के शुभमन और गावस्कर भी शामिल

मुम्बई । क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में कप्तानी और बल्लेबाजी का संतुलन बनाए रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन कुछ ऐसे दिग्गज कप्तान हुए हैं, जिन्होंने अपनी टीम की अगुवाई करते हुए बल्ले से भी रनों का अंबार लगाया और एक ही सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है, इसमें दो भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और शुभमन गिल भी शामिल हैं। इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सर डॉन ब्रैडमैन का नाम आता है, जिनके नाम एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। सर डॉन ब्रैडमैन ने साल 1936–37 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की घरेलू सीरीज में यह महान रिकॉर्ड बनाया था। यह सीरीज उनके लिए कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की अग्निपरीक्षा थी। ब्रैडमैन ने विरोधी गेंदबाजों को धवस्त करते हुए 9 पारियों में अविश्वसनीय 90.00 की औसत से 810 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। भले ही वे दो बार शून्य पर आउट हुए, लेकिन उनकी इस ऐतिहासिक कप्तानी पारी ने ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। टेस्ट इतिहास में किसी कप्तान द्वारा एक सीरीज में बनाए गए यह सबसे अधिक रन हैं। आधुनिक क्रिकेट के उभरते सितारे और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी इसमें अपना नाम दर्ज कराया है। साल 2025 में इंग्लैंड दौरे पर एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान गिल ने कप्तानी के दबाव को बाहर करते हुए इंग्लैंड की तेज पिचों पर रनों की नई परिभाषा लिखी। 5 मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। इस सीरीज में शुभमन ने कमाल की निरंतरता दिखाते हुए 4 शानदार शतक लगाये, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा। वे इस सीरीज में एक बार भी बिना खाता खोले आउट नहीं हुए, जो उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रमाण है।

फीफा विश्वकप में स्पेन के गोलकीपर साइमन ने 36 साल पुराना गोल न खाने का रिकॉर्ड तोड़ा

इंगलवुड (एजेंसी)। स्पेन के अनुभवी गोलकीपर उनाई साइमन ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबले में 3-0 की शानदार जीत के दौरान ही एक नया रिकार्ड बना दिया। साइमन ने इसी के साथ ही 36 साल पुराने सबसे अधिक तक तक गोल न खाने के रिकार्ड को तोड़ दिया है। साइमन ने मौजूदा विश्व कप में अब तक एक भी मैच में गोल नहीं होने दिया है।

साइमन के इस रिकार्ड की शुरुआत पिछले विश्व कप से हुई थी अब तक उन्होंने कुल 519 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल दागने से रोके रखा है। इस प्रदर्शन के साथ ही उन्होंने इटली के दिग्गज गोलकीपर वाल्टर जेंगा के 1990 में स्थापित किए गए 517 मिनट तक गोल न होने देने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जेंगा ने उस समय लगातार पांच मैचों में क्लीन शीट रखकर यह कीर्तिमान बनाया था। साइमन ने भले ही जेंगा की क्लीन शीट की संख्या को अभी नहीं छुआ हो, लेकिन गोल न खाने के समय के मामले में उन्होंने सभी को पछाड़ दिया है।

इस विश्व कप में साइमन को शायद सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों की सूची में शीर्ष पर नहीं रखा गया था पर इस खिलाड़ी ने अपने शानदार खेल से रिकॉर्ड बुक में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कर लिया है। स्पेन ने इस विश्व कप में अभी तक एक भी गोल नहीं खाया है, और इसका श्रेय काफी हद तक साइमन की गोलकीपिंग को जाता है। उन्हें केवल चार बचाव करने पड़े हैं, जिसमें ऑस्ट्रिया के खिलाफ एक भी नहीं शामिल है, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी टीम के पांचों शॉट लक्ष्य से भटक गए थे। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने अपने गोलकीपर की जमकर सराहना की।

वह पिछले लगभग पांच वर्षों से, साइमन स्पेन के लिए गोलकीपर के तौर पर पहली पसंद बने हुए हैं। उन्होंने डेविड राया और जोन गार्सिया जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपनी जगह बनाए रखी है। साइमन का गोल न खाने का यह सिलसिला दरअसल 2022 में कतर में खेले गए विश्व कप से शुरू हुआ था।

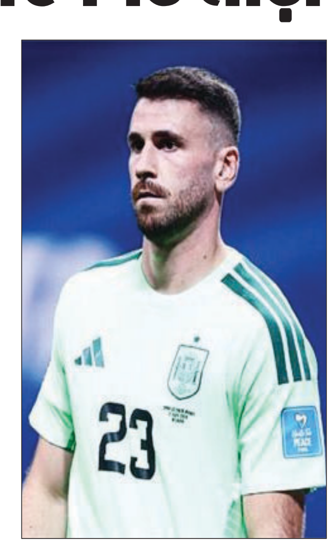

महिला विश्वकप फाइनल : पूरी तरह फिट नहीं होने के बाद भी पैरी को उतार सकती है ऑस्ट्रेलियाई टीम

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्वकप फाइनल के लिए पुरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी अपनी स्टार खिलाड़ी एलिस पेरी को उतारने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो एलिस का करियर संकट में फंस सकता है क्योंकि इस दौरान उनकी चोट गंभीर हो सकती है। इसका अंदाजा टीम की मुख्य कोच शेली निट्स्के के बयान से लगाया जा सकता है। जिसमें निट्स्के ने कहा है कि अगर पैरी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं भी होती हैं, तो भी वह फाइनल में खेल सकती हैं। गौरतलब है कि पेरी वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में चोटिल हो गयीं थी। जिसके बाद उसे रिटायर कर दिया गया था। टीम ने हालांकि उनकी चोट को मामूली क्वाड्रिसेप्स खिंचाव बताया था। उनकी स्थिति पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं जब निट्स्के से पूछा गया कि क्या पेरी पूरी तरह फिट न होने पर भी खेल सकती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, हाँ, संभव है। मुझे लगता है कि अभी भी कुछ चीजें हैं जो विश्वकप फाइनल को देखते हुए वह करना चाहती हैं, टीम में योगदान देने और अपनी जगह बनाए रखने के लिए। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन भी चाहता है कि फाइनल जैसे अहम मैच को देखते हुए पैरी खेलें। गौरतलब है कि पूरे टूर्नामेंट में पेरी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह इस ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे अच्छी बल्लेबाज बनकर उभरी हैं। उन्होंने पांच पारियों में 46.25 की औसत और 135.03 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से कुल 185 रन बनाए हैं। भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत में पैरी की पारी की अहम भूमिक रही थी।

रोनाल्डो और पुर्तगाल ने अपने पूर्व खिलाड़ी डियोगो जोटा को दी श्रद्धांजलि, कार दुर्घटना में हो गया था निधन

टोरंटो । दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल ने गुरुवार को टोरंटो में क्रोएशिया पर 2–1 से विश्व कप जीत के बाद अपने पूर्व साथी खिलाड़ी डियोगो जोटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। क्रोएशिया के खिलाफ पेनल्टी के जरिए राउंड–ऑफ–32 मुकाबले में पुर्तगाल के लिए अपना पहला गोल करने वाले रोनाल्डो ने अंतिम सीटी बजने के बाद जोटा की नंबर 21 पुर्तगाल जर्सी पहनी और भावुक होकर अपने साथियों के साथ इकट्ठा होते हुए आसमान की ओर इशारा किया। शुक्रवार को जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की पश्चिमी स्पेन में एक कार दुर्घटना में मृत्यु को ठीक एक साल पूरा हो जाएगा। डियोगो जोटा ने पुर्तगाल के लिए 49 मैच खेले और 14 गोल किए। रोनाल्डो ने फॉक्स न्यूज़ से कहा, 'हमें मैच से पहले ही पता था, यह एक बहुत ही खास पल था। आज हम सब मिलकर जीवन के इस संयोग के बारे में बात कर रहे हैं, यह अविश्वसनीय है। मैं आश्चर्यचकित था क्योंकि आज की स्थिति हमारे लिए बहुत मायने रखती है, न केवल इसलिए कि हमने मैच जीता बल्कि जिस तरह से हमने जीता।'

इंग्लैंड ने दक्षिण अफीका को हराकर टी20 महिला विश्वकप के फाइनल में जगह बनाई

-रविवार को खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से होगी टक्कर

लंदन । इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीकी टीम को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। अब यहां उसका मुकाबला रविवार को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से होगा अगर इंग्लैंड की टीम ये मुकाबला जीतती है तो ये उसका दूसरा विश्वकप खिताब होगा। इससे पहले, इंग्लैंड ने साल 2009 में खेले गए अपने उद्घाटन टी20 विश्व कप सत्र में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की जीत में नैट साइवर–ब्रंट और कप्तान हीथर नाइट की शानदार पारियों की अहम भूमिका रही है। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 90 गेंदों पर 133 रन बनाये। साइवर–ब्रंट ने 47 गेंदों पर 75 रन बनाए, जबकि नाइट ने 47 गेंदों में 58 रन बनाये। इस शानदार प्रदर्शन की सहायता से इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में 169 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से अनुभवी तेज गेंदबाज इस्माइल ने अपनी पहली ही गेंद पर इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स को आउट कर टी20 महिला विश्वकप में अपने 50 विकेट पूरे किये। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने इसके बाद जोरदार पलटवार किया। म्लाबा ने लगातार तीन गेंदों के भीतर नाइट और साइवर–ब्रंट दोनों को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को विकेट दिलाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरआत अच्छी नहीं रही। कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने शुरुआती तीन ओवरों में दो रन बनाए। वह 13 रनों पर ही आउट हो गयी जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 43 रनों पर ही पहला विकेट खो दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते गये। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने इसके बाद अपनी सधी हुई गेंदबाजी से अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया।

हरभजन सिंह 46 के हुए: भारतीय क्रिकेट के टर्बनेटर का शानदार सफर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे महान ऑफ स्पिनरों में से एक हरभजन सिंह आज 46 साल के हो गए। इस खास मौके पर उन्हें देश-दुनिया के उनके साथी क्रिकेटरों, पूर्व खिलाड़ियों और असंख्य प्रशंसकों की ओर से ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। टर्बनेटर और भज्जी के नाम से क्रिकेट जगत में लोकप्रिय हरभजन सिंह को उन चुनिंदा स्पिन गेंदबाजों में गिना जाता है, जिन्होंने अपनी करिश्माई घूमती गेंदों और अदम्य साहस से बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले वह भारत के पहले ऑफ स्पिनर बने, जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को अपनी गेंदबाजी का दीवाना बनाया।

महानता तक पहुंचने की उनकी यह राह कभी भी आसान नहीं रही। मार्च 1998 में महज 17 साल की उम्र में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय करियर की दहलीज पर कदम रखा। अपने शुरुआती प्रदर्शन से उन्होंने सबको प्रभावित तो किया, लेकिन करियर की शुरुआत के करीब डेढ़ साल बाद ही खराब फॉर्म के चलते उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उस दौर में लेग स्पिनर अनिल कुंबले भारतीय स्पिन गेंदबाजी के मुख्य आधार थे, और जब कुंबले चोटिल हुए, तब भी चयनकर्ताओं ने हरभजन को अवसर देना उचित नहीं समझा। इसी बीच, साल 2000 में हरभजन के सिर से पिता का साया उठ गया, जिसके बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। आर्थिक संकट इतना गहरा था कि वह इस कदर मजबूर हो गए थे कि उन्होंने क्रिकेट छोड़ने और अपनी आजीविका चलाने के लिए अमेरिका जाकर ट्रक ड्राइवर बनने तक की योजना बना ली थी।

यह हरभजन के जीवन का सबसे कठिन दौर था, लेकिन उनकी बहनों ने इस समय उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें खेल पर ही ध्यान केंद्रित करने को कहा। इसके बाद, उन्होंने रणजी ट्रॉफी में लाजवाब प्रदर्शन करते हुए 28 विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। फिर साल 2001 में एक बार फिर उन्हें टीम में अवसर मिला, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के दौरे पर थी और अनिल कुंबले चोट के कारण बाहर थे। तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली ने इस युवा ऑफ स्पिनर पर गहरा भरोसा जताया और उन्हें टीम में शामिल करने का साहसिक निर्णय लिया। गांगुली के इस फैसले ने न केवल हरभजन के करियर को नई दिशा दी, बल्कि भारतीय क्रिकेट के इतिहास को भी हमेशा के लिए बदलकर रख दिया। इस ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज के तीन मैचों में हरभजन ने अकेले दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त करते हुए कुल 32 विकेट झटके। इसी सीरीज में उन्होंने शानदार हैट्रिक ली, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा ली गई पहली हैट्रिक थी। इस सीरीज ने न सिर्फ हरभजन का करियर पुनर्जीवित किया, बल्कि उन्हें टीम इंडिया का एक अविस्मरणीय और मुख्य गेंदबाज भी बना दिया।

हरभजन की सबसे बड़ी ताकत उनकी आक्रामक शैली, कभी न हार मानने वाला जज्बा और उनकी रहस्यमयी गेंद 'दूसरा' थी। एक ऑफ स्पिनर होते हुए भी गेंद को लेग स्पिनर की तरह बाहर की तरफ निकालने की इस दुर्लभ कला ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को भी भ्रमित कर दिया। भज्जी केवल टेस्ट क्रिकेट के ही नहीं, बल्कि सीमित ओवरों के भी बेताज बादशाह थे। वह भारत की दो सबसे बड़ी ऐतिहासिक जीतों - 2007 टी20 विश्व कप और 2011 एकदिवसीय विश्व कप - विजेता टीम के प्रमुख और अभिन्न सदस्य रहे। इसके अलावा, निचले क्रम में आकर जरूरत पड़ने पर तेजी से रन बनाकर टीम को मुश्किल परिस्थितियों से

निकालने में भी वह हमेशा आगे रहे। उनका करियर भारतीय क्रिकेट में संघर्ष, वापसी और शानदार सफलता की एक प्रेरक गाथा है, जिसे आज भी याद किया जाता है।

आंध्र प्रदेश के तोतापुरी आम किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के तोतापुरी आम उत्पादक किसानों की समस्याओं का समाधान तलाशने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तहत एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

यह फैसला केंद्रीय कृषि मंत्री के हालिया आंध्र प्रदेश दौरे के बाद लिया गया, जहां किसानों ने उन्हें बताया कि प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) उद्योग में बड़े पैमाने पर उपयोग होने वाली तोतापुरी आम की किस्म के दाम पिछले कुछ महीनों में काफी गिर गए हैं।किसानों ने बताया कि कीमतों में लगातार गिरावट से उनकी आय पर गंभीर असर पड़ा है और आम उत्पादक किसानों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है।इन परिस्थितियों को देखते हुए कृषि मंत्री ने आईसीएआर को वैज्ञानिकों और संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिया है, जो तोतापुरी आम से जुड़े पूरे क्षेत्र का व्यापक अध्ययन करेगी।समिति को खेती, प्रसंस्करण, विपणन, घरेलू व्यापार और निर्यात सहित पूरी वैल्यू चेन का विश्लेषण करने और किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र के दीर्घकालिक एवं टिकाऊ विकास के लिए उपयुक्त सुझाव देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।कृषि मंत्री ने समिति को निर्देश दिया है कि वह अगले 10 दिनों के भीतर आंध्र प्रदेश के प्रमुख तोतापुरी आम उत्पादक क्षेत्रों का दौरा करे। इस दौरान समिति किसानों, प्रोसेसिंग उद्योग के प्रतिनिधियों, निर्यातकों, राज्य के बागवानी विभाग के अधिकारियों, फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत कर मौजूदा स्थिति का विस्तृत आकलन करेगी।समिति तोतापुरी आम की खेती की वर्तमान स्थिति, उत्पादन लागत, किसानों की आय, प्रसंस्करण क्षमता और उसके उपयोग, मांग और आपूर्ति की स्थिति तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमतों में आई गिरावट के कारणों का अध्ययन करेगी।

उज्ज्वला योजना अब सिर्फ 4 सिलेंडर पर मिलेगी सब्सिडी

- वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू होंगे नए नियम, लाभार्थियों को मिलेंगे लगभग 1200 कम

नई दिल्ली ।

द्र सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी में महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। अब वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 में लाभार्थियों को साल में केवल 4 सब्सिडी वाले सिलेंडर मिलेंगे, जो पहले 9 थे। इस बदलाव का सीधा असर उन लाखों परिवारों पर पड़ेगा जो इस योजना से जुड़े हैं। पहले मिलने वाली कुल 2700 की सब्सिडी अब घटकर लगभग 1200 रुपए रह जाएगी। यह नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा और उन परिवारों को सीधा प्रभावित करेगा जो नियमित रूप से गैस सिलेंडर का उपयोग करते हैं। यदि कोई उज्ज्वला लाभार्थी हर महीने एक सिलेंडर लेता है, तो जुलाई 2026 में उसे इस वित्तीय वर्ष का आखिरी सब्सिडी वाला सिलेंडर मिल सकता है। इसके बाद, अगस्त 2026 से उन्हें एलपीजी सिलेंडर पूरी कीमत पर खरीदना होगा, जिससे रसोई का मासिक खर्च बढ़ना तय है। अगर मौजूदा कीमतें बनी रहती हैं, तो दिल्ली में घरेलू सिलेंडर लगभग 942 रुपये का मिलेगा, जहां अभी करीब 300 रुपये की सब्सिडी मिल रही है। सब्सिडी खत्म होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव आएगा।

एचसीएलटेक को यूरोप की कंपनी से मिला 1.14 अरब डॉलर का ठेका

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचसीएलटेक को यूरोप मुख्यालय वाली 'फॉर्च्यून ग्लोबल 50' सूची की एक कंपनी से उसके डिजिटल कार्यस्थल एवं उद्यम नेटवर्क के रूपांतरण तथा प्रबंधन के लिए 1.14 अरब अमेरिकी डॉलर का ठेका मिला है। एचसीएलटेक ने उस कंपनी का नाम उजागर नहीं किया है। शेयर बाजार को शुक्रवार को दी सूचना के अनुसार इस साझेदारी के तहत एचसीएलटेक उस कंपनी के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित परिचालन मॉडल स्थापित करेगी। समझौते की शुरुआती अवधि जुलाई 2026 से दिसंबर 2031 तक यानी साढ़े पांच वर्ष की होगी। इसके बाद साझेदारी को पांच वर्ष और बढ़ाने का विकल्प भी रहेगा।

भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 262 अंक उछला; रियल्टी, आईटी और फार्मा शेयर चमके

मुंबई।

वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ।

इस दौरान आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में शानदार तेजी देखने को मिली। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 77,763.91 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 95.15 अंक यानी 0.39 प्रतिशत बढ़कर 24,270.85 पर पहुंच गया।

दिन के सत्र में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,502.12 से 0.83 प्रतिशत यानी 650.22 अंकों की शानदार बढ़त के साथ 78152.34 पर खुला और दिन के कारोबार में यह 655.40 अंकों यानी 0.84 प्रतिशत की उछाल के साथ 78,157.52 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,175.70 से 0.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,375.65 पर खुला और दिन के कारोबार में यह 0.83 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,378.15 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। लगातार तीन सत्रों की बढ़त के साथ सेंसेक्स में लगभग 1,300 अंकों यानी 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वहीं, एनएसई में तीन दिनों में 400 से अधिक अंकों यानी 1.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस तरह, इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे लगातार चौथे सप्ताह बढ़त का सिलसिला जारी रहा। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.19 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी हेल्थकेयर (1.8 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (1.7 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (1.7 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (0.7 प्रतिशत) ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी पीएसयू बैंक सबसे अधिक गिरावट दर्ज करने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.16 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 19 पैसे बढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.16 पर पहुंच गया।

डॉलर सूचकांक के मुकाबले पिछले 15 महीनों के उच्च स्तर से नीचे आने से रुपये को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर सूचकांक में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद आयातकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग के कारण रुपये पर दबाव कायम है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.20 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.16 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 19 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को 19 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.35 पर बंद हुआ था।इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 100.81 पर रहा जो हाल के 15 महीनों के उच्च स्तर 101.6 से नीचे है।

झारखंड का आईटी क्रांति पर जोर, 'विजन 2050' के लिए दिल्ली में बैठक

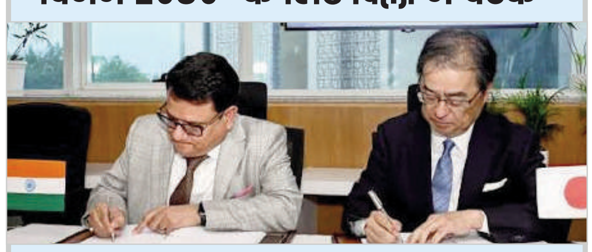

रांची ।

झारखंड सरकार अपने महत्वाकांक्षी 'विजन 2050' के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। इसी कड़ी में, राज्य सरकार 8 जुलाई से नई दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय हितधारक परामर्श सम्मेलन आयोजित करेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य झारखंड को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल कामकाज के क्षेत्र में एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भारत और विदेशों के प्रमुख नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह सम्मेलन सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल कामकाज जैसे क्षेत्रों में राज्य को निवेश के लिए आकर्षक बनाने पर केंद्रित होगा, साथ ही औद्योगिक निवेश और पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। सम्मेलन के दौरान, झारखंड में निवेश एवं आर्थिक वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से कई प्रमुख औद्योगिक समूहों के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे, जो राज्य के 'एक्सप्लोर इनफिनिट अपॉर्च्युनिटीज' दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा।

भारत की कमर्शियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 2032 तक तीन गुना बढ़कर 100 गीगावाट होने की उम्मीद रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत की कमर्शियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 2032 तक बढ़कर 100 गीगावाट हो सकती है, जो कि 2025 में 32 गीगावाट है। साथ ही स्थापित एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की क्षमता 10 गुना से अधिक बढ़कर 31 गीगावाट-घंटा होने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस और कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशंस की रिपोर्ट में इस तेज वृद्धि का श्रेय कंपनियों के डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों, आसमान छूते ग्रिड टैरिफ और ऊर्जा लचीलेपन की बढ़ती आवश्यकता को दिया गया है, जिसमें राज्य-स्तरीय नियामक इनोवेशन स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की गति को तेज कर रहा है। यह रिपोर्ट नई दिल्ली के यशोभूमि (आईआईसीसी) में 8-10 जुलाई को होने वाले इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक(आईईएसडब्ल्यू) 2026 में जारी की जाएगी। इसमें 200 से अधिक प्रदर्शक और 10,000 से अधिक इंडस्ट्री लीडर्स शामिल होंगे। यह इवेंट क्लीन एनर्जी वैल्यू चेन में पॉलिसी पर चर्चा, टेक्निकल जानकारी के आदान-प्रदान और इनोवेशन को दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच होगा। आईईएसडब्ल्यू 2026 में भारी उद्योग, खान, बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्यावरण जैसे अहम मंत्रालयों के सीनियर अधिकारी, राज्यों के प्रतिनिधियों और रेगुलेटरी बॉडीज के साथ मिलकर खुली बातचीत करेंगे। प्रेस रिलीज के अनुसार, इस इवेंट में पॉलिसी से जुड़ी रुकावटों, राज्य-स्तर के सुधारों और इंडस्ट्री की जरूरतों पर खुलकर चर्चा होगी। इसका मकसद भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन (स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव) को तेजी देने के लिए ऐसे समाधान निकालना है जिन्हें असल में लागू किया जा सके। आईईएसडब्ल्यू के अध्यक्ष देबमाल्य सेन ने कहा, ÷हमारी नई रिसर्च से पता चलता है कि भारत का सीएंडआई (कमर्शियल और इंडस्ट्रियल) एनर्जी स्टोरेज मार्केट न सिर्फ बढ़ रहा है, बल्कि एक नए दौर की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राज्यों की दूरदर्शी नीतियों और

कॉर्पोरेट जगत से बढ़ती मांग के कारण, स्टोरेज अब सिर्फ बैकअप नहीं, बल्कि मजबूती और डीकार्बोनाइजेशन के लिए एक अहम रणनीतिक टूल बनता जा रहा है।

अभी जो तेजी दिख रही है, वही अगले दशक में इस सेक्टर की दिशा तय करेगी।÷ रिपोर्ट में महाराष्ट्र की नई रिन्यूएबल एनर्जी और स्टोरेज पॉलिसी पर जोर दिया गया है, जिसके तहत 100 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले हर नए रिन्यूएबल प्रोजेक्ट के लिए स्टोरेज की सुविधा जरूरी है। इस पॉलिसी के अनुसार, डिस्ट्रिब्यूशन कंपनियों को भी वित्त वर्ष 2035-36 तक अपनी कुल बिजली का 10 प्रतिशत हिस्सा स्टोरेज से हासिल करना होगा। गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान भी कॉस्ट-रिफ्लेक्टिव बैंकिंग, सेटलमेंट पॉलिसी और ट्रांसमिशन चार्ज में छूट जैसे उपायों के जरिए इसे तेजी से अपनाने में मदद कर रहे हैं। स्टोरेज तकनीक को अपनाने में इंडस्ट्रियल यूनिट्स सबसे आगे रहेंगी और कुल ईएसएस इंस्टॉलेशन में इनकी हिस्सेदारी आधे से अधिक होगी। वहीं, डेटा सेंटर और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे कि हॉस्पिटल, मेट्रो और रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट में इसकी सबसे तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

जून में भी भारत को सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई करने वाला देश बना अमेरिका

नई दिल्ली।

अमेरिका जून में भी भारत को द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की सबसे बड़ी आपूर्ति करने वाला देश बना रहा। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत ऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति पर तेजी से काम कर रहा है, जिसके चलते अमेरिका ने पारंपरिक खाड़ी देशों पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। कमोडिटी एनालिटिक्स फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, जून में भारत ने अमेरिका से 7.73 लाख मीट्रिक टन (773.78 टीएमटी) एलपीजी आयात की, जो मई की तुलना में 19.4 प्रतिशत अधिक है। वहीं, जून के दौरान भारत का कुल एलपीजी आयात 3 प्रतिशत बढ़कर 11.91 लाख मीट्रिक टन (1,191 टीएमटी) हो गया, जबकि मई में यह 11.55 लाख मीट्रिक टन (1,155 टीएमटी) था। जून में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भारत का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता रहा, जहां से आयात 16.6 प्रतिशत बढ़कर 1.57 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया, जो मई में 1.34 लाख मीट्रिक टन था।

वहीं, सऊदी अरब और कुवैत

ने जून में भारत को 64-64 हजार मीट्रिक टन एलपीजी की आपूर्ति की।

अमेरिका से एलपीजी आयात में लगातार बढ़ोतरी भारत की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के बाद ऊर्जा आपूर्ति के स्रोतों को विविध बनाया जा रहा है। इसी दिशा में सरकारी तेल रिफाइनरियों ने 2026 से अमेरिका से 22 लाख टन एलपीजी आयात करने के लिए दीर्घकालिक समझौता भी किया है, जिससे भारत-अमेरिका ऊर्जा सहयोग और मजबूत होगा तथा खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

समूह ने लॉन्च के सिर्फ तीन महीने में 100 करोड़ रुपए की सालाना रन रेट हासिल की

रांची : ग्रामीण और छोटे शहरों के ग्राहकों से मिल रहे मजबूत प्रतिसाद के दम पर एफएमसीजी ब्रांड समूह ने अगले चरण की बड़ी योजना का ऐलान किया है। ग्रामीण कॉमर्स प्लेटफॉर्म रोजाना के सहयोग से शुरू हुए इस ब्रांड ने लॉन्च के सिर्फ तीन महीने में करीब 100 करोड़ रुपए की सालाना रन रेट हासिल कर ली है। अब कंपनी ने 1,000 करोड़ रुपए का उपभोक्ता उत्पाद ब्रांड बनने का लक्ष्य तय किया है।

समूह के संस्थापक अद्वैत विक्रम सिंह ने कहा कि कंपनी की तेज रफ्तार बढ़त यह साबित करती है कि ग्रामीण भारत में उपभोक्ता बाजार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा भारत में अगली बड़ी उपभोक्ता क्रांति गांवों और छोटे शहरों से आएगी। समूह की शुरूआत ऐसे ग्राहकों के लिए की गई है जो अच्छी गुणवत्ता, किफायती कीमत और भरोसेमंद ब्रांड चाहते हैं। ग्राहकों से मिला प्रतिसाद हमारी उम्मीदों से बेहतर रहा है। इससे हमारा भरोसा और मजबूत हुआ है कि ग्रामीण भारत अपनी जरूरतों के मुताबिक तैयार किए गए भारतीय ब्रांडों को अपनाने के लिए तैयार है।

भारत के 7 स्टार्टअप्स को मिलेंगे 30-30 लाख रुपए, साथ ही मिलेगा मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

नई दिल्ली।

भारत के 7 स्टार्टअप्स को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) समर्थित फिक्की-मर्सिडीज-बेंज भारत इनोवेशन एंड बिजनेस आइडियाज चैलेंज प्रोग्राम के तहत फंडिंग के साथ-साथ संरचित मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य स्टार्टअप्स की तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करना और उन्हें निवेश के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, देश भर से आए आवेदनों के बीच आयोजित इस राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज में चयनित प्रत्येक स्टार्टअप को 30-30 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

कार्यक्रम के तहत आयोजित एक वर्चुअल संवाद में डीपीआईआईटी के अतिरिक्त सचिव अतीश कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम, जिनमें फंडिंग के साथ विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी शामिल हो, भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कंपनियां तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने फिक्की और मर्सिडीज-बेंज इंडिया को इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह पहल भारत के तेजी से विकसित हो रहे इनोवेशन इकोसिस्टम और देश के युवा उद्यमियों की अपार क्षमता को दर्शाती है। सिंह ने कहा कि समय पर मिलने वाला मार्गदर्शन और सहयोग नवाचार करने वाले युवाओं को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप समाधान विकसित

करने में मदद करता है। उनके अनुसार, इस तरह के साझेदारी आधारित प्रयास भारत को नवाचार-आधारित विकास की दिशा में आगे बढ़ाने और वैश्विक इनोवेशन लीडर बनाने के लिए बेहद आवश्यक हैं।

भारत के कंज्यूमर गुड्स सेक्टर की आय वृद्धि दर 2030 तक 17.3 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली।

कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में वर्ष 2025-2030 की अवधि के दौरान आय 17.3 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। ब्रिकवर्क रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में आय में तेज बढ़ोतरी की वजह क्रेडिट ग्रोथ, जीएसटी में कटौती, टियर-II और टियर-III शहरों से बढ़ी हुई मांग और प्रीमियम प्रोडक्ट्स की ओर झुकाव है। वहीं, हेल्थकेयर सर्विस सेक्टर के लिए अच्छे संकेतकों में मजबूत रुचि और डेट कवरेज रेश्यो, लगभग 13 अरब डॉलर का मेडिकल टूरिज्म मार्केट और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत प्रोग्राम का विस्तार शामिल है। ब्रिकवर्क रेटिंग्स के रिसर्च हेड राजीव शरण ने कहा, ÷हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 26 में मजबूत मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस गतिविधियों के दम पर जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत बनी रहेगी। वित्त वर्ष 27 के लिए वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।÷

वित्त वर्ष 27 में महंगाई दर लगभग 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, हालांकि, भू-राजनीतिक जोखिम और अल नीनो पर नजर रखना जरूरी है। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 27 में अपने 25 रेटेड सेक्टरों में से 22 के लिए स्थिर क्रेडिट आउटलुक का अनुमान लगाया गया है। इसे मजबूत घरेलू मांग, सरकार के लगातार कैपिटल खर्च, अच्छी बैलेंस शीट, बेहतर ऑपरेटिंग मार्जिन और जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं के बावजूद अनुमानित कैश फ्लो का समर्थन मिला है।

टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम, इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, इंडस्ट्रियल और पावर जेनरेशन सेक्टर को डी-लीवरेजिंग (कर्ज कम करने), पॉलिसी सपोर्ट, नए ट्रेड एग्रीमेंट के तहत निर्यात के मौकों और लंबे समय तक मांग की संभावनाओं से फायदा मिलता है।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में 2026 की पहली छमाही में संस्थागत निवेश 50 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेश 2026 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कोलियर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया तनाव के बावजूद भी देश के रियल एस्टेट ने 2026 की जनवरी-जून अवधि में मजबूत निवेश हासिल किया है और यह सेक्टर का छह वर्षों में सबसे अच्छा पहली छमाही का प्रदर्शन है।

रिपोर्ट में बताया गया कि अप्रैल-जून तिमाही में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 70 प्रतिशत बढ़कर 2.9 अरब डॉलर हो गया है। घरेलू निवेशकों ने 2.6 अरब डॉलर के निवेश के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी, जो कुल निवेश का 57 प्रतिशत था, जबकि विदेशी निवेश सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर हो गया।

कॉलियर्स इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बादल याग्निक ने कहा, ÷पिछले कुछ तिमाही में संस्थागत निवेश में घरेलू निवेशकों का योगदान लगातार 60 प्रतिशत तक रहा है, जबकि विदेशी निवेशक अब अधिक सोच-समझकर निवेश कर रहे हैं और पारंपरिक रियल एस्टेट एसेट्स से हटकर दूसरे क्षेत्रों पर भी ध्यान दे रहे हैं।÷ 2026 की पहली छमाही के दौरान ऑफिस एसेट्स निवेश के लिए सबसे पसंदीदा जगह बने रहे, जिसमें घरेलू निवेशकों ने चालू ऑफिस प्रॉपर्टीज में अधिकतर निवेश किया।

साल की पहली छमाही में मिक्स्ड-यूज और वैकल्पिक एसेट्स में से हर एक में लगभग 0.8 अरब डॉलर का निवेश हुआ और कुल निवेश में इनका हिस्सा लगभग पांचवां हिस्सा रहा। इसके अलावा, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में 0.3 अरब डॉलर का निवेश दर्ज किया गया, जो एक साल पहले की तुलना में तीन गुना से भी अधिक है। इसके उलट, आवासीय क्षेत्र में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 43 प्रतिशत घटकर 0.5 अरब डॉलर रह गया, क्योंकि बढ़ती लागत और घरों की बिक्री में कमी के बीच निवेशक सतर्क रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक, इलाके के हिसाब से देखें तो चेन्नई और बेंगलुरु में कुल मिलाकर लगभग 1.2 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो 2026 की पहली छमाही के दौरान संस्थागत निवेश का लगभग 27 प्रतिशत था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 262 अंक, निफ्टी 95 अंक बढ़ा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में उछाल दर्ज किया गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक बढ़कर 77,763.91 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.15 अंक उछलकर 24,270.85 पर पहुंच गया। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.19 फीसदी की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। आज कारोबार के दौरान सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी , निफ्टी फार्मा और निफ्टी मेटल ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरे। निफ्टी एनर्जी , निफ्टी ऑटो , निफ्टी मीडिया , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी बैंक का स्थान रहा। निफ्टी 50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, मैक्स हेल्थकेयर, सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज लैब्स, बजाज फिनसर्व, अपोलो हॉस्पिटल्स और भारती एयरटेल शामिल रहे। वहीं एक्सिस बैंक, एसबीआई, एलएंडटी, बजाज-ऑटो, एचडीएफसी लाइफ, कोटक बैंक और एनटीपीसी के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इस दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 479.75 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 480.24 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया।

रिम्स में अत्याधुनिक क्षेत्रीय नेत्र संस्थान का मंत्री ने किया उद्घाटन

अब आंखों के इलाज के लिए चेन्नई-वेल्लोर जाने की जरूरत नहीं : स्वास्थ्य मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था के इतिहास में आज एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची स्थित अत्याधुनिक क्षेत्रीय नेत्र संस्थान का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर को उन्होंने झारखंड के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह केवल एक भवन का उद्घाटन नहीं, बल्कि राज्य की करोड़ों जनता को विश्वस्तरीय, आधुनिक और सुलभ नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह क्षेत्रीय नेत्र संस्थान झारखंड के लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। वर्षों से राज्य के मरीज आंखों के बेहतर इलाज के लिए चेन्नई, वेल्लोर तथा अन्य राज्यों का रुख करने को मजबूर थे। इससे मरीजों और उनके परिजनों को आर्थिक, मानसिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब यह मजबूरी समाप्त होगी, क्योंकि मोतियाबिंद, कॉर्निया, रेटिना, ग्लूकोमा सहित आंखों से जुड़ी लगभग सभी जटिल बीमारियों का आधुनिक एवं समग्र उपचार रिम्स में ही उपलब्ध होगा।

उन्होंने कहा कि आंखें ईश्वर का सबसे अनमोल उपहार हैं। किसी व्यक्ति की दृष्टि को सुरक्षित रखना केवल चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि उसे आत्मनिर्भर, सम्मानजनक और बेहतर जीवन देने का संकल्प है। हमारी सरकार का उद्देश्य है कि झारखंड का कोई भी नागरिक इलाज के लिए दूसरे राज्यों का रुख करने को मजबूर न हो।

डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि यह संस्थान बहुत पहले बन जाना चाहिए था, लेकिन इस दिशा में अपेक्षित प्रयास नहीं हुए। जब से मैंने स्वास्थ्य मंत्री का दायित्व संभाला, तभी से मेरा एक ही विजन रहा है कि झारखंड के लोगों को अपने ही राज्य में देश की सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। आज क्षेत्रीय नेत्र संस्थान का उद्घाटन उसी संकल्प और निरंतर प्रयास का परिणाम है।

भावुक होते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, मैं स्वयं एक डॉक्टर हूं। मरीजों का दर्द, उनकी तकलीफ और उनके परिवारों की चिंता को बहुत करीब से समझता हूं। इसलिए मेरा हर निर्णय आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लिया जाता है।

उन्होंने मीडिया और समाज से भी सकारात्मक सहयोग की अपील करते हुए कहा कि डॉक्टर दिन-रात पूरी निष्ठा और ईमानदारी से मरीजों की जान बचाने का प्रयास करते हैं। कई बार दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में डॉक्टरों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आती हैं, जिससे उनका मनोबल प्रभावित होता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ₹कोई भी डॉक्टर कभी नहीं चाहता कि किसी मरीज की मृत्यु हो। हर चिकित्सक अपनी पूरी क्षमता और समर्पण के साथ मरीज को बचाने का प्रयास करता है। इसलिए समाज और मीडिया की जिम्मेदारी है कि डॉक्टरों का मनोबल बढ़ाएं और स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में सहभागी बनें।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने झारखंड को मिली एक और बड़ी सौगात का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में रिम्स-2 का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा और कई स्तरों पर विरोध का सामना भी करना पड़ा, लेकिन जनहित के इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को रुकने नहीं दिया गया।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले तीन वर्षों में रिम्स-2 बनकर तैयार होगा, जिससे न केवल झारखंड बल्कि पड़ोसी राज्यों के लाखों लोगों को भी विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में झारखंड स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उनका स्पष्ट विजन झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को देश की अग्रणी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में शामिल करना है। इसी लक्ष्य के साथ वे दिन-रात कार्य कर रहे हैं और आने वाले समय में स्वास्थ्य क्षेत्र में कई ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, ₹आज मैं हर योजना का खुलासा नहीं करना चाहता, लेकिन इतना विश्वास दिलाता हूं कि आने वाले दिनों में झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था में ऐसे परिवर्तन होंगे, जिनका सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा।₹

अपने संबोधन के अंत में उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित नेत्र परीक्षण कराने, आंखों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा नेत्रदान जैसे महादान के प्रति समाज को प्रेरित करने की अपील की।

क्षेत्रीय नेत्र संस्थान का उद्घाटन केवल एक भवन का उद्घाटन नहीं, बल्कि झारखंड को स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से जोड़ने और लाखों लोगों की आंखों की रोशनी सुरक्षित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह संस्थान आने वाले वर्षों में पूरे पूर्वी भारत के लिए नेत्र चिकित्सा का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

इस अवसर पर विधायक सुरेश कुमार बैठा, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अजय कुमार सिंह, रिम्स के क्षेत्रीय नेत्र संस्थान के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार, रिम्स के वरिष्ठ चिकित्सक, विशेषज्ञ डॉक्टर, चिकित्सा पदाधिकारी एवं समस्त चिकित्सा दल उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

श्रावणी मेले पर रेलवे का बड़ा तोहफा! हावड़ा-नटेसर के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

हाजीपुर(बिभा): श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा आसनसोल-जसीडीह-झाझा-किउल-शेखपुरा-अस्थावां-बिहार शरीफ-राजगीर के रास्ते हावड़ा और नटेसर के मध्य 3001/03002 श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन किया जायेगा । इस स्पेशल में तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 08 कोच एवं एसएलआर के 02 कोच सहित कुल 18 कोच होंगे । गाड़ी सं. 03001 हावड़ा-नटेसर श्रावणी मेला स्पेशल 05.07.2026 से 29.09.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार, मंगलवार एवं शुक्रवार को हावड़ा से 23.50 बजे खुलकर अगले दिन 05.10 बजे जसीडीह, 08.10 बजे किउल, 08.45 बजे शेखपुरा, 09.25 बजे अस्थावां, 09.50 बजे बिहार शरीफ, 10.40 बजे नालन्दा एवं 11.05 बजे राजगीर रुकते हुए 12.00 बजे नटेसर पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03002 नटेसर-हावड़ा श्रावणी मेला स्पेशल 06.07.2026 से 30.09.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शनिवार को नटेसर से 13.00 बजे खुलकर 13.20 बजे राजगीर, 13.43 बजे नालन्दा, 14.05 बजे बिहार शरीफ, 14.55 बजे अस्थावां, 16.03 बजे शेखपुरा, 17.10 बजे किउल, 20.25 बजे जसीडीह रुकते हुए अगले दिन 04.30 बजे हावड़ा पहुंचेगी ।

मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र ने बरकाकाना स्टेशन एवं बरवाडीह केंद्रीय विद्यालय का किया निरीक्षण

धनबाद (बिभा): मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा बरकाकाना स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर, पार्किंग क्षेत्र, कोचिंग लाइन तथा कंट्रोल कार्यालय का जायजा लेते हुए यात्री सुविधाओं, परिचालन व्यवस्था, स्वच्छता, रखरखाव कार्यों एवं उपलब्ध आधारभूत संसाधनों की गहन समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने, यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार लाने तथा परिचालन दक्षता एवं कार्यकुशलता को और सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके उपरांत मंडल रेल प्रबंधक द्वारा बरवाडीह स्थित केंद्रीय विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया गया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने तथा परिसर की सुरक्षा एवं स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

नई दिल्ली में 16 वें वित्त आयोग की राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

समय पर जारी हो अनुदानित राशि, परफॉर्मेंस ग्रांट पर उदारता दिखाए केंद्र सरकार: दीपिका पांडेय सिंह

बिभा संवाददाता

रांची : नई दिल्ली में आयोजित 16वें वित्त आयोग की अनुशंसा पर मिलने वाली अनुदानित राशि को लेकर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में झारखंड की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह शामिल हुई। इस मौके पर उन्होंने 16 वें वित्त आयोग से मिलने वाली अनुदानित राशि को ससमय देने और परफॉर्मेंस ग्रांट में उदारता दिखाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि समय पर अनुदान राशि निर्गत नहीं होने से पंचायतों की विकास योजनाओं पर बुरा प्रभाव पड़ता है। 16 वें वित्त आयोग से झारखंड की पंचायतों को 2026-27 से 2030-31 के बीच 14,231 करोड़ की राशि निर्गत होनी है। जिसमें ?11,385 करोड़ बेसिक ग्रांट और ?2,846 करोड़ परफॉर्मेंस ग्रांट शामिल है। इस अवसर पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने 15 वें वित्त आयोग के तहत झारखंड को मिलने वाली बकाया राशि के भुगतान की माँग को मजबूती से रखा। इस मौके पर केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह एवं केंद्रीय पंचायती राज्य मंत्री एस. पी. सिंह बघेल मौजूद रहें।

राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि 16 वें वित्त आयोग की अनुशंसाएँ झारखंड के पंचायती राज संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर लेकर आई हैं। यह राशि हमारे ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों को सशक्त बनाने, स्थानीय विकास को गति देने और सेवा वितरण में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लेकिन अवसर के साथ साथ कुछ चुनौतियाँ भी हैं, जैसे पूर्व वित्त आयोगों की अप्रयुक्त राशि को लौटने का कोई प्रावधान नहीं बताया गया है और ना ही उस राशी के इस्तेमाल का कोई दिशा निर्देश दिया गया है। उक्त परिस्थिति में नई अनुदान राशि प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इसे लेकर केंद्र पंचायती राज विभाग को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, ताकि राशि का बेहतर उपयोग पंचायत स्तर पर हो सके। अपने संबोधन में मंत्री ने पंचायत कर्मियों को पूर्व से मिली आ रही राशि को 16 वें वित्त आयोग में भी जारी रखने की बात कही । उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर ऐसे कर्मियों की वजह से ही योजनाएं धरातल पर उतर पाती है ।

दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि झारखंड जैसे राज्यों में पंचायतों की स्वयं के स्रोत से राजस्व संग्रहण क्षमता अभी सीमित है। इसलिए ऐसे मामलों में नरम रूख अपनाने की जरूरत है। वित्त आयोग का उद्देश्य राज्यों और पंचायतों को प्रोत्साहित करना होना चाहिए। प्रदर्शन आधारित अनुदानों में राज्यों की प्रारंभिक परिस्थितियों और क्षमताओं को ध्यान में रखा जाए और पंचायतों को राजस्व संग्रहण, वित्तीय प्रबंधन एवं तकनीकी क्षमता निर्माण के लिए पर्याप्त सहयोग प्रदान किया जाए। झारखंड सरकार पंचायतों को मजबूत, वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर और जवाबदेह स्थानीय सरकारों के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय कार्यशाला में झारखंड पंचायती राज निदेशक बी. राजेश्वरी भी शामिल हुईं।

उपायुक्त ने चयनित होमगार्ड अभ्यर्थियों को किया आश्वस्त, जल्द होगा डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

बिभा संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त आदित्य रंजन ने शुक्रवार को होमगार्ड बहाली में चयनित अभ्यार्थियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर उन्हें आश्वस्त किया कि जल्द ही उनके मेडिकल और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि प्रक्रिया शुरू करने के लिए राज्य सरकार को पत्र लिखा है। जैसे ही वहां से आदेश प्राप्त होगा और तिथि निश्चित होगी, सभी को सूचित कर, मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू होगी।

उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को जिला प्रशासन की शोर से लिखे गए पत्र की प्रतिलिपि दी। प्रतिमंडलमंडल के सभी सदस्यों ने उसे पढ़ा और पूरी तरह से आश्वस्त हुए।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन ने बिल्कुल पारदर्शी प्रक्रिया अपनाकर होमगार्ड बहाली की परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कराई है। आगे की प्रक्रिया भी उसी तरह से संपन्न कराई जाएगी।

उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों को किसी भी बिचौलिए के झांसे में नहीं आने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी बिचौलिया किसी भी अभ्यर्थी को राशि लेकर उनका काम कराने का प्रलोभन देता है तो वे सीधे उपायुक्त से संपर्क कर सकते हैं। उपायुक्त ने सभी को किसी भी अफवाह पर भी ध्यान नहीं देने का अनुरोध किया।

प्रतिनिधिमंडल में दीपा कुमारी, खुशबू कुमारी, विवेक दुबे व विवेक कुमार मौजूद थे।

जेईए और बीआईटी मेसरा के बीच स्टार्टअप इकोसिस्टम को लेकर एमओयू

रांची। झारखंड में नवाचार आधारित उद्यमिता और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की दिशा में शुक्रवार को झारखंड एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन (जेईए) और बीआईटी मेसरा के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। बीआईटी मेसरा की ओर से शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थान छात्रों, शोधकताओं, संकाय सदस्यों और नवाचारकताओं को उनके शोध और विचारों को तकनीक, उत्पाद और स्टार्टअप में विकसित करने के लिए साझा मंच उपलब्ध कराया जाएगा। समझौते के तहत स्टार्टअप स्काउटिंग, नवाचार की पहचान, मेंटरशिप संयुक्त रूप से संचालित किए जाएंगे। क्वांटम टेक्नोलॉजी, डीप टेक, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मेडटेक, ग्रामीण नवाचार, पर्यटन, महिला उद्यमिता, सतत विकास और उभरती प्रौद्योगिकियों पर विशेष फोकस रहेगा। साथ ही अनुसंधान के व्यावसायीकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

एसआईआर के कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी : के रवि

बिभास ंवाददाता

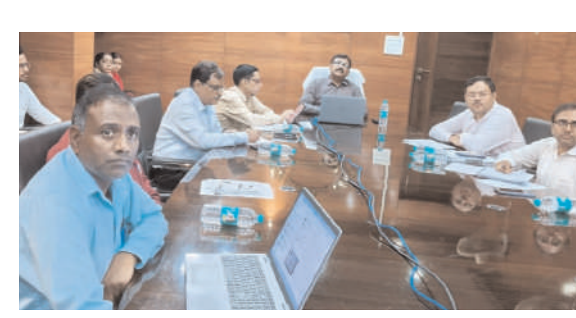

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने निर्वाचन सदन से राज्य के सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, उप निर्वाचन पदाधिकारियों और बीएलओ सुपरवाइजरों के साथ ऑनलाइन माध्यम से गूगल मीट के माध्यम से बैठक की। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र भरवाए जाने एवं इसके डिजिटाइजेशन से सम्बंधित सभी शंकाओं एवं पृच्छा को पीपीटी के माध्यम से बताया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

के रवि कुमार ने कहा कि बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र दिया जा रहे है। इसके साथ साथ इसे डिजिटाइजेशन के भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एसआईआर के कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में अपन नाम जुड़वाने से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता जो 2026 के मतदाता सूची में शामिल हैं उनके नाम से गणना प्रपत्र के 2 कॉपी छपेंगे और प्रत्येक मतदाता जो अपना गणना प्रपत्र भरकर एवं हस्ताक्षर कर अपने बीएलओ अथवा ऑनलाइन माध्यम से जमा करेंगे उनका नाम 5 अगस्त के मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी क्षेत्र में कार्य कर रही बीएलओ का सहयोग करें एवं मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में दिए गए दायित्वों का निर्वहन करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि कार्यालय द्वारा मतदाताओं एवं निर्वाचन के विभिन्न स्टेकहोल्डर द्वारा पूछे जाने वाले सामान्य प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान करने एवं जागरूक करने हेतु सामान्यतः पूछे जाने वाले प्रश्नों की सीरीज जारी किए गए हैं। इस सीरीज के तहत सभी सामान्य प्रश्नों एवं उत्तरों के माध्यम से पदाधिकारी मतदाताओं के बीच उठने वाले शंकाओं का निवारण करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा जल्द ही इसकी तीसरी सीरीज भी जारी की जाएगी। इस अवसर पर राज्य ट्रेनिंग नोडल देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित निर्वाचन विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने कमलूर और भंसी स्टेशनों के बीच नई शुरू की गई दूसरी लाइन का निरीक्षण किया

भुवनेश्वर : रेलवे सुरक्षा आयुक्त , साउथ ईस्टर्न सर्कल, बृजेश कुमार मिश्रा ने 2 जुलाई को ईस्ट कोस्ट रेलवे के रायगडा डिवीजन के तहत जगदलपुर-किरंदुल डबलिंग प्रोजेक्ट के कमलूर और भंसी स्टेशनों के बीच नई बिछाई गई दूसरी लाइन का अनिवार्य निरीक्षण किया।

इस निरीक्षण में कमलूर और भंसी के बीच 12.428 किलोमीटर का सेक्शन शामिल था और यह नए बने रायगडा डिवीजन में किसी डबलिंग प्रोजेक्ट के लिए पहला उफ्र निरीक्षण था। सफल निरीक्षण और स्पीड ट्रायल के बाद, इस सेक्शन को ट्रेन संचालन के लिए उपयुक्त घोषित कर दिया गया है।

निरीक्षण से पहले, इस सेक्शन के लिए प्री-नॉन-इंटरलॉकिंग का काम 26 जून, 2026 को शुरू हुआ था और डबलिंग का काम 2 जुलाई, 2026 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। निरीक्षण के दौरान, उफ्र ने सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, ओवरहेड इक्विपमेंट, पुलों, लेवल क्रॉसिंग और अन्य सुरक्षा सुविधाओं की बारीकी से जांच की।

कमलूर-भंसी सेक्शन जगदलपुर-किरंदुल रूट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह मुश्किल इलाकों से होकर गुजरता है। नई शुरू की गई दूसरी लाइन को आधुनिक इंजीनियरिंग तरीकों का इस्तेमाल करके बनाया गया है, जिसका मकसद सुरक्षा, विश्वसनीयता और संचालन की क्षमता को बेहतर बनाना है।

डबल किए गए सेक्शन के शुरू होने से खनिज से भरपूर जगदलपुर-किरंदुल कॉरिडोर पर लाइन की क्षमता में काफी सुधार होगा। इससे मालगाड़ियों, खासकर लौह अयस्क की ढुलाई आसान हो जाएगी और मौजूदा लाइन पर भीड़भाड़ कम होगी। इससे इस इलाके में यात्री ट्रेन सेवाओं की समय-पालन और संचालन क्षमता में भी सुधार होगा।

कमलूर-भंसी डबलिंग सेक्शन का शुरू होना ईस्ट कोस्ट रेलवे की उन कोशिशों में एक और अहम पड़ाव है, जिनका मकसद रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना, माल ढुलाई की व्यवस्था को बेहतर बनाना और पूरे इलाके में सुरक्षित, कुशल और भरोसेमंद रेलवे सेवाएं प्रदान करना है।

इस निरीक्षण में ईस्ट कोस्ट रेलवे मुख्यालय, रायगडा डिवीजन और कंस्ट्रक्शन ऑर्गनाइजेशन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

सेंट जेवियर कॉलेज में फलदार पौधे का वितरण

बिभा संवाददाता

रांची,। सेंट जेवियर कॉलेज में पुरुलिया रोड में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने की बात पर शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रांची नगर निगम के उप नगर आयुक्त और सहायक नगर आयुक्त का विशेष सहयोग रहा। नगर निगम और प्रिज्मोलॉइन के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र-छात्राओं के बीच 100 फलदार पौधों का वितरण किया गया। इसके साथ ही प्रिज्मोलॉइन और 1/3 कंपनी एनसीसी ने पर्यावरण संरक्षण पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार में प्रिज्मोलॉइन के मैनेजिंग डायरेक्टर ऋषभ सिंघानिया ने पर्यावरण के गिरते स्तर और ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्याओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज के समय में पेड़ सिर्फ हरियाली के लिए नहीं, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व को बचाने के लिए जरूरी हैं। धरती के बढ़ते तापमान को रोकने और आने वाली पीढ़ी को शुद्ध हवा व पानी देने का एकमात्र उपाय बड़े पैमाने पर पौधारोपण करना है। मौके पर सेंट जेवियर कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल डॉ फादर अजय मिंज (एसजी) ने कहा कि यदि आज हम जागरूक नहीं हुए, तो भविष्य में इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। सेमिनार में सैकड़ों छात्र-छात्राओं को पर्यावरण को सुरक्षित रखने से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं, साथ ही पर्यावरण की रक्षा के प्रति सभी विद्यार्थियों को संकल्प दिलाते हुए शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में प्रिज्मोलॉइन के मैनेजिंग डायरेक्टर ऋषभ सिंघानिया, डायरेक्टर (एचआर एंड एडमिन) स्नेहा सिंघानिया, एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट मोनिका सोनी, सेंट जेवियर कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल डॉ फादर अजय मिंज (एसजी), एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डॉ प्रिया श्रीवास्तव सहित बडी संख्या में छात्र-छात्राएं और अन्य लोग मौजूद थे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com